सर्व शिक्षा अभियान

2001-2007

जनपद
ऊधम सिंह नगर

अनुक्रमणिका

क्र.स.	विषय (अध्याय)	पृष्ठ संख्या
1	जनपद की पृष्ठ भूमि	1 – 12
2	(अ) जनपद का शैक्षिक परिदृश्य	12–22
	(ब) बेसिक शिक्षा परियोजना का योगदान	23–31
3	नियोजन प्रक्रिया	32–37
4	कार्यक्रम अवधारणा लक्ष एवं उददेश्य	38–41
5	समस्यायें एवं उनका निराकरण	42–73 A
6	क्रियान्वयन हेतु परियोजना प्रबन्धन	73B–78
7	विशेष समूह का आच्छादन	79–81
8	कन्वर्जेन्स एवं सहयोग	82–84
9	अनुश्रवण एवं मूल्यांकन	85–87
10	बजट प्राविधान	88– 99
11	बजट लेख	100–106
12.	टाइम सैड्यूल (वार डाइग्राम)	107
13.	अनुसूची	1–11

DISTRICT- UDHAM SINGH NAGAR

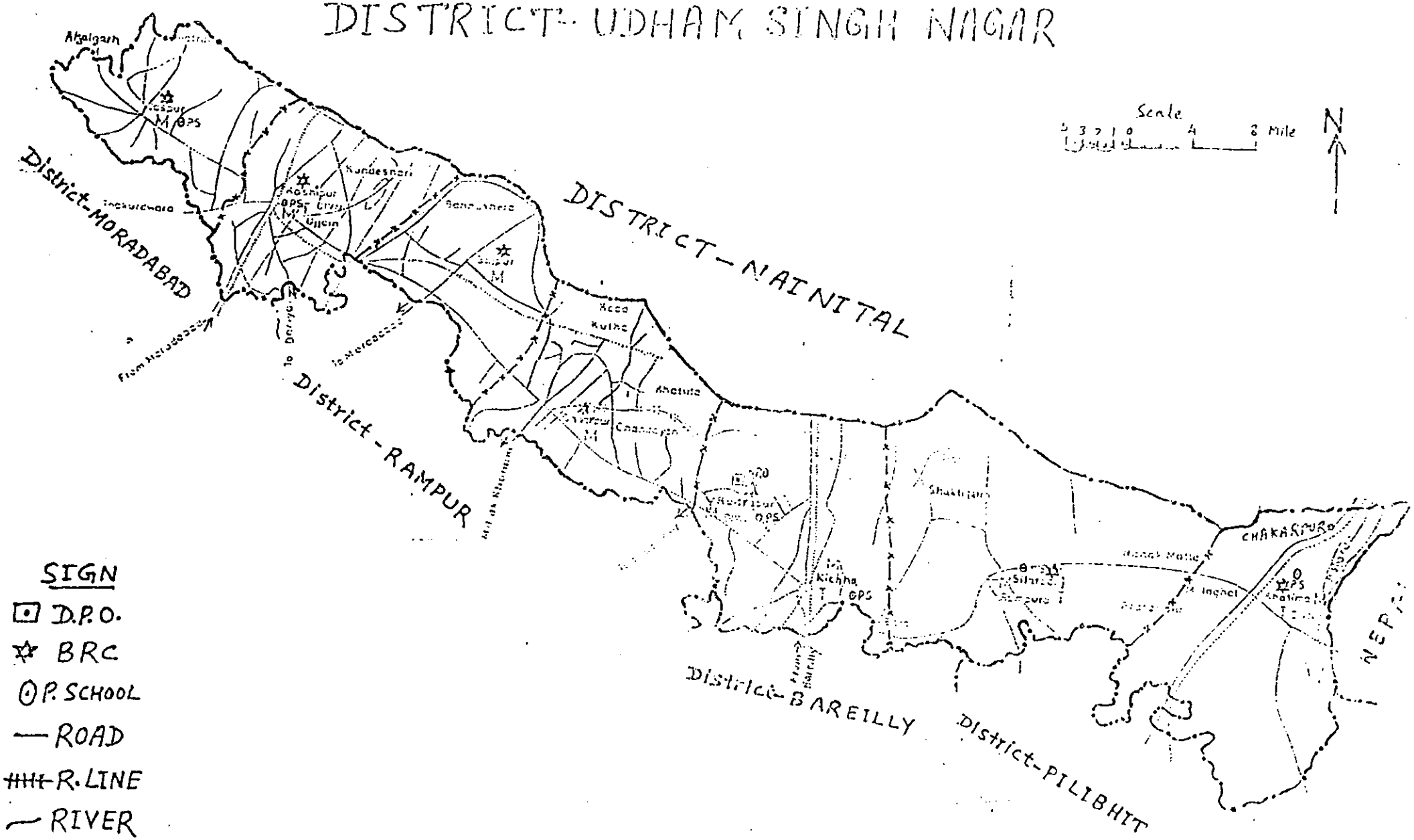

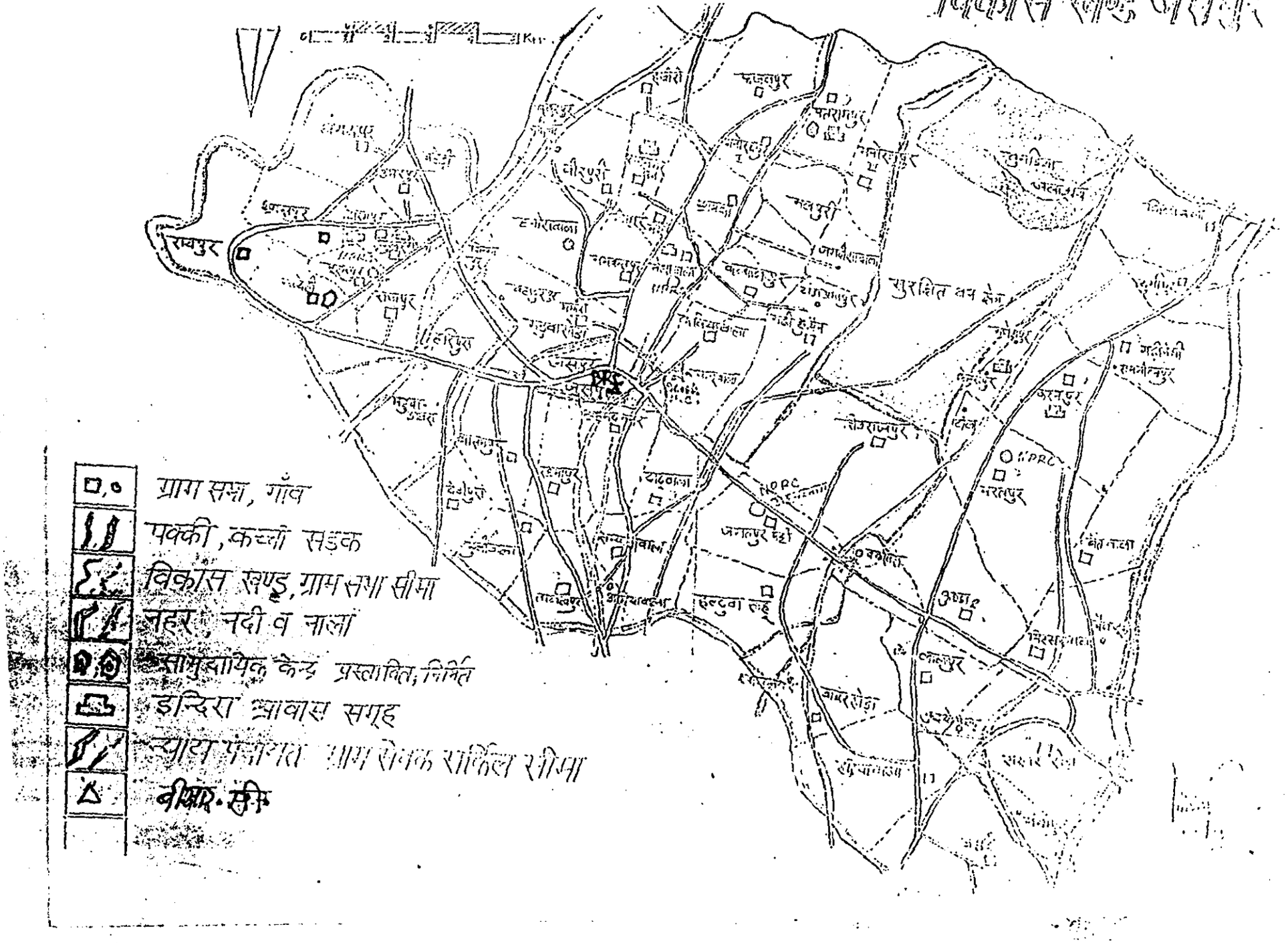

विकास खण्ड जसपुर

राम्पुर
जसपुर
सुरक्षित वन क्षेत्र
ग्राम सभा, गाँव
पक्की, कच्ची सड़क
विकास खण्ड, ग्राम सभा सीमा
नहर, नदी व नाला
सामुदायिक केन्द्र प्रस्तावित, निर्मित
इन्दिरा आवास समूह

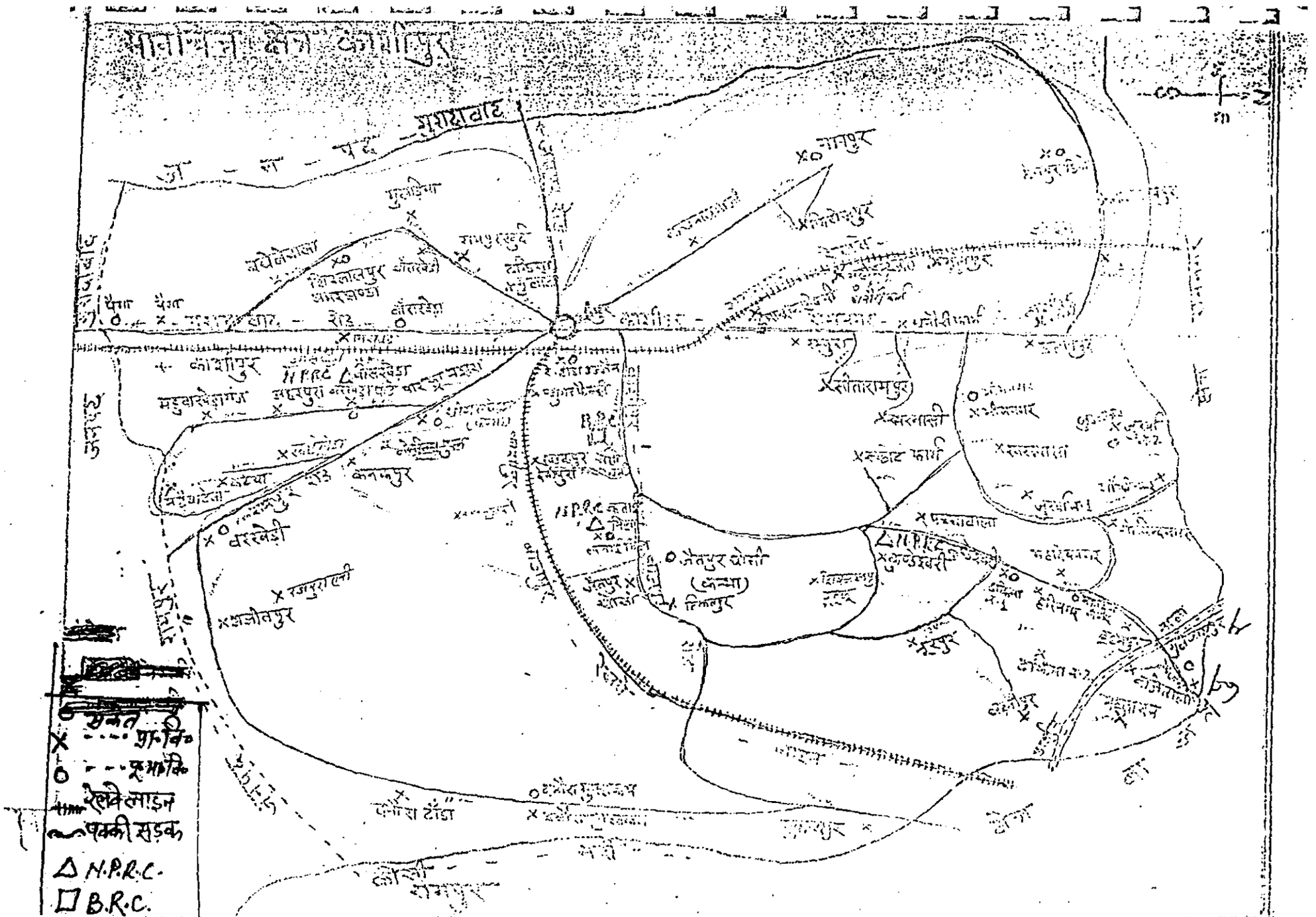

मुरादाबाद
बरखेड़ी
प्रा॰ वि॰
पू॰ मा॰ वि॰
रेलवे लाइन
पक्की सड़क
N.P.R.C.
B.R.C.

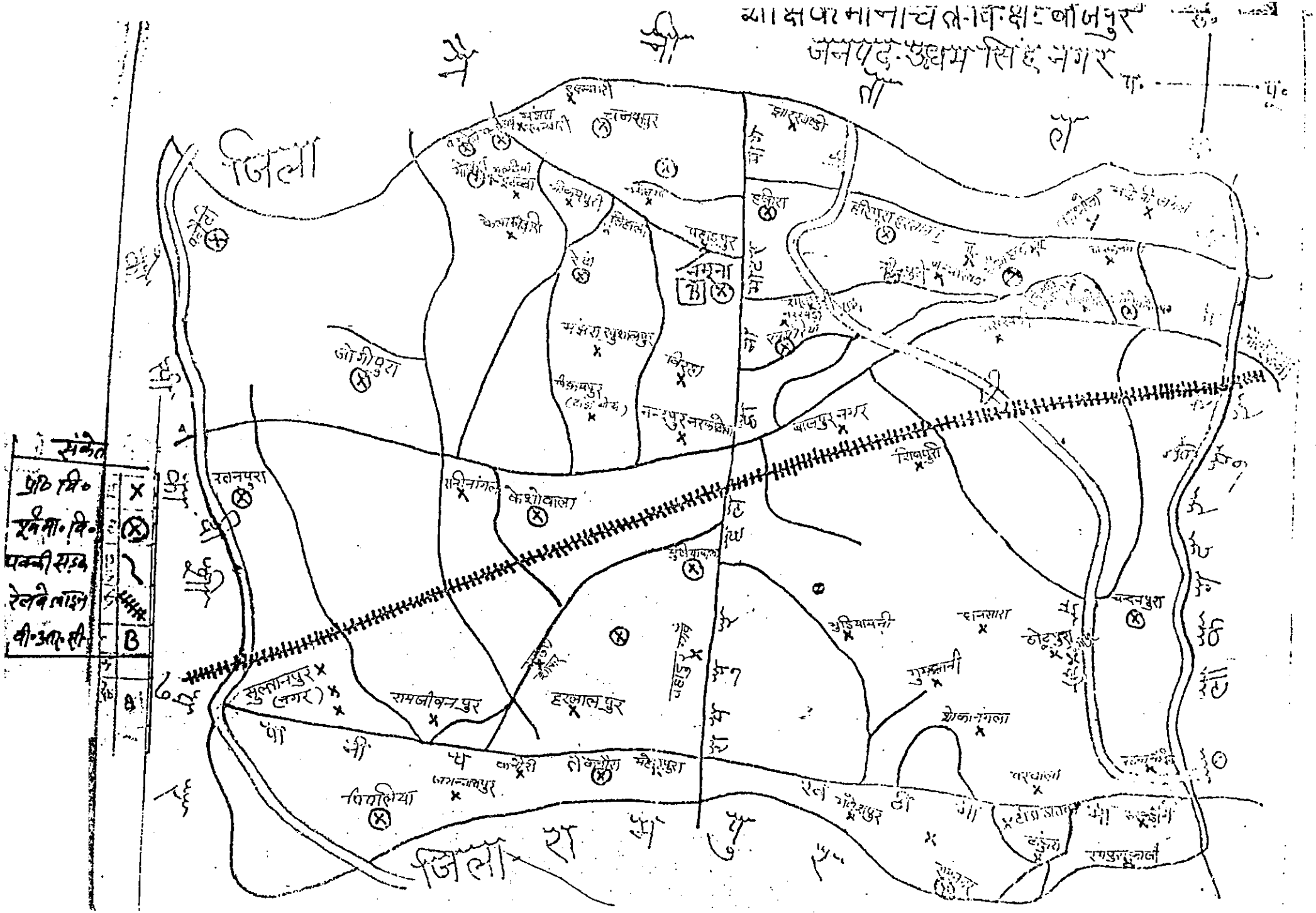

जनपद- उधम सिंह नगर
जिला
संकेत
प्रा० वि०
पू० मा० वि०
पक्की सड़क
रेलवे लाइन
बी० आर० सी०
B
जोगीपुरा
रतनपुरा
केशोवाला
सुल्तानपुर (नगर)
रामजीवनपुर
हरलाल पुर
पिपलिया
चन्दनपुरा

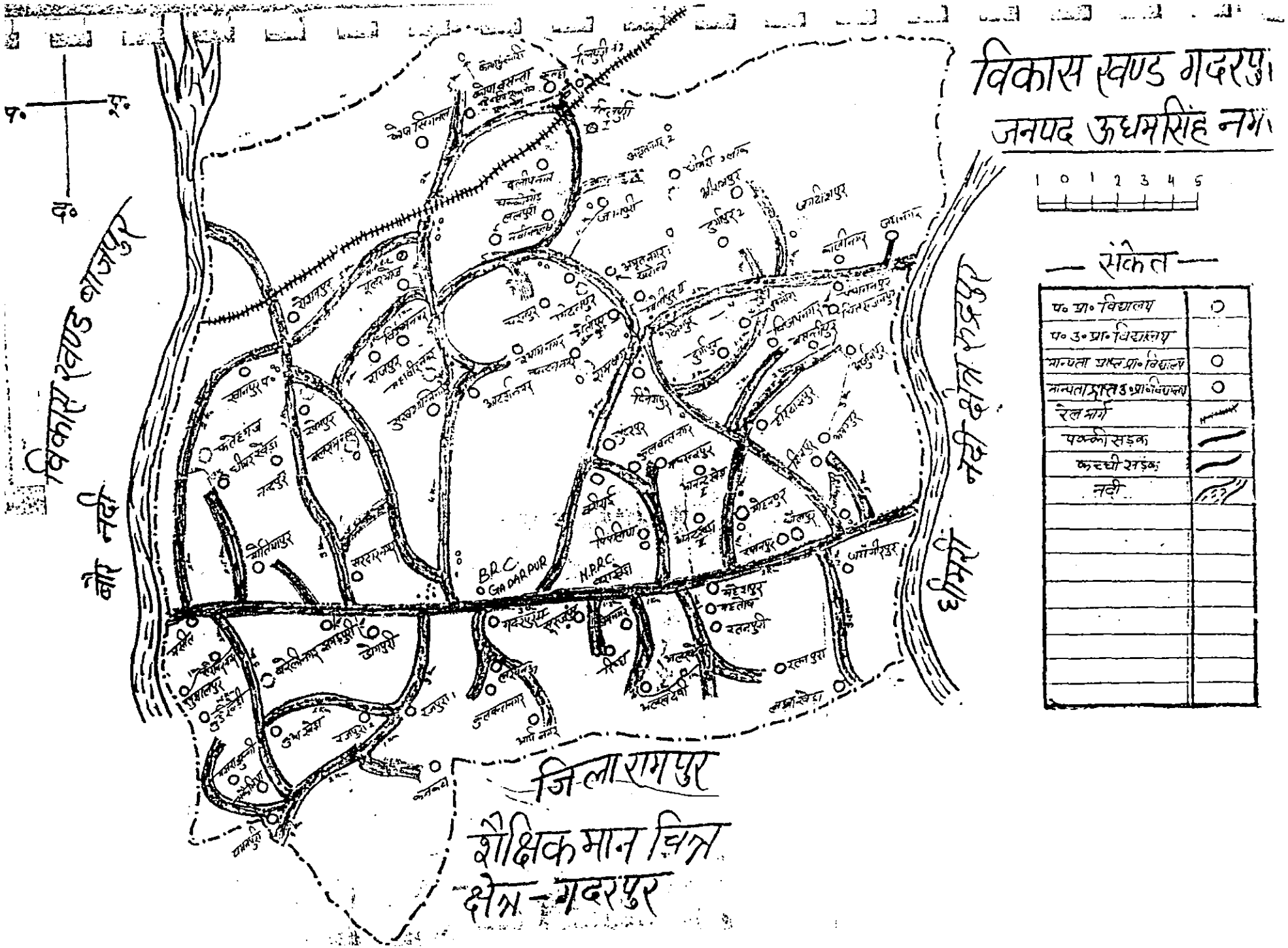

विकास खण्ड गदरपुर
जनपद ऊधमसिंह नगर
1 0 1 2 3 4 5
संकेत
प० प्रा० विद्यालय
प० उ० प्रा० विद्यालय
मान्यता प्राप्त प्रा० विद्यालय
मान्यता प्राप्त उ० प्रा० विद्यालय
रेल मार्ग
पक्की सड़क
कच्ची सड़क
नदी
विकास खण्ड बाजपुर
भौर नदी
नदी बेगुल
विकास खण्ड रुद्रपुर
B.R.C. GADARPUR
N.P.R.C.
जिला रामपुर
शैक्षिक मान चित्र
क्षेत्र - गदरपुर

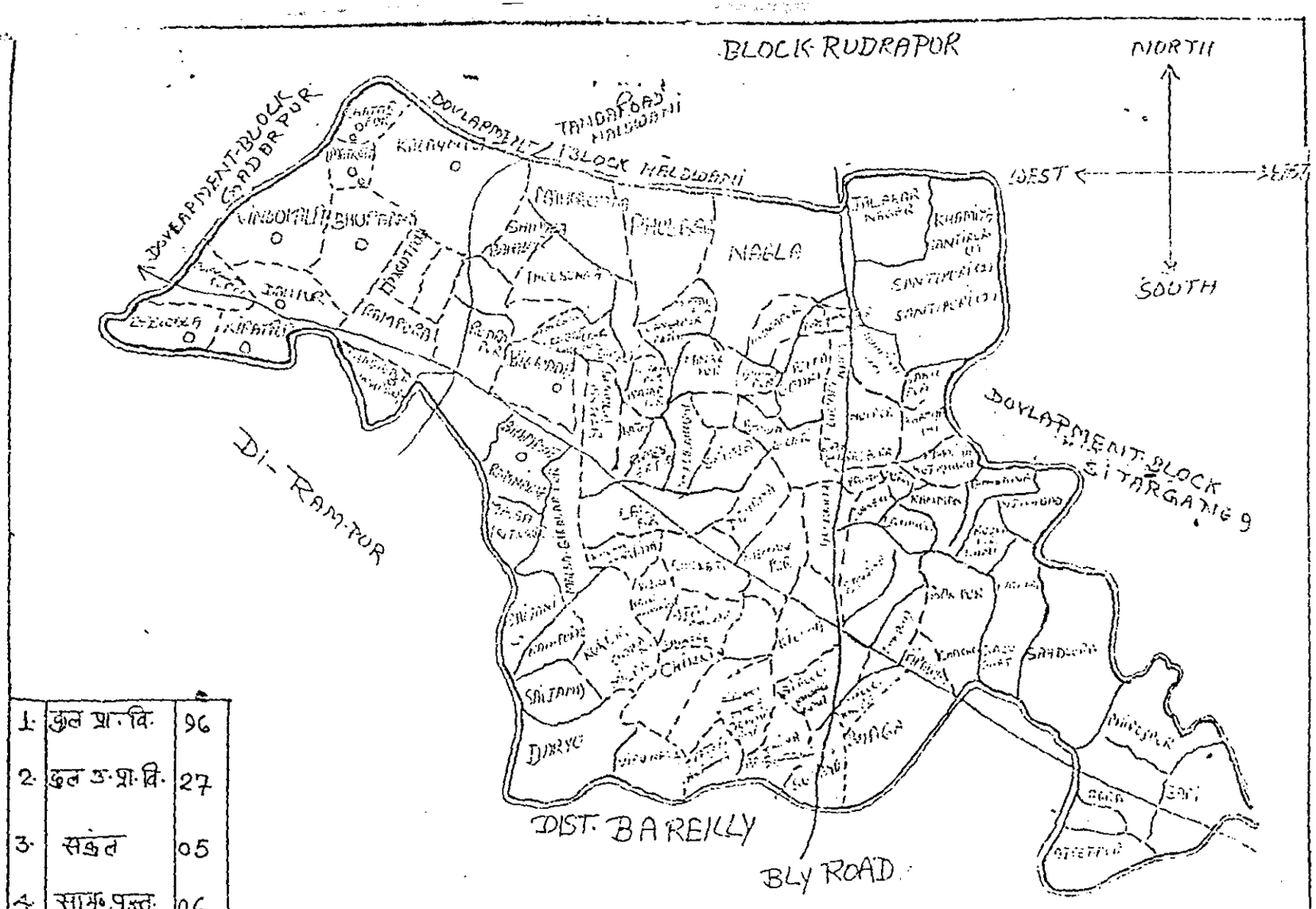

1.	कुल प्रा॰वि॰	96
2.	कुल उ॰प्रा॰वि॰	27
3.	संकुल	05
4.	संयुक्त	06
5.	हाईस्कूल	06
6	इन्टर कालेज	12

मानचित्र - विकास खण्ड - सितारगंज, जनपद - ऊधमसिंह नगर

मार्गचित्र
विकास खण्ड - तहसील खटीमा
N
E
S
1" = 1 MILE
संकेत चिन्ह
परिषदीय प्रा०
मा०प्रा०
मा०प्रा०पू०मा०
पक्की सड़क
कच्ची सड़क

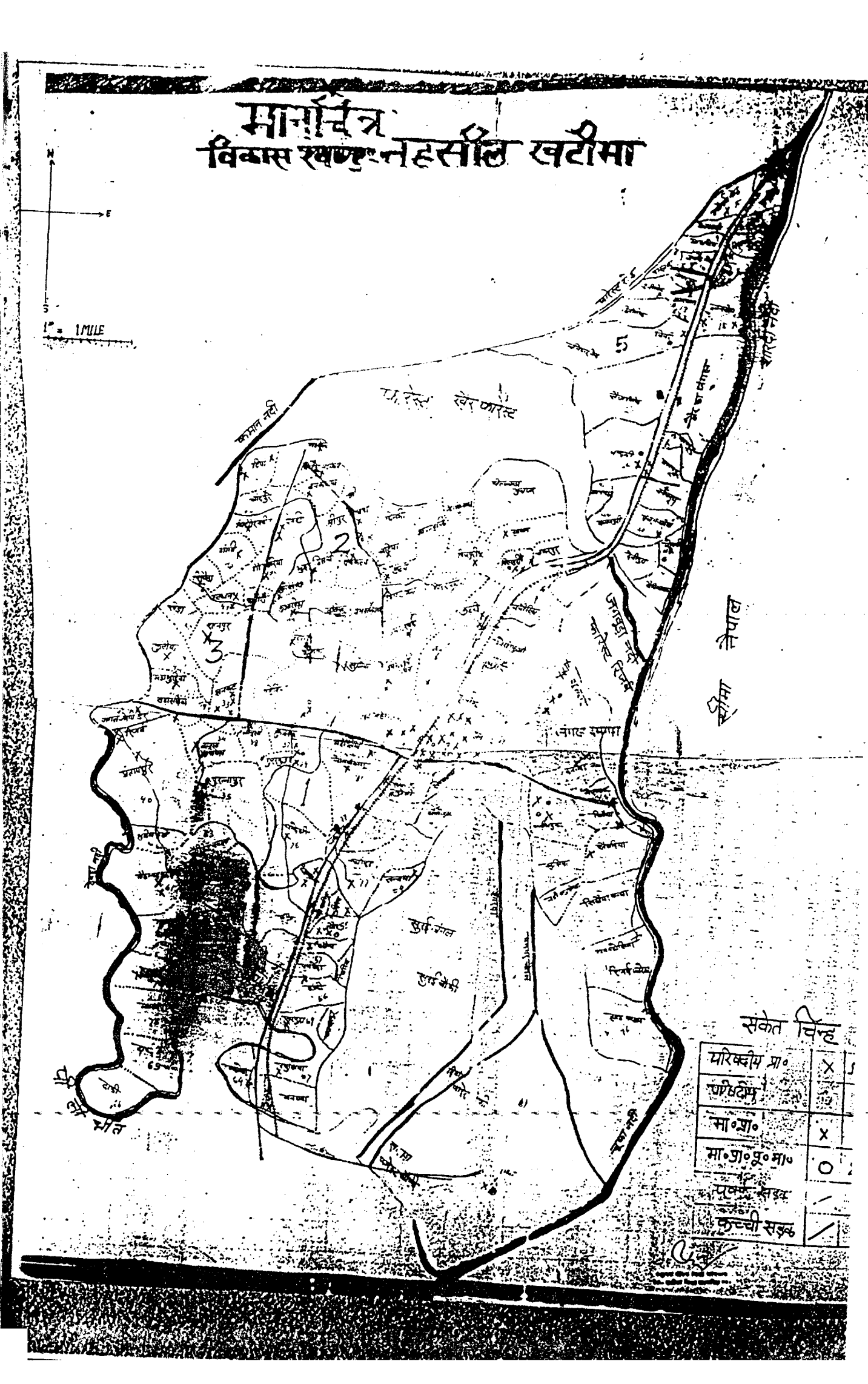

अध्याय-1

जनपद का परिचय

ऐतिहासिक :-

महा हिमालय के पांच प्रमुख खण्डों में से मानस खण्ड की शिवालिक श्रेणियों के मध्य रमणीय सरोवर नगरी नैनीताल जनपद से नवसृजित उधमसिंह नगर का प्रादुर्भाव 29 सितम्बर 1995 को तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी की घोषणा के फलस्वरूप हुआ जनपद का नाम उधम सिंह नगर प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी शहीद उधमसिंह के नाम पर रखा गया है शहीद उधम सिंह पटियाला रियासत के सुनाम नगर से 26 दिसम्बर 1899 में पैछा हुए थे। जिन्होंने जलियावाले बाग में अंग्रेजो द्वारा किए गए नरसंहार का बदला लिया था। इस जनपद का मुख्यालय रूद्रपुर एक प्रतापी महाराजा रूद्र चंद के नाम पर बसा हुआ रूद्रपुर है। राजा रूद्रचंद 1568 ई. में गद्दी पर आसीन हुए थे, उस समय उनकी आयु बहुत कम थी। 1575 ई. में हुसैन खां ने तराई भावर पर आक्रमण करके इस पर अधिकार कर लिया तथा परन्तु वह पहाड़ी युद्ध में घायल हो गया था तथा उसकी मृत्यु हो गई, हुसैन खां की मृत्यु के बाद राजा रूदचंद ने हुसैन खां की सेना को तराई भावर से भगाकर उस पर अपना अधिकार स्थापित कर लिया। कहा जाता है कि बादशाह अकबर ने रूद्रचंद की वीरता से प्रभावित होकर उन्हें लाहौर बुलाया और उन्हें जागौर के युद्ध में भेजा इस युद्ध में वे विजयी हुए, इससे प्रसन्न होकर बादशाह ने उन्हें चौरासी माल की जागरी प्रदान की उस समय चौरासी माल को तराई भावर कहा जाता था।

1802 ई. में ईष्ट इंडिया कम्पनी ने तराई को अपने कब्जे में ले लिया और गौर गोविन्द को तराई का अमीन नियुक्त किया। आजादी के बाद 1948 में यहा विस्थापितों का आना प्रारम्भ हुआ। इस दौरान कोलोनाइजेशन योजना के तहत 2537 शरणार्थी परिवारों, 700 राजनैतिक पीड़ितों, 186 पूर्व सैनिकों, 78 कृषि स्नातकों तथा 295 भूमिहीन परिवारों को यहा लाकर बसाया गया, इस दौरान बंगाल, वर्मा, कश्मीर, गुजरात, केरल हरियाणा, नैपाल, गढ़वाल के लोग यहां आकर बसे, इसमें हिन्दु, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन सभी धर्मो के लोग शामिल थे। सभी धर्मो के लोगो के यहां आकर बसने से इसे लघु भारत कहा जाने लगा।

भौगोलिक :–

28.8° उत्तरी अक्षांश से 31.5° उत्तरी अक्षांश तथा 77.6° पूर्वी देशान्तर से 81.2° पूर्वी देशान्तर के मध्य फैला हुआ इस जनपद का क्षेत्रफल 3358.24 वर्ग किलोमीटर है। इस जनपद की भौगोलिक सीमाऐं उत्तरांचल राज्य के चम्पावत एवं नैनीताल तथा उत्तर प्रदेश के बरेली, रामपुर, बिजनौर, मुरादाबाद तथा पीलीभीत जनपदों से मिली हुई हैं। यह जनपद पर्वतीय क्षेत्र से निर्गत विभिन्न जलधाराओं द्वारा लाई गई उपजाऊ मिट्टी से बना हुआ समतल भूभाग है। वर्तमान समय में जनपद का अधिकांश भू भाग कृषि क्षेत्र है जबकि स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व इसका अधिकांश भू भाग वनाच्छादित था। जिसमें विभिन्न दलदल, तालाब थे।

विशेष समूह :- जनजाति वर्ग (थारू एवं बुक्सा)

इतिहास में वर्णित 'तराई इलाका' का यह भूभाग ही वर्तमान उधम सिंह नगर जनपद है। मलेरिया व हैजे जैसे भयानक व भयावह बिमारियों से संघर्षरत रहने वाली जातियां के आवास स्थल के आधार पर जनपद दो भागो में विभाजित था ।

1. **थरूवाट** :– पूर्व में शारदा नदी के किनारे से लेकर किच्छा तक का भाग थरूवाट कहलाता था।

2. **बोक्साड़**:– किच्छा से लेकर काशीपुर तक क्षेत्र बोक्साड़ कहलाता था।

1. थरूवाट :-

थरूवाट में थारू जाति के लोग प्राचीन काल से रहते आये हैं। ये बड़े मौजी जीव है। खुशदिल व खुशमिजाज होते हैं। अतिथियों की बड़ी खातिर दारी करते हैं। भूत प्रेत को मानते है, तीज त्योहारों को बहुत बढ़चढ़कर मानते हैं। ये लोग गोत्र व घराने को 'कुरी' कहते हैं इनमें से ये 'कुरियां' प्रधान है :– (1) बड़्वायक (2) बट्ट्य (3) रावत (4) वृतिया (5) महेतां (6) डहैत (7) गुजैरा । इसके अलावा सौसाकुरी तथा गुसाईगिरी भी है जो निम्न माने जाते है। वड़्वायक जाति के लोग श्रेष्ट माने जाते है। आपस में पंचायत, राजीनामा हुक्का पानी चलाना आदि काम ये ही करते है।

2. बुक्साड़ :-

बोक्सा अपने को पवार राजपूत कहते हैं कहा जाता है कि इनके नेता उदय जीत की धारानगर के राजा जगजीत के साथ युद्ध हुया था। ये लोग युद्ध में हार गये और शारदा नदी के किनारे बनवसा में बस गये। कुमाऊं के राजा ने इनसे मदद मांगी तो राजा की विजय हो गयी, राजा ने प्रसन्न होकर वह भूमि जागीर में दी जिसे बुक्साड़ कहा जाता है, ये जोग करीब करीब थारूओं की तरह दिखाई देते है। ये तराई के प्राचीन निवासियों में से हैं। ये लोग बिल्कुल अज्ञान दिखाई देते है और सुस्त होते हैं।

जंगली सुअर का मांस बहुत पंसद है इनकी स्त्रीयां पर्दा प्रथा नहीं करती। ये काशीपुर की बाल सुन्दरी देवी को मानते हैं। उसकी पूजा को चैत के महिने काशीपुर जाते हैं। देवी को बकैस चढ़ाते है, मुर्गी सुअर नहीं पालते, ये लोग भी मछली खूब खाते हैं। चुटिया सब रखते हैं जनेऊ नहीं पहनते, विवाह वगैरह थारूओं की तरह करते हैं। पीर नत्थे व बुक्सा देवता को पूजते है उसे पूरी प्रसाद व फल चढ़ाते है। ये लोग श्राद्ध करते है केवल कनागतों में, औरतें त्यौहारों में गाती–बजाती है। मांस मंदिरा खूब प्रिय है। औरते मकानों में हाथी, घोड़े, शेर का चित्र बनाती है जिन्हें 'चिन्हा' कहते है। इनके मकान मिट्टी व फूस के होते है।

प्राचीन सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य :-

तराई पौराणिक काल में ब्रहमपुर नामक राज्य का एक भाग था। जिसकी राजधानी ललितपुर महाभारत काल में ही काशीपुर का द्रोण सागर बना है।

कत्थूरी शासन काल ईसा से 2500 वर्ष पूर्व से सन् 700 तक चला इस काल में यह क्षेत्र इन्ही के अधीन था। कत्थूरी राज्य के अवसान के समय सूर्यवंशी वीर देव कत्थूरी थे उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह चन्दवंशी राजा सोमचन्द से कर दिया तथा 15 वीघा जमीन दहेज में दी तथा तराई का कुछ भाग भी दिया। राजा रूद्रचंद के समय तराई को नौ लखिया माल कहलाता था सन् 1600 के करीब रूद्रपुर नगर बसाया तथा तराई को 8 परगनों में विभाजित किया गया –

1 .सहजगढ़ जो अब जसपुर कहलाता है।

2 .किलपुरी – किच्छा तथा सितारगंज

3 .बुक्साड़ – रूद्रपुर

4 .गदरपुर – गदरपुर

5 .चिनकी – विलौरी

6 .बक्सी – नानकमत्ता

7 .मुड़िया – बाजपुर

8 .कोटा – जिसमें काशीपुर शामिल है।

सन् 1639 में काशी नाथ अधिकारीन काशीपुर बसाया तथा बाजबहादुर चांद ने बाजपुर शहर बसाया। राजा दीपचंद के समय में तराई में खूब आबादी थी सन् 1777 में राजा दीप चंद मारे गये तथा यह भाग अंग्रेजो के आधीन हो गया, अंग्रेजो के समय भी तराई एक अलग जिला था। वर्ष 1891 में नैनीताल जिला बनने से तराई उस जिले का एक परगना बन कर रह गया।

जातियां :-

थारू एवं बोक्सा के अतिरिक्त पहाड़ी, अहार, अहीर, गडरिये, मेहतर, भाट, गूजर व जाट, काछी व कहार, कलवार, खटिक, कोरी, कुर्मी, लोधमाली, पासी, बनजोर, भुर्जी, सौसिये, नट व कंजर।

मुसलमानो में पठान, कुरेसी, बनजोर,तुर्की, फकीर राई तेली, बढ़ई, हेड़ी, जुलाहें ।

प्रमुख मेले :-

मेले का नाम	सम्मान में	स्थान
चैती	बाल सुन्दरी देवी	काशीपुर में
मोटेश्वर	महादेव	काशीपुर में

जनपद में उपलब्ध संसाधन

(अ) प्राकृतिक संसाधन :–

(1) वन सम्पदा :– जनपद में वन सम्पदा के रूप में विकास खण्ड रूद्रपुर में टांडा रेंज, देवली रेज, पिपल पडाव रेंज, बरकोली रेंज, के वन स्थापित है। इसी प्रकार विकास खण्ड सितारगंज में रेखाल रेंज, साउथ जैसाल रेंज, बरखोली रेंज तथा खटीमा विकास खण्ड में किलापुरा रेंज, झनकाइय्या रेंज, सूरी रेंज, महोला रेंज, तथा लोहिया हैड रेंज में वन स्थापित है। जहां से इमारती लकड़ी के अतिरिक्त जानवरों के लिए घास तथा जनता के लिए ईधन प्राप्त होता है।

(2) जल सम्पदा :– जनपद उधम सिंह नगर का शत् प्रतिशत भाग तराई क्षेत्र में स्थित है। जिसके कारण जमीन में 20 फीट खुदाई के उपरान्त जल की प्राप्ति हो जाती है। इस प्रकार जल की कोई कमी महसूस नहीं होती है।

(3) खनिज सम्पदा :– जनपद नैनीताल में ओखल कांडा से आने वाली प्रमुख गौलानदी इस जनपद में प्रवेश करती है, और रूद्रपुर विकास खण्ड का शान्तिपुरी क्षेत्र इस नदी के किनारे बसा है। इस नदी से प्राप्त होने वाली बजरी, रेता व पत्थर भवन निर्माण के लिए विशिष्ठ समझी जाती है। इस प्रकार जनपद के उक्त क्षेत्र रेजा–बजरी व पत्थर के लिये प्रमुख रूप से जाने जाते हैं। और यह खनिज सम्पदा उधम सिंह नगर के अतिरिक्त भारत के अनेक स्थानों पर भेजी जाती है।

(ब)(1) मानव निर्मित संसाधन :– सड़कें– उधम सिंह नगर में सड़कें पर्याप्त मात्रा में हैं। प्रति लाख जनसंख्या पर पक्की सड़कों की लम्बाई 283.2 वर्ग किमी आंकी गयी है।

स्त्रोत– जिला अर्थ संख्या अधिकारी

(2) विद्युत – जनपद उधम सिंह नगर में कुल राजस्व 650 ग्राम है। सूचना के आधार पर सभी ग्राम विद्युत सुविधा से आच्छादित हैं। जनपद के खटीमा क्षेत्र में जल विद्युत परियोजना लोहिया हैड स्थापित है। जो खेती की सिंचाई के अतिरिक्त विद्युत उत्पन्न करता है। इससे उत्पन्न विद्युत अन्य जनपदों को वितरित की जाती है।

(3) पेयजल/ सिंचाई जनपद उधम सिंह नगर में पेयजल सुविधा सभी ग्राम पंचायत में उपलब्ध है। सिंचाई क्षेत्र में नहरों से 32239.0 हेक्टेयर राजकीय नलकूपों से 11440 हेक्टेयर व कुओ से 18424 के लगभग

सिंचाई की जाती है। पीने के पानी की व्यवस्था लगभग प्रत्येक ग्राम पंचायत में उपलब्ध है। यहां अन्य साधनों से 3025 हे0 सिंचाई की जाती है। इन के अतिरिक्त जनपद में निम्नलिखित सागर/बांध जैसे– नानक सागर बांध, भोगपुर बांध, तुमाडिया बाध, बेगुल बांध, ढोराडाम, हरिपुरा जलाशय बांध स्थित है।

प्रशासनिक ढांचा

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	ब्लाक का क्षेत्रफल	नगरपालिका की संख्या	टाउन एरिया संख्या	न्याय पंचायत संख्या	ग्राम पंचायत संख्या	राजस्व ग्राम संख्या	वार्ड संख्या	कुल बस्तियों की संख्या	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1	जसपुर	232.00	01	01	04	51	100	35	108	
2	काशीपुर	185.00	01	01	03	28	75	35	112	
3	बाजपुर	286.00	01	02	04	54	113	45	135	
4	गदरपुर	233.00	01	01	03	55	69	35	208	
5	रूद्रपुर	307.00	02	01	05	55	90	60	98	
6	सितारगंज	325.00	01	01	04	43	120	35	232	
7	खटीमा	324.00	01	–	04	50	89	25	175	
	योग	1892.00	08	07	27	336	656	270	1068	

प्रशासनिक ढांचा

1–तालिका

क्र.स.	विकास खण्ड का नाम	नगरपालिका संख्या	टाउन एरिया संख्या	न्याय पंचायत संख्या	ग्राम पंचायत संख्या	वार्ड संख्या	बस्ती संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	रूद्रपुर	02	01	05	55	60	98
2.	गदरपुर	01	01	03	55	35	208
3.	बाजपुर	01	02	04	54	45	135
4.	काशीपुर	01	01	03	28	35	112
5.	जसपुर	01	01	04	51	35	108
6.	खटीमा	01	–	04	50	25	175
7.	सितारगंज	01	01	04	43	35	232
	योग	08	07	27	336	270	1068

2– रेखाचित्र

A जनपद — उधम सिंह नगर

(1)

B-तहसील — किच्छा | काशीपुर | खटीमा | सितारगंज

(4)

C- उप–तहसील — बाजपुर | गदरपुर

(2)

D- विकास खण्ड — रूद्रपुर | बाजपुर | काशीपुर | गदरपुर | जसपुर | खटीमा | सितारगंज

(7)

E-नगर पालिका — किच्छा | रूद्रपुर | बाजपुर | काशीपुर | गदरपुर | जसपुर | खटीमा | सितारगंज

(8)

F- टाउन एरिया — नगला | केलाखेड़ा | सुल्तानपुर पट्टी | महुवा खेंड़ा गंज | दिनेशपुर | महुवाडाबरा | शक्तिगढ़

(7)

Table 1- District Level Human Development Indicators in Uttaranchal, Based on Census 2001 and National Commission on Population 2001

Sl. No.	District		Decadal GR		Literacy Rate						Sex ratio		Sex ratio	Density		Composite Health
		Population 2001	1981-1991	1991-2001	Persons 1991	Males	Females	Persons 2001	Males	Females	1991	2001	2001 (0-6 yrs)	1991	2001	Index 2001*
1	Uttarkashi	294179	25.54	22.72	47.23	68.74	23.57	66.58	84.52	47.43	918	941	945	30	37	51.28
2	Chamoli	369198	21.97	13.51	60.4	80.85	39.66	76.23	89.89	63	982	1017	935	43	48	65.22
3	Rudraprayag	227461	17.51	13.44	57.47	80.36	37.08	74.23	90.73	59.98	1094	1117	924	106	120	58.35
4	Tehri Garhwal	604608	16.59	16.15	48.46	72.09	26.31	67.04	85.62	49.76	1048	1051	931	128	148	56.91
5	Dehradun	1279083	34.66	24.71	69.5	77.95	59.26	78.96	85.87	71.22	843	893	903	332	414	66.52
6	Garhwal	696851	9.05	3.87	65.53	82.57	49.65	77.99	91.47	66.14	1058	1104	925	124	129	65.38
7	Pithoragarh	462149	14.11	10.92	61.38	80.31	42.41	76.48	90.57	63.14	992	1031	901	59	65	55.62
8	Champawat	224461	34.22	17.56	55.81	77.63	32.62	71.11	88.13	54.75	945	1024	946	107	126	54.23
9	Almora	630446	9.43	3.14	59.83	80.78	41.32	74.53	90.15	61.43	1099	1147	926	198	204	65.51
10	Bageshwar	249453	14.92	9.21	54.54	76.52	34.22	71.94	88.56	57.45	1055	1110	939	99	108	58.65
11	Nainital	762912	30.01	32.88	68.36	80.42	54.51	79.6	87.39	70.98	881	906	908	149	198	67.54
12	Udham Singh Nagar	1234548	44.46	27.79	49.29	60.47	36.02	65.76	76.2	54.16	863	902	912	332	424	50.34
13	Hardwar	1444213	28.44	26.3	47.97	59.28	34.37	64.6	75.06	52.6	846	868	852	845	612	61.05
Total	Uttaranchal	8479562	24.23	19.2	57.75	72.79	41.63	72.28	84.01	60.26	936	964	906	133	159	60.52

Note- * The composite development index is computed after integrating seven indicators, like health facilities, marriege status,immunisation and potable drinking water

Source- Census of India 2001, provisional Population total and National Commission on Population, 2001

तालिका सं. 1.7 :– विकास खण्ड वार ग्रामीण, शहरी क्षेत्र की जनसंख्या 2001

क्र.सं.	विकासखण्ड	ग्रामीण			शहरीय			कुलयोग		
		पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	जसपुर	49121	42850	91971	23796	21362	45158	72917	64212	137129
2.	काशीपुर	50196	47341	97537	56025	50011	106036	106221	97352	203573
3.	बाजपुर	51325	44387	95712	20150	17128	37278	71475	61515	132990
4.	गदरपुर	29141	34412	63553	11902	10592	22494	41043	45004	86047
5.	रूद्रपुर	87944	70887	158831	81162	69916	151078	169106	140803	309909
6.	सितारगंज	77532	71446	148978	14036	12683	26719	91568	84129	175697
7.	खटीमा	88903	85922	174825	7787	6591	14378	96690	92513	189203
	कुल योग	434162	397245	831407	214858	188283	403141	649020	585528	1234548

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि सम्पूर्ण जनसंख्या में विकास खण्ड वार महिलाओं का प्रतिशत क्रमशः 48.8, 47.8, 46.2, 52.3, 45.4, 47.9 तथा 48.9 है, जबकि जनपद में महिलाओं का प्रतिशत 47.4 इससे यह भी स्पष्ट हो रहा है जहां विकास खण्ड गदरपुर में महिलाओं का प्रतिशत सर्वाधिक 52.3 है वहीं विकास खण्ड रूद्रपुर में न्यूनतम 45.4 है।

जनसंख्या में महिलाओं की स्थिति को यदि ग्रामीण व नगरीय दृष्टि से देखें तो स्थिति निम्नवत है।

महिलाओं का प्रतिशत

विकास खण्ड	ग्रामीण	नगर
1. जसपुर	46.6	47.3
2. काशीपुर	48.5	47.1
3. बाजपुर	46.3	45.9
4. गदरपुर	54.1	47.1
5. रूद्रपुर	44.6	46.2
6. सितारगंज	49.9	47.4
7. खटीमा	49.1	45.8

वर्ष 1991 की जनगणना के आधार पर

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	क्षेत्रफल वर्ग (कि.मी.)	कुल जन संख्या			अनुसूचित जाति की जनसंख्या			अनुसूचित जन जाति की संख्या			
			कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
1	जसपुर	232.0	74460	40203	34257	13731	7343	6388	–	–	–	
2	काशीपुर	185.0	57891	32167	25724	17519	9614	7905	182	104	78	
3	बाजपुर	286.0	74222	39686	34536	10133	5574	4559	8723	4467	4256	
4	गदरपुर	233.0	78561	41655	36906	6432	3489	2943	9260	4749	4511	
5	रूद्रपुर	307.0	87220	47857	39363	13201	7363	5838	65	38	27	
6	सितारगंज	325.0	110521	58766	51755	10035	5403	4632	25921	13420	12501	
7	खटीमा	324.0	113461	58643	54818	13776	7038	6738	39947	20387	19560	
	योग समस्त विकास खण्ड	1892.0	596336	318977	277359	84827	45824	39003	84098	43165	40933	
	योग वन क्षेत्र		25940	13881	12059	5594	2863	2731	943	509	434	
	योग ग्रामीण		622276	332858	289418	132155	90421	41734	85841	43674	41367	
	योग नगरीय		292293	157946	134347	30885	16872	14613	1286	733	553	
	योग जनपद		914569	490804	423965	121306	65559	55747	86927	44407	41920	

विकास खण्ड वार जनसंख्या विवरण
वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	कुल जन संख्या			अनुसूचित जाति की जनसंख्या			अनुसूचित जन जाति की संख्या			
		पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
1	जसपुर	72917	64212	137129	9580	8332	17912	–	–	–	
2	काशीपुर	106221	97352	203573	12543	10315	22858	135	100	235	
3	बाजपुर	71475	61515	132990	7270	5949	13219	5833	5554	11387	
4	गदरपुर	41043	45004	86047	4549	3841	8390	6200	5892	12092	
5	रूद्रपुर	169106	140803	309909	9610	7624	17234	48	37	85	
6	सितारगंज	91968	84129	175697	7053	6046	13099	18166	16320	34486	
7	खटीमा	96690	52513	189203	9191	8794	17985	26609	25528	52137	
	योग	649020	585528	1234548	81919	50901	132820	56991	53431	110422	

उक्त जनगणना में नगर क्षेत्र भी सम्मिलित है।

स्त्रोत– जनगणना कार्यालय

उधम सिंह नगर

तालिका सं. 1.2 – जनसंख्या

2001 की जनगणना के अनुसार			लिंग अनुपात महिला प्रति 1000 पुरूष पर		वृद्धि दर		जनसंख्या घनत्व प्रति कि.मी.	
पुरूष	महिला	योग	1991	2001	1991	2001	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7	8	9
649020	585528	1234548	863	902	44.46	27.79	332	424

श्रोत – जनगणना कार्यालय, लखनऊ

तालिका सं. 1.4 – अनुसचित जाति व जनजाति की जनसंख्या व प्रतिशत

जनगणना 2001 कुल				प्रतिशत		
जाति	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7
अनु.जाति	102325	91981	194306	15.76	15.71	15.73
अनु.जनजाति	73895	70028	143923	11.38	11.96	11.67

साक्षरता दर :-

जनपद उधम सिंह नगर जहां उत्पादकता के क्षेत्र में सम्पूर्ण उत्तरांचल में अग्रणी है वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी पर्याप्त विकसित है। उत्तरांचल प्रदेश की साक्षरता दर 72.26 के प्रति जनपद उधम सिंह नगर की साक्षरता दर 65.76 है। जिसमें पुरूष साक्षरता दर 76.20 तथा महिला साक्षारता दर 54.16 है।

तालिका सं. 1.5 :– जनगणना 2001 के आधार पर जनपद की कुल जनसंख्या (क्षेत्रवार जातिवार)

जाति	ग्रामीण			नगरीय			कुलयोग		
	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सामान्य	284352	258690	543042	188448	164829	353277	472800	423519	896319
अनु.जाति	79212	71507	150719	23113	20474	43587	102325	91981	194306
अनु.जनजाति	70598	67048	137646	3297	2980	6277	73895	70028	143923

जनगणना 1991 तथा जनगणना 2001 के आधार पर साक्षरता दर में तुलनात्मक अध्ययन

जनगणना 1991 में कुल जनसंख्या 914569 थी जहां कुल साक्षर व्यक्तियों की संख्या 359688 अर्थात 49.28 प्रतिशत रही है वहीं 2001 की जनगणना के आधार पर कुल जनसंख्या 1234548 है। जिसमें साक्षर व्यक्तियों की संख्या 671680 हो गयी है। यह 16.48 प्रतिशत वृद्धि दर के फलस्वरूप 65.76 हो गयी है। साक्षरता दर में वृद्धि का श्रेय जनपद में लागू सभी के लिए शिक्षा परियोजना को दिया जा सकता है।

तालिका सं. 1.6

वर्ष 1991 के अनुसार								
कुल जनसंख्या			साक्षर व्यक्ति			साक्षरता दर		
पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9
490804	423765	914569	240416	119272	359688	60.47	36.02	49.29

जनगणना 2001 के आधार पर जनपद की साक्षरता दर :-

वर्ष 2001 के अनुसार								
कुल जनसंख्या			साक्षर व्यक्ति			साक्षरता दर		
पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
10	11	12	13	14	15	16	17	18
649020	585528	1234548	409623	262057	671680	76.20	54.16	65.76

अध्याय -2 (भाग-1)

जनपद का शैक्षिक परिदृश्य

शैक्षिक उपलब्धता :-

जनपद उधम सिंह नगर में जनसंख्या की 95 प्रतिशत आबादी बस्ती से 1 किलोमीटर की दूरी पर प्राथमिक विद्यालय तथा 3 किलोमीटर दूरी पर पूर्व माध्यमिक विद्यालयी शैक्षिक सुविधा से आच्छादित हैं।

तालिका सं. 2.1 प्रबन्धतंत्र के अनुसार विद्यालयों की संख्या :-

क्र.स.	स्तर	परिषदीय	मान्यताप्राप्त	राजकीय	योग
1	2	3	4	5	6
1.	आंगनवाड़ी केन्द्र	0	0	419	419
2.	मदरसा/मकतब	0	4	0	4
3.	संस्कृत महाविद्यालय	0	1	0	1
4.	प्राथमिक विद्यालय	649	–	0	649
5.	उ.प्रा.विद्यालय	179	89	1	269
6.	हाईस्कूल	0	17	23	40
7.	इण्टरमीडिएट	0	19	34	53
8.	जवाहर नवोदर वि.	0	0	1	1
9.	विश्व विद्यालय (कृषि विश्वविद्यालय)	0	0	1	1
10.	महाविद्यालय	0	1	3	4
11.	पोलीटेक्निक पुरूष	0	0	1	1
12.	आई.टी.आई	0	0	2	2
13.	इंजीनियरिंग कालेज	0	0	0	0
14.	मेडीकल कालेज	0	0	0	0

जनपद में 2001 की जनगणना के अनुसार 0–6 वय वर्ग के बच्चों की कुल जनसंख्या 213134 है जिनमें से 3–6 वय वर्ग के बच्चें की संख्या 72500 जिसमें बालक 37910 बालिका 34590 है।

इन बच्चों के लालनपालन व पूर्ण शैक्षिक वातावरण सृजित करने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा जिलाकार्यक्रम परियोजना के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित किये गये है। जिनका विवरण पृष्ठ संख्या 15 में अंकित है :-

शैक्षिक विवरण

हाईस्कूल राजकीय विद्यालय की संख्या			हाईस्कूल सहायता प्राप्त विद्यालय			बिना सहायता प्राप्त विद्यालय			महायोग
बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
19	04	23	06	–	06	26	04	30	59

राजकीय इण्टर कालेज विद्यालयों की संख्या			इण्टर कालेज सहायता प्राप्त विद्यालय की संख्या			इण्टर कालेज बिना सहायता प्राप्त विद्यालयों की सं.			महायोग
बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
25	09	34	15	03	18	03	–	03	55

6-11 वय वर्ग के बच्चों का विवरण विकास खण्डवार

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	6-11 वय वर्ग के कुल बच्चों की संख्या			विद्यालय जाने वाले बच्चों की संख्या			विद्यालय न जाने वाले बच्चों की संख्या		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	जसपुर	13656	11888	25544	12976	11138	24114	680	750	1430
2	काशीपुर	7251	6494	13745	6664	5868	12532	521	670	1191
3	बाजपुर	11240	9837	21077	10315	8769	19084	925	1071	1996
4	गदरपुर	10893	10099	20992	9866	8790	18654	1029	1309	2338
5	रूद्रपुर	17071	14066	31137	15542	12563	28105	1538	1536	3074
6	सितारगंज	12999	11784	24783	12691	11536	24227	308	248	556
7	खटीमा	12961	12039	25000	12346	11114	23460	615	925	1540
8	काशीपुर नगर	4954	4537	9491	4667	4377	9044	485	160	645
	रूद्रपुर	3015	2545	5560	2430	1913	4343	585	632	1217
	योग	94040	83289	177329	87495	76068	163563	6686	7301	13987

$$NER = \frac{163563}{177329} \times 100 = 92\%$$

11-14 वय वर्ग के बच्चों का विवरण विकास खण्डवार

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	11–14 वय वर्ग के कुल बच्चों की संख्या			विद्यालय जाने वाले बच्चों की संख्या			विद्यालय न जाने वाले बच्चों की संख्या		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	जसपुर	6017	5584	11601	5571	5071	10642	446	513	959
2	काशीपुर	3724	3242	6966	3280	2675	5955	444	567	1011
3	बाजपुर	5172	4235	9407	4816	3720	8544	356	515	871
4	गदरपुर	4858	4371	9229	4257	3637	7894	601	734	1335
5	रूद्रपुर	7238	6318	13556	6699	5618	12317	539	700	1239
6	सितारगंज	4159	3867	8026	4079	3796	7875	80	71	151
7	खटीमा	6600	6058	12658	6270	5590	11860	330	468	798
8	काशीपुरनगर	3392	2966	6358	2728	2747	5475	664	219	883
9	रूद्रपुर	1762	1525	3287	1450	1180	2630	312	345	657
	योग	42922	38166	81088	39150	34034	73184	3772	4132	7904

$$NER = \frac{73184}{81088} \times 100 = 90\%$$

0-3 एवं 3-6 वय वर्ग के बच्चों का विवरण विकासखण्डवार

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	0–3 वय वर्ग के कुल बच्चों की संख्या			3–6 वय वर्ग के कुल बच्चों की संख्या			3–6 वय वर्ग के पू.मा.वि.में जाने वाले			3–6 वय वर्ग के पू.मा.वि.में न जाने वाले		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	जसपुर	5122	4320	9442	5509	5289	10798	988	306	1794	4521	4483	9004
2	काशीपुर	4207	3816	8023	3671	3336	7007	–	–	1169	–	–	5838
3	बाजपुर	6300	6100	12460	4991	4249	9240	1260	1064	2324	3731	3185	6916
4	गदरपुर	5365	4850	10215	3852	3479	7331	1131	970	2101	2721	2509	5230
5	रूद्रपुर	2613	2693	5306	4543	4067	8610	782	598	1380	3761	3469	7230
6	सितारगंज	5098	4747	9845	5601	5120	10721	2766	2513	5279	2835	2607	5442
7	खटीमा	5468	5079	10547	6110	5672	11782	2895	2585	5480	3215	3087	6302
8	काशीपुर नगर	1699	1573	3272	2087	2023	4110	–	–	–	2087	2023	4110
	रूद्रपुर नगर	1013	1115	2128	1145	1078	2223	712	595	1307	433	483	916
	योग	36885	34353	71238	37509	34313	71822	10534	9131	20834	26975	25182	50988

कुल बस्ती सेवित तथा असेवित

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	कुल बस्ती/वार्ड विवरण			प्राथमिक शिक्षा से सेवित			प्राथमिक शिक्षा से असेवित			प्राथमिक शिक्षा से असेवित बस्तियो को सेवित करने हेतु वर्ष वार प्रस्तावित												पसंपक्टिव प्लान में प्रस्तावित करने के बाद सेवित बस्ती/वार्ड सं		
											2001–02			2002–03			2003–04			2004–05					
		कुल बस्ती	कुल वार्ड	योग	बस्ती	वार्ड	योग	प्रा.वि.	शिक्षा गारण्टी केन्द्र	योग	प्रा.वि.	शिक्षा गारण्टी केन्द्र	योग	प्रा.वि.	शिक्षा गारण्टी केन्द्र	योग	प्रा.वि	शिक्षा गारण्टी केन्द्र	योग	प्रा.वि.	शिक्षा गारण्टी केन्द्र	योग	बस्ती	वार्ड	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
1.	जसपुर	108	35	143	102	35	137	06	-	06	-	02	02	01	3	04	-	-	-	-	-	-	108	35	143
2.	काशीपुर	112	35	147	96	35	131	16	-	16	-	04	04	02	9	11	01	-	01	-	-	-	112	35	147
3.	बाजपुर	135	45	180	124	45	169	11	-	11	-	04	04	01	5	06	01	-	01	-	-	-	135	45	180
4.	गदरपुर	208	35	243	197	35	232	11	-	11	-	04	04	01	5	06	01	-	01	-	-	-	208	35	243
5.	रूद्रपुर	98	60	158	85	60	145	13	-	13	-	04	04	01	5	06	01	2	3	-	-	-	98	60	158
6.	सितारगंज	232	35	267	206	35	241	26	-	26	-	02	02	02	4	06	8	6	14	4	-	-	232	35	267
7.	खटीमा	175	25	200	152	25	177	23	-	23	-	05	05	02	10	12	3	2	5	1	-	-	175	25	200
	योग	1068	270	1338	962	270	1232	106	-	106	-	25	25	10	41	51	15	10	25	5	-	5	1068	270	1338

स्त्रोत- सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय

(परिवार सर्वेक्षण)

छात्र संख्या प्राथमिक स्तर (परिषदीय एवं मान्यता प्राप्त)

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	कक्षा 1			कक्षा 2			कक्षा 3			कक्षा 4			कक्षा 5			सम्पूर्ण योग		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
1.	जसपुर	2627	2449	5076	2365	2083	4448	2030	1791	3821	1811	1575	3386	1493	1292	2785	10326	9190	19516
2.	काशीपुर	1634	1481	3115	1464	1279	2743	1255	1186	2441	1133	926	2059	921	795	1716	6407	5667	12074
3.	बाजपुर	1610	1360	2970	1621	1352	2973	1326	1178	2504	1082	852	1934	810	562	1372	6449	5304	11753
4.	गदरपुर	2218	1942	4160	2328	2237	4565	2155	2071	4226	1764	1651	3415	1646	1519	3165	10111	9420	19531
5.	रूद्रपुर	3219	2736	5955	3351	2740	6091	2954	2484	5438	2593	2217	4810	2175	1718	3893	14292	11895	26187
6.	सितारगंज	2991	2555	5546	2915	2717	5632	2582	2358	4940	2244	2055	4299	1989	1851	3840	12721	11536	24257
7.	खटीमा	3164	2733	5897	2723	2549	5272	2633	2461	5094	2551	2141	4692	2061	1829	3890	13132	11713	24845
8.	नगर क्षेत्र	998	808	1804	1014	817	1831	1047	862	1909	946	748	1694	898	664	1562	4901	3899	8800
	योग	18459	16064	34523	17781	15774	33555	15982	14391	30373	14124	12165	26289	11993	10230	22223	78339	68624	146963

छात्र संख्या पूर्व माध्यमिक स्तर (परिषदीय, राजकीय एवं मान्यता प्राप्त)

क्र. सं.	विकास खण्ड/ नगरक्षेत्र	कक्षा 6			कक्षा 7			कक्षा 8			सम्पूर्ण योग		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	जसपुर	1037	861	1898	957	830	1787	698	679	1377	2692	2370	5062
2	काशीपुर	804	467	1271	650	405	1055	499	326	825	1953	1198	3151
3	बाजपुर	1082	789	1880	1025	836	1861	823	666	1489	2930	2300	5230
4	गदरपुर	950	845	1795	1031	876	1907	843	860	1703	2824	2581	5405
5	रूद्रपुर	1265	1008	2273	1094	925	2019	922	807	1729	3281	2740	6021
6	सितारगंज	1219	990	2209	1017	993	2010	975	740	1715	3211	2723	5934
7	खटीमा	1827	1844	3671	1981	1816	3797	1704	1533	3237	5512	5193	10705
8	नगर क्षेत्र	829	725	1554	828	748	1576	761	713	1474	2418	2186	4604
	योग	9013	7538	16551	8583	7429	16012	7225	6324	13549	24821	21291	46112

पूर्व माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत जनपद में 23 राजकीय हाईस्कूल एवं 34 राजकीय इण्टरमीडिएट कालेज संचालित हैं जिनमें कक्षा 6,7,8 तक की कक्षाओं का शिक्षण कार्य करने वाले अध्यापकों का विवरण निम्न तालिका से दर्शाया जा रहा है ।

तालिका 2.10 **राजकीय हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट कालेजों के 6,7,8 की छात्र संख्या एवं उनको पढ़ाने वाले अध्यापकों का विवरण**

कुल राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की संख्या			कक्षा 6,7 एवं 8 की छात्र संख्या			6,7,8 को पढ़ाने वाले कुल अध्यापकों की संख्या		
हाईस्कूल	इण्टरमीडिएट	योग	बालक	बालिका	योग	पुरूष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9
23	34	57	5319	5989	11308	132	39	171

आगंनवाड़ी शिक्षा केन्द्र :-

जनपद उधम सिंह नगर में बाल विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा 3 से 6 वय वर्ग के रखरखाव एवं शैक्षिक वातावरण सृजित करने के उद्देश्य से आगनवाड़ी केन्द्रो का संचालन किया जा रहा है। इससे जहां एक ओर 6–11 वय वर्ग के ऐसे बच्चे जो अपने छोटे भाई बहनों ही देखरेख करने हेतु घर में रहते थे और विद्यालयी शिक्षा से वंचित हो रहे थे, उन्हें विद्यालय में पंजीकृत होने का अवसर प्राप्त हुआ है। दूसरी ओर 3–6 वय वर्ग के बच्चों का शिक्षण के प्रति पूर्व तैयारी में सहायता मिल रही है।

विकास खण्ड वार संचालित केन्द्रो का विवरण निम्न तालिका से प्रदर्शित है :–

क्र.स.	विकासखण्ड का नाम	संचालित केन्द्रो की संख्या	केन्द्रो पर पंजीकृत बच्चों की संख्या		
			बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6
1	जसपुर	–	–	–	–
2.	काशीपुर	–	–	–	–
3.	बाजपुर	80	1016	1010	2026
4.	गदरपुर	104	974	1093	2067
5.	रूद्रपुर	–	–	–	–
6.	सितारगंज	137	2107	2307	4414
7.	खटीमा	98	1485	1677	3162
	योग	419	5582	6087	11669

आपरेशन ब्लैकबोर्ड :-

भारत सरकार की यह योजना जनपद नैनीताल/उधमसिंह नगर में सर्वप्रथम 1986–87 से लागू की गई, इसके अन्तर्गत निम्न कार्यक्रमों के फलस्वरूप विद्यालयों को आकर्षक एवं प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है:–

(1) प्राथमिक विद्यालयों में आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था।

(2) छात्र संख्या अनुसार अतिरिक्त कक्ष निर्माण ।

(3) सभी प्राथमिक विद्यालयों में पठन पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराया जाना ।

निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण :-

वर्ष 1999–2000 में बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बालिकाओं, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के सभी बच्चों को निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरित की गई । वर्ष 2000–2001 में परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के समस्त बच्चों को निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरित की गई।

लाभान्वित होने वाले बच्चों का विवरण निम्न तालिका से प्रदर्शित है :–

तालिका 2.12 **विकास खण्ड वार वितरित निशुल्क पाठ्यपुस्तकों का विवरण**

विकासखण्ड का नाम	वर्ष 1999–2000 में वितरित कुल पाठ्यपुस्तक	वर्ष 2000–2001 में वितरित कुल पाठ्यपुस्तक
जसपुर	36627	39919
काशीपुर	40682	41236
बाजपुर	31640	30652
गदरपुर	38691	31337
रूद्रपुर	48157	31849
सितारगंज	53415	48178
खटीमा	67952	47514
योग	317164	290685

नोट :– वर्ष 99–2000 में वितरित पाठ्य पुस्तकों में से प्रत्येक कक्षा की प्रत्येक विषय की दस–दस पुस्तकों का सैट विद्यालय बुक बैंक हेतु प्रत्येक विद्यालय में दिया गया इस प्रकार 103840 पुस्तकें विद्यालय बुक बैंक में रखी गयी इसीलिए वर्ष 1999–2000 में वितरित पुस्तकों की संख्या अधिक है ।

छात्रवृत्ति सुविधा -

जनपद उधमसिंह नगर में समाजकल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी जाति के बालक–बालिकाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्राथमिक स्तर पर 25 रूपया प्रतिमाह प्रति छात्र तथा पूर्व माध्यमिक स्तर पर 40 रूपया प्रतिमाह प्रति छात्र की दर से दिये जाने का प्राविधान है। इसके अन्तर्गत वर्ष 99–2000 एवं 2000–2001 की उपलब्धिया निम्नवत हैं :–

तालिका 2.13

छात्र/छात्रा	लाभान्वित वर्ष 99–2000 कुल छात्र/छात्रा	लाभान्वित वर्ष 2000–20001 कुल छात्र/छात्रा
अनुसूचित जाति	34095	15146
अनुसूचित जनजाति	9395	4843
योग	43490	19989

नोट – *अनुसूचित जाति के 43490 बच्चों को तथा जनजाति के 19989 बच्चों को छात्रवृत्ति वितरित की गयी। पिछड़ी जाति के 3 छात्रों को प्रति विद्यालय छात्रवृत्ति वितरित की गयी।*

मध्यान्ह भोजन :-

वर्ष 97–98 से जनपद उधम सिंह नगर के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 तक के लिए भारत सरकार द्वारा मध्यान्ह भोजन के अन्तर्गत 3 कि.ग्रा. चावल प्रतिछात्र प्रतिमाह की दर से इस शर्त के साथ दिये जाने का प्राविधान है कि छात्र की उपस्थिति उक्त माह में कम से कम 80 प्रतिशत होनी चाहिए भारत सरकार द्वारा यह योजना इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लागू की गयी है ताकि सेवित क्षेत्र के शतप्रतिशत बच्चों का नामांकन विद्यालयों में हो जाय और वे पूर्ण अवधि तक विद्यालयों में अध्ययन करें ।

तालिका 2.14 **मध्यान्ह भोजन योजना के उपरान्त नामांकन में वृद्धि**

क्र.स.	मध्यान्ह भोजन से पूर्व छात्र संख्या वर्ष 97–98			मध्यान्ह भोजन के बाद छात्र संख्या वर्ष 2000–2001		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7
	48053	40044	88097	55251	49005	104256

स्कूल चलो अभियान :-

वर्ष 1999–2000 से स्कूल चलो अभियान एक अभियान के रूप में प्रत्येक वर्ष मनाया जाने लगा है। इस अभियान में जनपद मुख्यालय नगर क्षेत्र एवं ग्रामीण अंचलो में प्रचार प्रसार हेतु छात्र/छात्राओं, अध्यापक/अधिकारियों/कर्मचारियों के द्वारा प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया तथा जनसम्पर्क, बैनर व पास्टरों से भी इसका प्रचार प्रसार जनपद में हुआ, जनपद में इस अभियान का व्यापक असर हुआ फलस्वरूप प्राथमिक स्तर में 9065 व उच्च प्राथमिक स्तर में 3747 छात्र संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई।

जिसका विवरण निम्न तालिका से प्रदर्शित है :–

तालिका 2.15

वर्ष	छात्र संख्या प्राथमिक स्तर			छात्र संख्या पूर्व माध्यमिक स्तर		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7
98–99	84528	70587	155115	35923	28304	64227
99–2000	86963	72620	159583	36958	29119	66077
2000–2001	89468	74712	164180	38023	29951	67974

स्रोत– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय

अध्यापक विवरण प्राथमिक स्तर

क्षेत्र	स्वीकृत पद			कार्यरत अध्यापक						योग	रिक्त पद			शिक्षा मित्र		
				प्र0अ0			स0अ0									
	प्र0अ0	स0अ0	योग	M	F	T	M	F	T		प्र0अ0	स0अ0	योग	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
ग्रामीण संचालित वि. 627	592	1577	2169													
जसपुर				76	11	87	122	61	183	270				28	13	
काशीपुर				54	12	66	55	85	140	206				18	3	
बाजपुर				73	05	78	68	48	116	194				31	9	
गदरपुर				72	22	94	76	72	148	242				17	8	
रूद्रपुर				45	37	82	68	181	249	331				30	13	
सितारगंज				65	15	80	102	60	162	242				47	23	
खटीमा				62	30	92	80	87	167	259				35	23	
योग				448	132	579	571	594	1165	1744	13	412	425	206	92	
नगर (22) काशीपुर	22	132	154	7	8	15	25	15	40	55				–	–	
रूद्रपुर				2	1	3	1	8	9	12				–	–	
योग 649				9	9	18	26	23	49	67	4	83	87	–	–	
	614	1709	2323	457	141	597	597	617	1214	1811	17	495	522	206	92	

विकास खण्डवार छात्र/अध्यापक अनुपात प्राथनिक स्तर ग्रामीण स्तर

क्र. सं.	विकास खण्ड	परिषदीय छात्र संख्या 1-5	अध्यापक संख्या	छात्र/अध्यापक अनुपात P.T.R.
1.	जसपुर	15286	270	1 : 57
2.	काशीपुर	10383	206	1 : 50
3.	बाजपुर	11753	194	1 : 61
4.	गदरपुर	13089	242	1 : 54
5.	रूद्रपुर	17233	331	1 : 52
6.	सितारगंज	16174	242	1 : 67
7.	खटीमा	15028।	259	1 : 58
	योग	98946	1744	1 : 57

जनपद उधम सिंह नगर क्षेत्रवार छात्र/अध्यापक अनुपात P.T.R. प्राथमिक ग्रामीण स्तर

क्र. सं.	क्षेत्र	1 से 5 तक परिषदीय छात्र संख्या	स्वीकृत पद	छात्र अध्यापक अनुपात
1.	ग्रामीण	98945	2169	1 : 46
2.	नगर	4893	154	1 : 32

अध्यापक विवरण पूर्व माध्यमिक स्तर (परिषदीय)

क्षेत्र	स्वीकृत पद			कार्यरत अध्यापक						योग	रिक्त पद		
	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0			स0अ0				प्र0अ0	स0अ0	योग
				M	F	T	M	F	T				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ग्रामीण													
जसपुर	146	587	733	20	6	26	105	20	125	151			
काशीपुर				10	4	14	53	20	73	87			
बाजपुर				12	3	15	56	10	66	81			
गदरपुर				6	3	9	49	14	63	72			
रूद्रपुर				11	07	18	44	52	96	114			
सितारगंज				9	3	12	73	9	82	94			
खटीमा				10	2	12	80	15	95	107			
योग				78	28	106	460	140	600	706			
नगरक्षेत्र	07	45	52	2	2	4	27	14	41	45			
महायोग	153	632	785	80	30	110	487	154	641	751	43	–	34

नोट :– 43 प्रधान अध्यापक (उ0प्रा0वि0) रिक्ति प्रति 9 सहायक अध्यापक (उ0प्रा0वि0) अतिरिक्त कार्यरत हैं। इस प्रकार अन्तिम रिक्ति 34 समझी जाये।

विकास खण्डवार छात्र/अध्यापक अनुपात पूर्व माध्यमिक स्तर

क्र. सं.	विकास खण्ड	परिषदीय छात्र सं. 6 से 8	अध्यापक संख्या	छात्र/अध्यापक अनुपात P.T.R.
1.	जसपुर	3850	151	1 : 25
2.	काशीपुर	2909	87	1 : 33
3.	बाजपुर	2008	81	1 : 25
4.	गदरपुर	2214	72	1 : 31
5.	रूद्रपुर	3933	114	1 : 35
6.	सितारगंज	3440	94	1 : 37
7.	खटीमा	4246	107	1 : 40
	योग	22600	706	1 : 32

जनपद उधम सिंह नगर क्षेत्रवार छात्र अध्यापक अनुपात P.T.R. पूर्व माध्यमिक स्तर

क्र. सं.	क्षेत्र	परिषदीय 6 से 8 तक छात्र संख्या	स्वीकृत पद	छात्र अध्यापक अनुपात
1.	ग्रामीण	22600	733	1 : 31
2.	नगर	1031	52	1 : 20
	योग	23631	785	1 : 30

अध्याय नं-2 (भाग -2)

जनपद के शैक्षिकं परिदृश्य के परिवर्धन में बेसिक शिक्षा परियोजना (वर्ष 93-94 से 99-2000) का योगदान

बेसिक शिक्षा परियोजना

विश्व बैंक पोषित बेसिक शिक्षा परियोजना जिसे सभी के लिये शिक्षा परियोजना के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1993–94 से पैत्रिक जनपद नैनीताल । अब उधम सिंह नगर में लागू की गई। जो वर्ष 1993–94 से प्रारम्भ होकर वर्ष 99–2000 में समाप्त हो गई।

इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य बेसिक शिक्षा का सार्वजनीकरण अर्थात 6–14 वर्ष के बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन, विद्यालय में पूर्ण अवधि तक ठहराव तथा प्रत्येक छात्र द्वारा न्यूनतम अधिगम स्तर की सम्प्राप्ति था। इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु बेसिक शिक्षा परियोजना में निम्न नियोजन प्रक्रिया अपनाई गई :–

(1) परिधार गणना के फलस्वरूप विद्यालयी सुविधा से वचित बस्तियों का सर्वेक्षण कर चिन्हांकित करना।

(2) असेवित बस्तियों में शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराना।

(3) प्रधानाध्यापक विहीन विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के पद सृजित करना।

(4) भवनहीन विद्यालयों के लिये पुर्ननिर्माण के अर्न्तगत भवन निर्माण कार्य करना।

(5) मरम्मत योग्य भवनों के लिय मानक के अनुसार मरम्मत कार्य करवाना।

(6) 40 :1 के अनुपात में अतिरिक्त कक्षा कक्षों का निर्माण करना।

(7) 40 : 1 के अनुताप में अतिरिक्त सहायक अध्यापकों के पदों का सृजन करना।

(8) विद्यालयों में सुविधाऐं जैसे शौचालय व पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराना।

(9) पठन–पाठन कार्य का विकास कराने के दृष्टिकोण से सामुदायिक पुस्तकालयों की स्थापना कराना।

(10) 3 -6 वय वर्ग के शिशुओं के लिए संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रो के सुदृढ़ीकरण के लिए अतिरिक्त मानदेय व खिलौने सामग्री उपलब्ध कराना।

(11) गुणवत्ता में वृद्धि के लिए परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों की व्यवस्था कराना।

(12) विद्यालयों में बेसिक शिक्षा परियोजना के कार्यक्रमों को सुलभ व सुगम बनाने के लिए प्रत्येक न्याय पंचायत पर एक न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र की स्थापना तथा उसे संचालित करने हेतु एक न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र समन्यवक पद का सृजन करना।

(13) अध्यापकों की प्रशिक्षण व्यवस्था एवं विद्यालयों के वीक्षण कार्यक्रम हेतु विकास खण्ड स्तर पर एक सुव्यवस्थित ब्लाक संसाधन केन्द्र की स्थापना करना तथा संचालन एवं रखरखाव हेतु एक उत्तरदायी बी.आर.सी. समन्वयक और उसकी सहायता हेतु एक सहसमन्वयक के पद सृजित करना।

(1 4) जनपद स्तर पर विभिन्न प्रशेक्षणों का आयोजन, कार्यशालाएं विभागीय निर्देशों के आदान–प्रदान तथा वीक्षण कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से एक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करना। जिसमें उपशिक्षा निदेशक पद के प्राचार्य, श्रेणी । के उपप्राचार्य श्रेणी 2 स्तर के 6 वरिष्ट प्रवक्ता शेष प्रवक्ता व कर्मचारियों के पदों का सजृन करना।

(1 5) **विद्यालय अनुदान** :– विद्यालय स्तर पर परिषदीय विद्यालयों में 2000 रू. प्रति प्रा. वि. तथा 2000 रू. प्रति पूर्व माध्यमिक विद्यालय की दर से प्रतिवर्ष विद्यालय अनुदान के रूप में साजसज्जा एवं रखरखाव हेतु प्राविधान।

(1 6) **अध्यापक अनुदान** :– शिक्षण व्यवस्था को प्रभावशाली एवं रूचिकर बनाने के दृष्टि से प्रति अध्यापक/अध्यापिका को 500/– प्रति वर्ष की दर से अध्यापक अनुदान की व्यवस्था की गई।

उक्त कार्यक्रमों के फलस्वरूप जनपद उधम सिंह नगर में निम्नवत कार्यक्रम सम्पादित हुए और शिक्षण के क्षेत्र में कमजोर जनपद विकसित रूप में उभर कर आया है।

(1) पहुंच – असेवित बस्तियों में शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराना –

जनपद का नाम	कुल बस्ती	सर्वेक्षण के फलस्वरूप कुल असेवित बस्तियों की संख्या	परियोजना 93–94–99–2000 के दौरान खोले गये प्रा. वि. की संख्या	प्रा. वि. से सेवित बस्तियों की संख्या	परि. के दौरान खुले कुल पूर्व मा. वि. की सं.	पूर्व मा. वि. से सेवित बस्तियों की संख्या	पूर्व मा. वि. से असेवित बस्तियों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	
उधम सिंह नगर	1068	106	174	962	75	1044	24

भवनहीन/क्षतिग्रस्त/जीर्णशीर्ण भवनों की पुर्नस्थापना/पुननिर्माण –

जनपद का नाम	परियोजना से पूर्व भवनों की स्थिति						परियोजना के दौरान पुननिर्माण के अन्तर्गत निर्मित भवनों की संख्या	
	भवन हीन		क्षतिग्रस्त	जीर्णशीर्ण	योग			
	प्रा	पू.मा.	प्रा.	पू.मा.	प्रा.	पू.मा.	प्रा. वि.	पू.मा. वि.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
उधम सिंह नगर	3	–	82	05	85	05	42	03

मरम्मत योग्य विद्यालयों की मरम्मत :-

सभी के लिये शिक्षा परियोजना लागू होने से पूर्व 89 प्रा. वि. 12 पू. मा. वि. ऐसे थे जिनमें लघु से दीर्घ मरम्मत की नितान्त आवश्यकता थी और विभाग द्वारा मरम्मत मद में धन का आवंटन नहीं हो पा रहा था। सभी के लिये शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत निम्नलिखित तालिकानुसार मरम्मत कार्य कराया गया :-

क्र. सं.	विकास खण्ड का नाम	परियोजना के अन्तर्गत मरम्मत हेतु स्वीकृत विद्यालयों की संख्या			स्वीकृत धनराशि	
		प्रा. वि.	पू. मा. वि.	योग	प्रा. वि.	पू. मा. वि.
1	2	3	4	5	6	7
1	जसपुर	08	03	11	112643.00	40701.00
2	काशीपुर	04	01	5	12000.00	3000.00
3	बाजपुर	11	01	12	207049.00	19990.00
4	गदरपुर	21	–	21	337532.00	–
5	रूद्रपुर	15	03	18	234337.00	25996.00
6	सितारगंज	05	01	06	35971.00	19202.00
7	खटीमा	25	03	28	367897.00	59608.00
8	काशीपुरनगर	–	--	–	–	–
	योग	89	12	101	1307429.00	168497.00

नोट– इसके अतिरिक्त 30000.00 प्रति विकास खण्ड की दर से कुल 2,10000.00 मरम्मत हेतु आंवटित किया जिसे सहायक बे.शि. अ. ने 2000.00 प्रति विद्यालय मरम्मत हेतु दिया।.

योग– 1475906.00

210000.00

1685906.00

अतिरिक्त कक्षा कक्ष :-

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत ऐसे विद्यालयों जहां छात्र संख्या अधिक थी किन्तु विद्यालय भवन में छात्रों के बैठने हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं था के लिए अतिरिक्त कक्षा कक्षों का निर्माण किया गया।

अतिरिक्त कक्षा कक्षों का विवरण निम्नवत है :-

क्र. सं.	विकास खण्ड का नाम	विद्यालय जहां अरिरिक्त कक्षा कक्ष का निर्माण कराया गया			स्वीकृत धनराशि	
		प्रा. वि.	पू. मा. वि.	योग	प्रा. वि.	पू. मा. वि.
1	2	3	4	5	6	7
1	जसपुर	23	1	24	1150000.00	50000.00
2	काशीपुर	25	2	27	1250000.00	100000.00
3	बाजपुर	20	–	20	1000000.00	–
4	गदरपुर	14	1	15	700000.00	50000.00
5	रूद्रपुर	27	–	27	1350000.00	–
6	सितारगंज	19	–	19	950000.00	–
7	खटीमा	42	2	44	2100000.00	100000.00
	योग	170	6	176	8500000.00	300000.00

सम्पूर्ण योग– 8800000.00

प्रधान अध्यापक व सहायक अध्यापक के पदों का सृजन :-

जनपद उधम सिंह नगर में विश्व बैंक परियोजना से पूर्व. 25 प्रा. वि. ऐसे थे जिनमें प्रधान अध्यापक का पद सृजित नहीं था परियोजना ने यह अनुभव किया। बिना संस्थाध्यक्ष के संख्या के कार्यकलापों में विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त 250 विद्यालय ऐसे थे जिनमें छात्र संख्या 150 से अधिक थी परन्तु विद्यालय में दो ही अध्यापक कार्यरत थे। जबकि विभागीय मानक 40:1 का था। अतः परियोजना द्वारा अध्यापकों के पद सृजित कर प्रत्येक विद्यालय को सुदृढ़ कर शिक्षा में सुधार लाने का प्रसास किया गया ।

परियोजना द्वारा स्वीकृत अध्यापकों का विवरण :-

कुल विद्यालय संख्या	परियोजना से पूर्व स्वीकृत पदों की संख्या			परियोजना के दौरान स्वीकृत पद			कुल	
	प्र.अ.	स.अ	योग	प्र.अ.	स.अ.	योग	प्र.अ.	स.अ.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
517	517	714	1231	97	995	1092	614	1709

बी.आर.सी. एवं एन.पी.आर.सी. का गठन :-

विश्व बैंक परियोजना अर्न्तगत विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए विकास खण्ड स्तर पर ब्लाक संसाधन केन्द्र तथा न्यायपंचायत स्तर पर न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र की स्थापना की गई । मानक अनुसार भवन के अतिरिक्त समन्यवयक, सहायक समन्यवयक, तथा एक परिचारक का पद सृजित कर उनकी नियुक्ति की गई। इनमें प्रदत्त सभी साज सज्जा विद्यमान है। परन्तु विकास खण्ड स्तर पर बी.आर.सी. समन्वयक, सहायक समन्वयक परिचारक तथा एन.पी.आर.सी. समन्वयकों के पद परियोजना समाप्ति के बाद समाप्त हो चुके हैं। जिन्हें सर्व शिक्षा अभियान के अर्न्तगत पुनः सृजित किया जाना अपेक्षित होगा ताकि पूर्व कीभांति शिक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशालाएं, शिक्षा का मूल्यांकन तथा अनुश्रवण सम्पादित हो सके। साथ ही बी.आर.सी. के उपकरणों के रखरखाव एवं मरम्मत हेतु कार्ययोजना बनायी गयी है।

विद्यालय अनुदान :-

बेसिक परियोजना के दौरान प्राथमिक स्तर पर 2000 रू. प्रति विद्यालय, पूर्व माध्यमिक स्तर पर 4000 रू. प्रति वि. प्रतिवर्ष वर्ष 99-2000 से स्वीकृत किया गया। जिससे विद्यालय का सौन्दर्यकरण तथा रखरखाव की पूर्ति की गई। विद्यालय अनुदान हेतु बेसिक शिक्षा परियोजना के दौरान कुल 1268000 रू. की धनराशि विद्यालय अनुदान हेतु बांटी गयी। इसे सर्वशिक्षा अभियान में भी स्वीकृत किये जाने का प्राविधान किया गया है।

अध्यापक अनुदान :-

प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर पर प्रति अध्यापक 500 रू. प्रति वर्ष बेसिक शिक्षा परियोजना द्वारा वर्ष 99-2000 से स्वीकृत किया गया। जिससे अध्यापक विषय एवं पाठ के अनुसार सहायक शिक्षण सामग्री का

निर्माण कर शिक्षण को प्रभावशाली एवं रूचिकर बना सके परियोजना द्वारा कुल 1656000 रू. शिक्षक अनुदान हेतु स्वीकृत किया गया। इसे सर्व शिक्षा अभियान में भी प्रस्तावित कर लागू करने का प्राविधान किया गया है।

पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना :-

सभी के लिए शिक्षा परियोजना द्वारा अनुभव किया गया कि विद्यालयों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध न होने से छात्र/छात्राओं के विद्यालय में ठहराव तथा पठन–पाठन में प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिसके फलस्वरूप परियोजना अवधि में उपलब्ध करायी गयी पेयजल सुविधा का विवरण निम्न प्रकार है :–

परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी पेयजल सुविधा का विवरण :–

विकास खण्ड	कुल विद्यालय (प्राथमिक व उ.प्रा. सम्मिलित)	सभी के लिये शिक्षा परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी पेयजल सुविधा वाले वि.की सं.	यू.पी.एग्रो द्वारा उपलब्ध पेयजल सुविधा वाले विद्यालय सं.	अन्य स्रोतो द्वारा उपलब्ध पेयजल सुविधा वाले विद्यालय	कुल पेयजल सुविधायुक्त विद्यालय	पेयजल विहीन विद्यालय
1	2	3	4	5	6	7
जसपुर	116	30	75	08	113	3
काशीपुर	106	44	47	15	106	–
बाजपुर	102	32	64	05	101	1
गदरपुर	122	34	84	01	119	3
रूद्रपुर	124	39	61	22	122	2
सितारगंज	129	39	71	13	123	6
खटीमा	130	35	60	23	118	12
योग	829	253	462	87	802	27

शौचालय :-

विश्वबैंक परियोजना के द्वारा यह भी अनुभव किया गया कि विद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं हेतु शौचालय की नितान्त आवश्यकता है। अतः निर्णय लिया गया कि परियोजना के दौरान जो भी विद्यालय खोला जाए उसमें शौचालय तथा पेयजल व्यवस्था का प्राविधान भी रखा गया इसके अतिरिक्त जिन विद्यालयों में शौचालय नहीं है उनमें शौचालय निर्मित किए जाये इस हेतु परियोजना द्वारा धन आंवटित किया गया इस प्रकार जनपद में कुल 405 शौचालयों का निर्माण किया गया।

ग्राम शिक्षा समिमियों की सहभागिता :-

विश्व बैंक परियोजना के अर्न्तगत सामुदायिक सहभागिता हेतु ग्राम शिक्षा समितियों को प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने हेतु ग्राम शिक्षा समिति के सभी सदस्यों को न्याय पंचायत स्तर पर प्रशिक्षित किया गया जिसके फलस्वरूप ग्राम शिक्षा समिति द्वारा निर्माण कार्य, छात्रवृत्ति वितरण, खाद्यान्न वितरण, विद्यालय रखरखाव खाते का आहरण वितरण आदि का अधिकार ग्राम शिक्षा समिति को दिया गया जिसके परिणाम, अपेक्षाकृत नहीं आये, जिसके फलस्वरूप सर्व शिक्षा अभियान के अर्न्तगत इसे सामुदायिक सहभागिता के रूप में प्राविधानिक किया जा रहा है :-

ग्राम शिक्षा समिति के प्रशिक्षण की स्थिति (विकास खण्डवार)

क्र.स.	विकास खण्ड का नाम	कुल ग्राम शिक्षा समिति	प्रशिक्षित ग्राम शिक्षा समिति	प्रशिक्षित सदस्य
1	2	3	4	5
1	जसपुर	51	51	1122
2.	काशीपुर	28	28	626
3.	बाजपुर	54	54	1232
4.	गदरपुर	55	55	1278
5.	रूद्रपुर	55	55	1494
6.	सितारगंज	43	43	990
7.	खटीमा	50	50	1100
	योग	336	336	7842

सामुदायिक पुस्तकालय :-

सभी के लिये शिक्षा परियोजना अर्न्तगत समुदाय को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के दृष्टिकोण से विद्यालयों में सामुदायिक पुस्तकालयों की स्थापना की गई जिनमें पत्र पत्रिकाऐं, सामाजिक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध करायी गयी, जिससे सम्बन्धित समुदाय के लोग पुस्तकालयों में जाकर अध्ययन करें परियोजना का यह उद्देश्य भी था कि परियोजना समाप्ति के बाद समुदाय के लोग पुस्तकालय को अपने हाथ में लेकर इनका संचालन स्वयं करें किन्तु परियोजना समाप्ति के बाद इसमें सफलता नहीं मिली । सर्व शिक्षा अभियान में इसे पुनः जोड़े जाने का प्राविधान किया जा रहा है ।

परियोजना द्वारा स्थापित सामुदायिक पुस्तकालयों का विवरण

क्र.स.	विकास खण्ड का नाम	परियोजना द्वारा स्थापित सामुदायिक पुस्तकालयों की संख्या
1	2	3
1	जसपुर	6
2.	काशीपुर	6
3.	बाजपुर	6
4.	गदरपुर	6
5.	रूद्रपुर	6
6.	सितारगंज	6
7.	खटीमा	6
	योग	42

बालिकाओं के लिए कार्यानुभव योजना :-

जनपद के विकासखण्ड गदरपुर में कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में चौक निर्माण विषयक प्रशिक्षण बालिकाओं को दिया गया । इस हेतु विद्यालय की एक शिक्षिका को चौक निर्माण विषयक ट्रेड में प्रशिक्षित किया गया।

द्विपाली योजना :-

जिस विकास खण्ड में उच्च प्राथमिक स्तर पर पढ़ने वाली बालिकाओं की संख्या अधिक है वंहां बालिकाओं की शिक्षा हेतु विशेष ध्यान देने के उद्देश्य से प्रयोग के तौर पर जनपद के निम्न दो उच्च प्राथमिक विद्यालयों में द्विपाली योजना के अर्न्तगत शिक्षण कार्य कराया जा रहा था (1)-उ.प्रा.वि. बर्की डंडी नगला, सितारगंज (2) उ. प्रा. वि. पूरनपुर, जसपुर। प्रथम पाली में छात्रों को तथा द्वितीय पाली में छात्राओं को शिक्षा दी जाती है। इस प्रक्रिया से उक्त विद्यालयों में बालिकाओं के नामांकन में वृद्धि वर्ष वार छात्रों की संख्या निम्न तालिका से प्रदर्शित है :-

वर्ष	उ.प्रा. वि. बरकी डांडी नगला क्षेत्र सितारगंज	उ.प्रा. वि. पूरनपुर जसपुर	योग
1	2	3	4
1997	70	100	170
1998	88	126	214
1999	110	143	253
2000	142	271	413

स्वास्थ्य परीक्षण :-

शासनादेश सं. 17/5-11-99 ई. 42/98 दिनांक 21 जुलाई 1999 के अनुसार परियोजना के अर्न्तगत जनपद के प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में अध्ययन रत बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण माह जुलाई 1999 से अनवरत रूप से चलाया गया था जनपद के कुल 649 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण का लक्ष्य निर्धारित था जिसके विरूद्ध वर्ष 2001 माह सितम्बर तक प्राप्त सूचना के अनुसार कुल 451 विद्यालयों के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण पूर्ण करा दिया गया है। राज्य परियोजना निदेशालय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य कार्ड एवं सन्दर्भ कार्ड जनपद के प्रत्येक विद्यालय को उपलब्ध करा दिये गये ताकि बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण सम्बन्धी विवरण विद्यालयों में उपलब्ध रहें।

औषधि वितरण के लिए उत्तरांचल महिला उत्थान योजनान्तर्गत 1.38 लाख स्वीकृत किया गया था। जिससे औषधि वितरण किया गया।

विकास खण्ड	कुल विद्यालय जिनमें स्वास्थ्य परीक्षण किया गया	छात्र संख्या जिनका स्वास्थ्य परीक्षण हुआ	छात्रों की संख्या जिनका परीक्षण विद्यालय में हुआ	छात्रों की संख्या जिनका परीक्षण संकुल केन्द्र में हुआ
1	2	3	4	5
जसपुर	82	9450	2640	6810
काशीपुर	51	7197	90	7128
बाजपुर	74	7306	1652	5654
गदरपुर	81	6572	2173	4399
रूद्रपुर	25	2965	104	2861
सितारगंज	20	3118	532	2586
खटीमा	102	14254	1362	12892
काशीपर नगर	16	3034	739	2295
योग	451	53896	9271	44625

सेवारत प्रशिक्षण :-

परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न स्तर के अध्यापकों के प्रशिक्षण की व्यापक व्यवस्था थी। शैक्षिक उन्नयन के लिए विभिन्न स्तर पर दिये गये सेवारत प्रशिक्षणों का विवरण निम्न तालिका से प्रदर्शित है :-

विकासखण्ड वार विभिन्न सेवारत प्रशिक्षणों की स्थिति :-

क्र.स.	विकासखण्ड	प्राथमिक स्तर पर सम्पन्न सेवारत प्रशिक्षण					पूर्व माध्यमिक स्तर पर सम्पन्न सेवारत प्रशिक्षण	
		काउन्डेशन कोर्स प्रशिक्षित अ.	भाषा प्रशिक्षित अ.	भाषा अनुपूरक प्रशिक्षित अ.	गणित प्रशिक्षित अ.	पर्यावरण प्रशिक्षित अ.	प्रशिक्षित अ. गणित	प्रशिक्षित अ. विज्ञान
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	जसपुर	187	187	229	231	265	68	23
2.	काशीपुर	165	243	252	252	265	45	19
3.	बाजपुर	146	130	121	172	188	49	30
4.	गदरपुर	178	143	177	177	218	45	26
5.	रूद्रपुर	265	324	290	292.	311	48	23
6.	सितारगंज	169	201	182	160	251	47	29
7.	खटीमा	242	284	215	266	298	58	27
	योग	1352	1521	1466	1550	1796	352	177

विद्यालय श्रेणीकरण :–

सभी के लिये शिक्षा परियोजना के अर्न्तगत विद्यालयों को दी गई सुविधाऐं एवं शैक्षिक वातावरण के मूल्यांकन हेतु विद्यालयों को श्रेणीबद्ध किया गया। इस हेतु 30 अक निर्धारित कर एक मूल्यांकन प्रपत्र का निर्माण किया गया तथा 25 से 30 अंक प्राप्त करने वाले विद्यालय को अ श्रेणी, 15 से 24 तक ब श्रेणी, 7 से 14 तक स श्रेणी तथा 1 से 6 तक द श्रेणी में रखा गया परियोजना के दौरान वर्ष 1999–2000 में जनपद उधम सिंह नगर में कुल 632 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों का पर्यवेक्षण किया गया। प्रारम्भ में 28 विद्यालया अ श्रेणी में 399 ब श्रेणी में 168 स श्रेणी में तथा 37 विद्यालय द श्रेणी में आये। प्रयासों के पश्चात मूल्यांकन पर 37 वि. अ श्रेणी में 477 ब श्रेणी में 115 स श्रेणी में तथा 8 वि. द श्रेणी में आये इस प्रकार प्रयासों के बाद 9 विद्यालयों को द से ब श्रेणी में 20 विद्यालयों को द से स श्रेणी में 73 विद्यालयों को स से ब श्रेणी में तथा 4 विद्यालयों को ब से अ श्रेणी में लाया गया जिसका विवरण निम्न तालिका से प्रदर्शित है :–

विद्यालयों का श्रेणीकरण एवं प्रयासोपरान्त उपलब्धि :–

विकासखण्ड	परीक्षण किये गये प्रा. वि. संख्या	प्रयास से पूर्व की श्रेणी स्थिति				प्रयासोपरान्त की श्रेणी स्थिति				प्रयास के बाद परिवर्तन			
		A	B	C	D	A	B	C	D	D से C	D से B	C से B	B से A
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10				
जसपुर	84	3	68	13	–	3	74	7	–	–	–	6	–
काशीपुर	78	7	52	19	–	7	63	8	–	–	–	11	–
बाजपुर	74	9	61	4	–	13	61	–	–	–	–	4	4
गदरपुर	93	–	54	34	5	–	77	16	–	2	3	20	–
रूद्रपुर	92	1	16	47	28	1	39	45	7	18	3	20	–
सितारगंज	96	1	77	18	–	1	87	8	–	–	–	10	–
खटीमा	115	7	71	33	4	7	76	31	1	–	3	2	–
योग	632	28	399	168	37	32	477	115	8	20	9	73	4

नोट :– परियोजना के दौरान टनकपुर क्षेत्र के 18 प्रा. वि. तथा 6 उच्च प्रा. वि. कुल 24 विद्यालय भी खटीमा विकासखण्ड में थे जो अब जनपद चम्पावत में स्थानान्तरित किये जा चुके हैं।

अध्याय - 3

नियोजन प्रक्रिया

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्राथमिक शिक्षा (गुणात्मक एवं मात्रात्मक) के सार्वभौमिकरण के लिए विभिन्न कदम उठायें गये। जिसमें सभी के लिए शिक्षा परियोजना भी सम्मिलित है। इसके अर्न्तगत जनपद में 174 नवीन प्रा.वि., 75 उ.प्रा.वि. की स्थापना की गयी। 42 प्रा. तथा 3 उ.प्रा. विद्यालयों का पुनःनिर्माण किया गया 405 शौचालय व 253 विद्यालयों में पेयजल सुविधा उपलब्ध करायी गयी। परन्तु प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लक्ष्य की प्राप्ति अभी तक नहीं हो पाई है। इसका कारण प्रभावशाली एवं समझदारी युक्त तरीके से समाधान में कमी है।

सर्वशिक्षा अभियान राज्यों की भागीदारी से समयबद्ध समेकित प्रयास द्वारा प्रारम्भिक शिक्षा को जनजन तक पहुंचाने सम्बन्धी चिर अभिलाषित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक प्रयास है। सर्व शिक्षा अभियान जिससे देश के प्रारम्भिक शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने की अपेक्षा की गयी है का उद्देश्य 2010 तक 6–14 वय वर्ग के सभी बच्चों को उपयोगी तथा कोटिपरक प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करना है।

सर्वशिक्षा अभियान स्कूल पद्धति के कार्य निष्पादन में सुधार तथा समुदाय आधारित कोटिपरक प्रारम्भिक शिक्षा को मिशन रूप में प्रदान करने सम्बन्धी जरूरत को पूरा करने का एक प्रयास है। इस कार्यक्रम में स्त्री पुरूष असमानता तथा सामाजिक अन्तर को समाप्त करने की परिकल्पना भी की गयी है। शिक्षा के क्षेत्र में इस योजना में नीचे अर्थात ग्राम व बस्ती के स्तर से तैयारकी गयी योजनाओं को विकास खण्ड स्तर पर समेकित कर जिला स्तरीय योजना प्रस्तावित की गयी है।

सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्य :-

- सभी बच्चों के लिये वर्ष 2003 तक स्कूल शिक्षा गारण्टी केन्द्र वैकल्पिक स्कूल, बैक टू स्कूल शिविर की उपलब्धता।
- सभी बच्चे वर्ष 2007 तक पांच वर्ष की प्राथमिक शिक्षा पूर्ण कर लें।
- सभी बच्चे 2010 तक 8 वर्ष की स्कूली शिक्षा पूर्ण कर लें।
- संतोष जनक कोटि की प्रारम्भिक शिक्षा जिसमें जीवनोपयोगी शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है पर बल देना।
- बालक–बालिका असमानता तथा सामाजिक वर्ग भेद की 2007 तक प्राथमिक स्तर पर, वर्ष 2010 तक प्रारम्भिक स्तर पर समाप्त करना।
- वर्ष 2010 तक सभी बच्चों को स्कूल में बनाये रखना।
- बच्चों को नैतिकता से परिपूर्ण मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना।

जनपद स्तर पर नियोजन प्रक्रिया :-

प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लक्ष्य की प्राप्ति योजना क्रियान्वयन में समुदाय की सहभागिता एवं

विभिन्न स्तरीय अनुश्रवण पर निर्भर करती है। जब तक समुदाय शिक्षा के विभिन्न बिन्दुओं को आत्मसात नहीं करता प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य पूर्ण नहीं हो सकता। ग्राम सामुदायिक सहभागिता के बिना, विकेन्द्रीकरण के माध्यम सेपंचायती राज संस्थाओं एवं अन्य समूहों द्वारा प्राथमिक शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त नहीं हो सकता।

प्रोजेक्ट पूर्व की क्रियायें जनपद में प्रारम्भ हो चुकी है। जिससे कि समुदाय की सहभागिता प्लान के क्रियान्वयन में सुनिश्चित हो सके तथा बस्ती स्तर पर शिक्षा की स्थिति व गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।

सर्व शिक्षा अभियान(2001-2002)

नियोजन आरेख

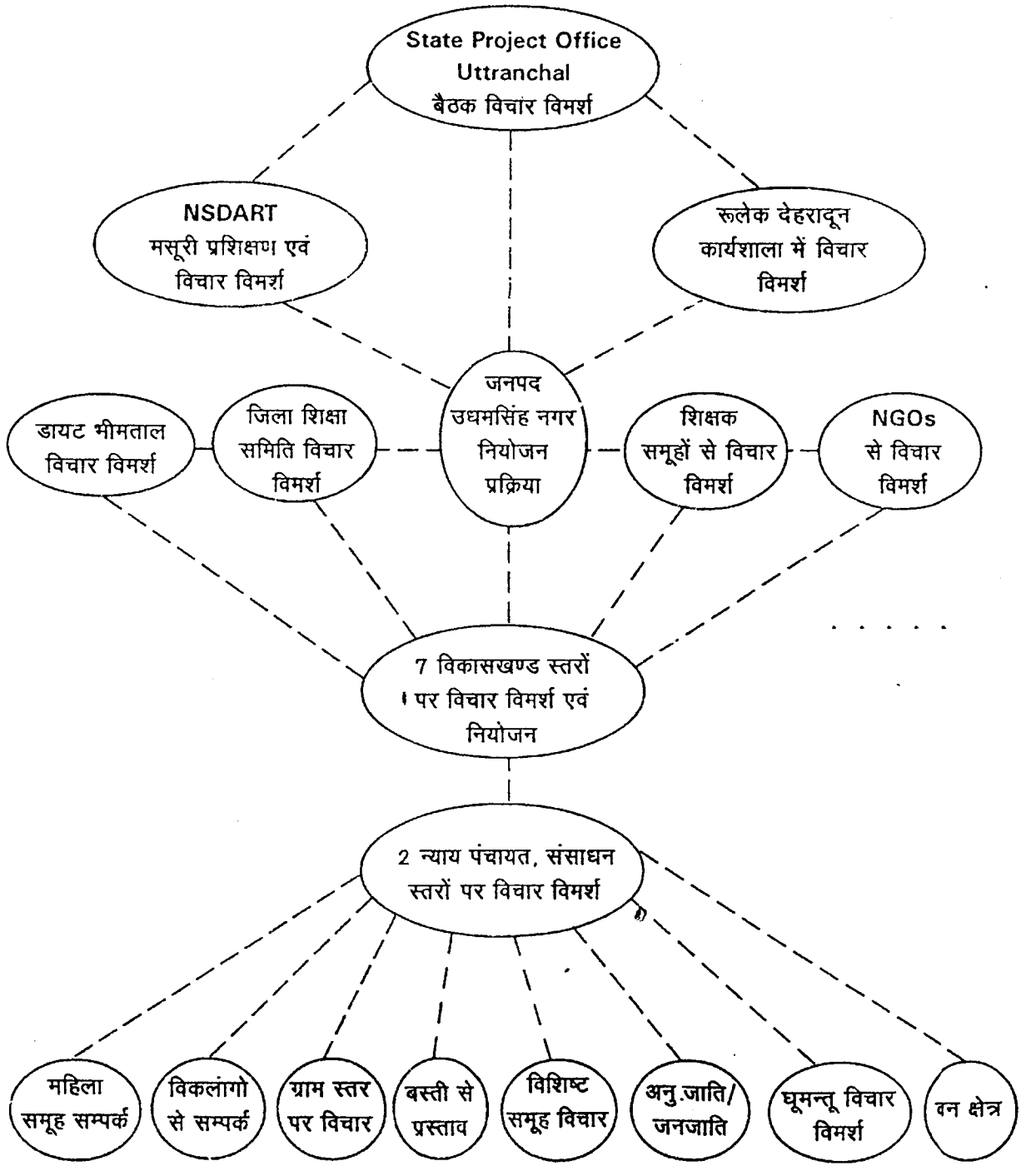

नियोजन के लिए कोर समूहों (Coure Groups) का निर्माण

जनपद कोर समूह :-

जनपद में जिला कोर समूह बनाया गया जिसका अध्यक्ष जिलाधिकारी तथा संयोजक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी है, जिला कोर समूह के अन्य सदस्य निम्न प्रकार है :-

- डायट प्राचार्य
- जिला विद्यालय निरीक्षक
- जिला समाज कल्याण अधिकारी
- श्रम आयुक्त
- उपबेसिक शिक्षा अधिकारी
- गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी

जिला कोर समूह की जनपद में बैठक कर ब्लाक तथा बस्ती कोर ग्रुप बनाने हेतु विचार विमर्श किया गया।

ब्लाक स्तरीय कोर समूह :-

ब्लाक स्तर पर कोर समूह में निम्नलिखित सदस्य रखे गये ।

- खण्ड विकास अधिकारी अध्यक्ष
- सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिव
- प्रति उपविद्यालय निरीक्षक सदस्य
- सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सदस्य
- सहायक विकास अधिकार (सांख्यकी) सदस्य
- दो ग्राम प्रधान सदस्य
- गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी
- चार प्रधानाध्यापक (प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक स्तर के)

ग्राम स्तरीय कोर ग्रुप :-

ग्राम स्तरीय कोर ग्रुप में निम्नलिखित सदस्य रखे गये ।

- प्राथमिक विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिकायें।
- ग्राम शिक्षा समिति का अध्येक्ष
- युवक मंगल दल का अध्यक्ष
- महिला मंगल दल की अध्यक्षा
- आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री
- स्वास्थ्य कार्यकर्ता

सर्व शिक्षा अभियान जिला उधमसिंह नगर में एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया ह। जिले की आवश्यकताओं के अनुकूल योजना का निर्माण करने पर अधिकाधिक लक्ष्यों की प्राप्ति हो सकती है। जनपद स्तर पर जनपदीय कोर ग्रुप ब्लाक स्तर पर ब्लाक कोर ग्रुप तथा ग्राम स्तर पर ग्राम कोर ग्रुप की बैटकें आयोजित की गयी। विभिन्न स्तरों पर आयोजिक बैठक/सेमिनार एवं कार्यशालाओं का विवरण निम्नलिखित है :

क्र.सं.	दिनांक	स्थान	प्रतिभागी	बैठक/सेमिनार/कार्यशाला का विवरण
1	05.07.2001 से 07.07.2001	रूलेक कार्यालय देहरादून (उत्तरांचल)	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी/प्रा.डायट उप बेसिक शिक्षा अधिकारी, ए.बी.एस. ए.,एस.डी. आई. डायट के प्रवक्ता गण डायट के कनिष्ट प्रवक्ता	1. सर्व शिक्षा अभियान लक्ष्य एवं उद्देश्य 2. सर्व शिक्षा अभियान के लिये निर्धारित मानको के सन्दर्भ में विस्तृत परिचर्चा 3. सर्वेक्षण कार्य एवं सर्व शिक्षा अभियान के प्रथम चरण मे किये जाने वाले कार्यो की परिचर्चा 4. प्री प्रोजेक्ट क्रिया कलापो पर पूर्ण चर्चा।
क्र.सं.	**दिनांक**	**स्थान**	**प्रतिभागी**	**बैठक/सेमिनार/कार्यशाला का विवरण**
2.	24.07.2001	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय,रूदपुर उधमसिंह नगर	डिप्टी बी.एस.ए. ए.बी.एस. ए. एस.डी.आई. बी.आर.सी. एन.पी.आर सी समन्वयक	1. सर्व शिक्षा अभियान लक्ष्य एवं उद्देश्यों पर परिचर्चा 2. सर्वेक्षण कार्य की विस्तृत चर्चा 3. प्री प्रोजेक्ट क्रियाकलापों की परिचर्चा 4. नियोजन हेतु आवश्यक एवं निर्धारित सूचनाओं के सकलन की आवश्यक जानकारियां।
3.	04.08.2001 एवं 05.08.2001	सम्बन्धित ब्लाको के बी.आर.सी. के सभागार में	ए.बी.एस.ए. S.D.I.,BRC समन्वयक NPRC समन्वयक प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक VEC के अध्यक्ष	1. सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्य एवं उद्देश्यों पर परिचर्चा 2. सर्वेक्षण कार्य पर परिचर्चा 3. समुदायकी सहभागिता पर परिचर्चा 4. लिंग, जाति तथा धर्म के आधार पर बच्चों को विद्यालय में पंजीकृत कराने के विषय पर परिचर्चा
4.	06.08.2001	डायट भीमताल	जिला उप बेसिक शिक्षा अधिकारी स.बे.शि.अ. प्रति उप.	सर्व शिक्षा अभियान को जन-जन तक पहुचाने हेतु पर्याप्त प्रचार-प्रसार एवं ग्राम सर्वेक्षण पर परिचर्चा

			वि.नि. प्राचार्य डायट प्रवक्ता एवं वरिष्ठ प्रवक्ता डायट, बी. आर. सी. समन्वयक	
5.	14.08.2001 17.08.2001 20.08.2001 22.08.2001 (न्याय पंचायत स्तरीय)	सन्बन्धित NPRC के सभागार में	प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, अध्यापक NPRC समन्वयक VEC के सदस्य	1. सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्य एवं उद्देश्यों पर परिचर्चा 2. सर्वेक्षण कार्य पर परिचर्चा 3. समुदाय की सहभागिता पर चर्चा 4. बालिका शिक्षा के महत्तव पर चचा।
क्र.सं.	**दिनांक**	**स्थान**	**प्रतिभागी**	**बैठक/सेमिनार/कार्यशाला का विवरण**
6.	28.8.2001से 01.09.2001 04.9.2001से 09.09.2001 तथा 01.09.2001 से 15.9.2001 (राज्य स्तरीय)	NSDART लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी	बेसिक शिक्षा अधिकारी उ.जि.बे.शि.अधिकारी स.बे.शि. अधिकारी डायट प्रवक्ता प्रधानाचार्य रा.इ. कालेज शिक्षा, विभाग के सेवा नि. अधिकारी एस. डी. आई.	1. उत्तरांचल में सर्व शिक्षा अभियान पर परिचर्चा 2. सभी के लिये शिक्षा नया पाठ्यक्रम पर चर्चा 3. पर्सपैक्टिव प्लान बनाने का तरीका तथा क्रियाविधि पर परिचर्चा 4. पर्सपैक्टिव प्लान बनाने में सैड्यूलिंग एवं सिक्वैंसिंग 5. SSA में समुदाय की सहभागिता तथा माइक्रोप्लानिंग पर विस्तृत परिचर्चा 6. समस्याओं के चिन्हीकरण पर परिचर्चा 7. मैनजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (MIS) एवं आंकड़ो के विश्लेषण पर चर्चा
7	24.9.2001से 26.9.2001	जनपद के प्रत्येक विकासखण्ड सभागार	एन.पी.आर.सी. व बी.आर.सी. समन्वयक B.D.O. ब्लाक प्रमुख ग्राम प्रधान एवं समुदाय के व्यक्ति जिसमें महिलायें सम्मिलित हैं।	सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत समुदाय के सहयोग एवं प्रतिभागिता के साथ लक्ष्य एवं उद्देश्यों की जानकारी पर चर्चा तथा ग्राम सर्वेक्षण की जानकारी शिक्षा की गुणवत्ता के स्तरोन्नयन के लिये समुदाय की सहभागिता पर विचार।

क्र.सं.	दिनांक	स्थान	प्रतिभागी	बैठक/सेमिनार/कार्यशाला का विवरण
8.	23.10.2001	जिलाधिकारी सभागार उधमसिंहनगर	माननीय सांसद माननीय विधायक माननीय क्षेत्रप्रमुख माननीय नगर प्रमुख माननीय जिलाधिकारी ना.जि.कार्यक्रम अधिकारी मा.जिला वि. निरीक्षक मा. समाज कल्याण अधि. मा. प्राथमिक वि. के शिक्षक स्वयं सेवी संगठन,पंतनगर ग्राम प्रधान उ.प्राथमिक वि. के शिक्षक जि.ब.शि. अ. उप.ज.शि.अ. स.ब.शि.अ. प्रति उ.शि.अ.	कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय जिलाधिकारी जनपद उधमसिंह नगर द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी के एन.एस.डार्ट से आये विशेषज्ञ श्री एच.सी. पोखरियाल तथा राज्य परियोजना निदेशालय देहरादून से आये श्री एम.एस.बिष्ट, व श्री आर्या द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्यों की चर्चा करते हुये कार्यशाला में आये विशेषज्ञों द्वारा जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर की समस्याओं व उनके निराकरण की जानकारी ली गई, जिस पर जनप्रतिनिधियों से पूर्ण विचार विमर्श हुआ। इस प्रकार जनप्रतिनिधियों ने योजना तैयार करने की रणनीति व प्राथमिकता देने विषय पर हुयी कार्यशाला को एक सराहनीय चरण बताया।

9.दिनांक 29 व 30 अक्टूबर को जनपद उधमसिंह नगर का पर्स पैक्टिव प्लान तैयार कर कुल 92 करोड़ 92 लाख 38 हजार का बजट का प्राविधान हुआ। जिसे सर्व शिक्षा अभियान प्रकोष्ठ देहरादून में पुनरीक्षण हेतु प्रस्तुत किया गया। पुनरीक्षण के दौरान पाया कि कतिपय बिन्दुओं जैसे स्वास्थ्य परीक्षण, ई.जी.एस. केन्द्र व अन्य पर पुनर्विचार के उपरान्त एक सप्ताह के भीतर पर्स पैक्टिव प्लान प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

डाटा बेस का विकास - परिवार सर्वेक्षण

स्कूल जाने वाले बच्चे, स्कूल न जाने वाले बच्चों एवं बच्चों द्वारा किये जाने वाले कार्य का विवरण एवं परिवार की पृष्ठभूमि प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के नियोजन (प्लानिंग) के लिये अति आवश्यक है। इससे स्कूल न जाने वाले बच्चों को स्कूल लाने के लिये रणनीति तय करने में आसानी होती है।

अतः परिवार सर्वेक्षण की योजना बनाई गयी तथा बाल गणना के रूप में यह कार्य मई 2001 में पूर्ण किया गया। आवश्यक जानकारी बाल गणना प्रपत्र एवं फैमिली शीट में संग्रहित की गयीं सूचना में, बाल शिक्षा, नामांकन, शैक्षिक समस्यायें,, ड्राप आउट, बच्चों का स्कूल से बाहर रहने का कारण, विकलांगता का प्रकार सामाजिक स्थिति संग्रहित की गयी।

प्रशिक्षण एवं धारण क्षमता संवर्द्धन :-

जिला स्तरीय कोर ग्रुप का राज्य स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस कोर टीम ने ब्लाक स्तरीय कोर टीम को प्रशिक्षित किया। ब्लाक स्तरीय कोर टीम ने न्याय पंचायत स्तर पर बैठक आयोजित कर विभिन्न ग्राम स्तरीय कोर टीमों को प्रशिक्षित किया।

परिवार सर्वेक्षण माह मई में सभी ग्रामो/ बस्तियों में करायी गयी जिसकी अनुश्रवण ब्लाक कोर ग्रुप ने किया। ग्राम कोर समूह ने स्कूल से बाहर के बच्चों जिनमें ड्राप आउट एवं ऐसे बच्चे शामिल है जिनका स्कूल में कभी नामांकन नहीं हुआ की सूचियां तैयार की। इनकी जांच कराकर बी.आर.सी.में सुरक्षित रखा गया है।

समुदाय की सहभागिता एवं ग्राम पंचायतें को प्रभावी बनाने के लिये प्रारम्भिक क्रियाकलाप

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उनके निर्देशानुसार विकास खण्ड वार समस्त ब्लाक प्रमुख, ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, समस्त विकास खण्ड अभिकर्मियों, बी.आर.सी. एन.पी.आर.सी. समन्वयकों की एक गोष्ठी आयोजित कर सर्वशिक्षा अभियान के उद्देश्यों की व्याख्या करते हुए इसे क्रियान्वित किये जाने हेतु समुदाय की सहभागिता किए जाने का आहवान किया गया। इसी प्रकार न्याय पंचायत स्तर पर ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों एवं ग्राम प्रधानों को पुनः प्रेरित किया गया है कि प्रारम्भिक शिक्षा के क्षेत्र में समुदाय की सहभागिता ली जानी आवश्यक है। ताकि वे विद्यालय के प्रति अपना उत्तदायित्व का अनुभव कर विद्यालय को अपना समझें।

क्रमबद्ध गोष्ठियों के आयोजन से यह परिणाम प्राप्त हुआ है कि शिक्षक द्वारा बस्तियों के सर्वेक्षण के समय वास्तविक आंकड़ो को संग्रह करने में सहायता मिली है। जिससे मुख्यतः असेवित्त बस्तियां, विद्यालय न जाने वाले 0 से 14 वय वर्ग के बच्चों की गणना बीच में ही अपनी शिक्षा छोड़ देने वाले बच्चों की संख्या तथा विद्यालयों में शिक्षण कार्य को प्रभावित करने वाली सुविधाऐं यथा, भवन, कक्षा कक्ष, अध्यापक, शौचालय, पेयजल, पाठ्यपुस्तक आदि की सही जानकारी प्राप्त हुई है।

जनपद उधमसिंह नगर 7 विकासखण्ड व 7 नगरपालिकाओं व 8 टाउन एरिया जैसे छोटे–2 समूहों से बना जनपद है। जिससे सर्व शिक्षा अभियान के लिये सम्पूर्ण जनपद को प्रथम चरण में लिया जा रहा है।

अध्याय -4

कार्यक्रम की अवधारणा लक्ष्य एवं उद्देश्य :-

यह सर्वमान्य तथ्य है कि बुनियादी शिक्षा मानव कल्याण विशेषकर जीवन प्रत्याशा, शिशु, मृत्युदर बच्चों का पोषाहार स्तर आदि के स्तर में सुधार करती है। सर्वसुलभ बुनियादी शिक्षा आर्थिक विकास में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 45 में कहा गया है कि –

'राज्य का यह प्रयास होगा कि 6–14 वय वर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान की जायेगी। जिसके लिये राज्य सरकार द्वारा समय समय पर विभिन्न कार्यक्रम लागू किये गये हैं किन्तु आज भी हम इस लक्ष्य की प्राप्ति नही कर पाये हैं। फलस्वरूप सर्व शिक्षा अभियान जैसे कार्यक्रम को पुनः लागू किया जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में निम्नलिखित बातें कही गयी है :–

'यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि हमारे 21 वीं सदी में प्रवेश करने से पहले 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को संतोषजनक गुणवत्ता वाली निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान की जाय।' इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित किया जायेगा।

उपरोक्त सन्दर्भ में सर्व शिक्षा अभियान प्रारम्भिक शिक्षा को जन–जन तक पहुंचाने सम्बन्धी चिर अभिलाषित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

इसका लक्ष्य वर्ष 2007 तक 6 से 14 आयु वर्ग के सभी बच्चों को उपयोगी तथा कोटिपरक प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करना हैं। इस कार्यक्रम में स्त्री पुरूष असमानता तथा सामाजिक अन्तर को समाप्त करने की परिकल्पना भी की गयी है।

संस्थागत सुधार :-

सर्व शिक्षा अभियान में संस्थागत सुधार किये जायेंगे। इसमें जनपद उधमसिंह नगर में शैक्षिक प्रशासन, स्कूलों में उपलब्धि स्तर, वित्तीय मामले, विकेन्द्रीकरण, तथा सामुदायिक स्वामित्व मानीटरिंग तथा मूल्यांकन लड़कियों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा सुविधाविहीन वर्गो के लिये शिक्षा, निजी स्कूलों, स्कूल गांरटी केन्द्रो तथा वैकल्पिक स्कूलों को तर्कसंगत बनाना भी शामिल है।

सतत वित्त पोषण :-

जनपद स्तर पर सर्व शिक्षा अभियान द्वारा प्राम्भिक शिक्षा का वित्त पोषण सतत जारी रखा जायेगा।

सामुदायिक स्वामित्व :-

इस कार्यक्रम के लिये प्रभावी विकेन्द्रीकरण के जरिए स्कूल आधारित कार्यक्रमों व सामुदायिक स्वामित्व की व्यवस्था की गयी है। महिला समूह, ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्यों और पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों को शामिल करके इस कार्यक्रम को जिलों में संचालित किया जायेगा।

संस्थागत क्षमता निर्माण :-

विभिन्न स्तरों पर संस्थागत क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण की परिकल्पना सर्व शिक्षा अभियान में की गयी है। प्रदेश स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तियों द्वारा जिला स्तर ब्लाक स्तर तथा बस्ती स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर क्षमता निर्माण की संकल्पना इस कार्यक्रम में की गयी है। इसके लिये विशेषज्ञों की स्थाई सहयोग वाली टीम का गठन आवश्यक है।

पूर्ण पारदर्शिता युक्त सामुदायिक मॉनीटरिंग :-

मानीटरिंग हेतु समुदाय आधिारित पद्धति अपनाई जा रही है। शैक्षिक प्रबन्ध, सूचना पद्धति, माइक्रो प्लानिंग और सर्वेक्षण से समुदाय आधारित सूचना के साथ स्कूल स्तरीय आंकड़ो का सम्बन्ध स्थापित करना इसमें शामिल है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक स्कूल एक नोटिस बोर्ड रखेगा, जिसमें स्कूल द्वारा प्राप्त किये गये सारे अनुदान और अन्य ब्यौरे दिये जायेगें।

आयोजना इकाई के रूप में बस्ती :-

सर्व शिक्षा अभियान नियोजन की इकाई के रूप में बस्ती के साथ योजना बनाते हुए समुदाय आधारित दृष्टिकोण पर कार्य करता है। बस्ती योजनायें जिला की योजनाओं तैयार करने का आधार है।

समुदाय के प्रति जवाबदेही :-

सर्व शिक्षा अभियान में शिक्षकों, अभिभावको और पचायती राज संस्थाओं के बीच सहयोग जवाबदेही एवं पारदर्शिता की परिकल्पना की गयी है।

बालिका शिक्षा एवं विशेष समूहों पर ध्यान :-

लड़कियों, विशेषकर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की लड़कियों की शिक्षा अभियान का एक

प्रमुख लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति धार्मिक एवं भाषाई अल्पसंख्यकों तथा वंचित वर्गो के बच्चों की शैक्षिक सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया गया है।

शिक्षकों की भूमिका :-

सर्व शिक्षा अभियान में शिक्षकों की भूमिका एवं उनकी विकास सम्बन्धी आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जायेगा। ब्लाक संसाधन केन्द्र एवं न्याय पंचायत संसाधन केन्द्रो की स्थापना (जहां पहले से बी.आर.सी./एन.पी. आर. सी. स्थापित नहीं है या एन.पी.आर.सी. की और आवश्यकता है) योग्य शिक्षकों की नियुक्ति पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सामग्री के विकास, शिक्षकों के एक्सपोजर दौरे तथा शिक्षकों के बीच मानव संसाधन को विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किये जायेंगे।

पुस्तकालय की व्यवस्था :-

सर्व शिक्षा अभियान के तहत प्रत्येक जनपद में एक पुस्तकालय ब्लाक स्तर पर एक पुस्तकालय तथा बस्ती स्तर पर प्रत्येक प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय में लर्निंग कार्नर की व्यवस्था प्रस्तावित है। जहां पुस्तकालय स्थापित नहीं हो सकेंगे वहां मोबाइल पुस्तकालय द्वारा बच्चों की पुस्तकें उपलब्ध करायी जायेगी।

सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्य :-

- सभी बच्चों के लिये वर्ष 2003 तक स्कूल, शिक्षा गांरटी केन्द्र, वैकल्पिक स्कूल, बैक टू स्कूल शिविर की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- सभी बच्चों को वर्ष 2007 तक कक्षा पांच तक की प्राथमिक शिक्षा पूर्ण कराना।
- सभी बच्चों को वर्ष 2010 तक कक्षा आठ तक की स्कूल शिक्षा पूर्ण कराना।
- संतोषजनक कोटि की प्रारम्भिक शिक्षा जिसमें जीवनोपयोगी शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया हो, पर बल देना।
- लैंगिक असमानता तथा सामाजिक वर्ग भेद को 2007 तक प्राथमिक स्तर पर तथा वर्ष 2010 तक प्रारम्भिक स्तर पर समाप्त करना।
- वर्ष 2010 तक सभी बच्चों को स्कूल में बनायें रखना।

जनपद स्तर पर सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्य :-

- जनपद के 6–14 वय वर्ग के प्रत्येक बच्चें को 2010 तक अनिवार्य रूप से कक्षा 8 तक स्कूली शिक्षा पूर्ण कराना।
- जनपद में प्राथमिक शिक्षा के विकास में समुदाय की अधिकतम सहभागिता प्राप्त कर उन्हें प्राथमिक शिक्षा से जोड़ना तथा विद्यालय व्यवस्था में समुदाय की जिम्मेदारी तय करना।
- बालिकाओं तथा वंचित वर्ग (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के बच्चों एवं विशिष्ठ बस्तियों के बच्चों) की शिक्षा हेतु विशेष वातावरण का सृजन कर शत प्रतिशत नामांकन एवं ठहराव की अवधारणा को प्राप्त करना।
- विशिष्ट बस्तियों जैसे जनजाति, वन क्षेत्र के बच्चों हेतु शिक्षा गारंटी योजना के अंतर्गत शिक्षा केन्द्र, इनोवेटिव वैकल्पिक विद्यालयो की स्थापना करना।
- विकलांग बच्चों हेतु आवासीय विद्यालय की स्थापना कर उनको प्राथमिक शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना।
- विभिन्न वर्गो के बालक–बालिका में असमानता तथा सामाजिक वर्ग भेद को समाप्त करना।
- जनपद उधमसिंह नगर में 6–11 आयु वर्ग के कुल 13987 बच्चों जो कि प्राथमिक शिक्षा से वंचित रह गये हैं उन्हें शिक्षा प्रदान करने हेतु 30 प्राथमिक, 76 शिक्षा गारण्टी केन्द्रो की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है।
- उक्त की भांति जनपद में 11–14 आयु वर्ग के कुल 7904 बच्चों के लिये मानक अनुसार 24 बस्तियों में उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य है।
- जनपद में ध्वस्त तथा भवनहीन प्राथमिक विद्यालयों के लिये 26 भवन पुन र्निमाण हेतु प्रस्तावित हैं।
- छात्र नामांकन के आधार पर 307 अतिरिक्त कक्षा कक्षों का निर्माण प्रस्तावित है।
- प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर पर कुल 316 विद्यालय भवनों में मरम्मत की जानी है।
- चाहरदीवारी के अंतर्गत 238 प्राथमिक तथा 70 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चाहरदीवारी का लक्ष्य रखा गया है।
- 3–6 वय वर्ग के बच्चों हेतु 250 पुराने केन्द्रो को गोद लेने का लक्ष्य भी है।
- समुदाय की सहभागिता हेतु 01 लाख व्यक्तियों/अभिभावको/पितृ शिक्षक संघ/मातृ शिक्षक संघ के सदस्यों को प्रेरित करने हेतु प्रशिक्षण की व्यवस्था की है।

अध्याय -5

समस्याऐं एवं उनके निराकरण हेतु प्रस्ताव

जनपद उधम सिह नगर जनसंख्या की दृष्टि से उत्तरांचल का एक वृहद जनसंख्या वाला जनपद है। यहां विभिन्न जातिवर्ग के लोग निवास करते हैं। वर्ष 1991 की जनगणना के अनुसार इस जनपद की जनसंख्या कुल 914569 थी वर्ष 2000–2001 में कुल जनसंख्या बढ़कर 1234548 हो गई। वर्ष 1991 में जनपद की साक्षरता 49.28 थी बेसिक परियोजना संचालित होने से 2000–2001 में साक्षरता दर 65.76 प्रतिशत हो गई। बेसिक शिक्षा परियोजना से छात्र नामांकन एवं ठहराव बढ़ा है। परन्तु अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। जनपद की सामाजिक स्थिमि शिक्षा के विकास के लिए उत्तरदायी है। बेसिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए सर्व शिक्षा अभियान एक क्रान्तिकारी प्रयास है जिससे लक्ष्य प्राप्ति में विद्यमान समस्यायें एवं उनके निराकरण का पूर्ण प्रयास किया गया है।

1-पहुंच :-

(अ) प्राथमिक स्तर की सुविधा :-

जनपद उधम सिंह नगर में कुल 336 ग्राम पंचायतों के अन्तर्गत राजस्व ग्राम 808 बस्तियां तथा 270 वार्ड स्थित हैं। जिसकी सम्पूर्ण जनसंख्या ग्रमीण में 831407 नगर में 403141 है। नवीनतम सर्वेक्षण के आधार पर जनपद में 32 बस्तियां ऐसी है जो मानक के आधार पर प्राथमिक सुविधा से वंचित रह गयी हैं। जिन्हें प्राथमिक शिक्षा के सेवित करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 30 नवीन विद्यालय खोलने हेतु प्रस्तावित किया जा रहा है। शेष 10 बस्तियों में शिक्षा गारण्टी स्कूलों की स्थापना का लक्ष्य है।

क्र.स.	विकास खण्ड	कुल बस्तियों की संख्या	300 की आबादी तथा 1 किमी. से अधिक दूरी वाले प्रा. वि. असेवित बस्तियों की सं.	प्रस्तावित प्राथमिक वि.	
				2002-2003	2003-2004
1	2	3	4	5	6
1	जसपुर	108	01	1	–
2.	काशीपुर	112	03	2	01
3.	बाजपुर	135	02	1	01
4.	गदरपुर	208	02	1	01
5.	रूद्रपुर	98	04	1	01
6.	सितारगंज	232	20	2	08
7.	खटीमा	175	08	2	03
	योग	1068	40	10	15

(ब)शिक्षा गारण्टी केन्द्रों का उच्चीकरण (अपग्रेडेसन)

शिक्षा गारण्टी योजनान्तर्गत जनपद उधम सिंह नगर में कुल 76 ऐसी बस्तियां है जहां मानक अनुसार प्राथमिक विद्यालय की स्थापना नहीं की जा सकती है। जिनके लिये शिक्षा गारण्टी केन्द्र स्थापित किये जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इन केन्द्रो पर प्रति केन्द्र अनुमानतः 10 से 20 तक छात्र संख्या हो सकती है। इन बस्तियों की जनसख्यां से ऐसा अनुभव हो रहा है कि जनसख्या वृद्धि के फलस्वरूप शिक्षा गारण्टी केन्द्रो का प्राथमिक स्तर पर उच्चीकरण किया जाना आवश्यक होगा, जिसके फलस्वरूप वर्ष 2004–5 में कुल 05 शिक्षा गारन्टी स्कूलों को प्राथमिक विद्यालयों का स्तर प्रदान किया जायेगा। इस प्रकार प्राथमिक स्तर तक की शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये वर्ष 2001–02 से वर्ष 2006–7 तक कुल 30 नवीन प्राथमिक विद्यालय तथा 76 शिक्षा गारण्टी स्कूलों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है।

(स) उच्च प्राथमिक स्तर की सुविधा :-

उच्च प्राथमिक स्तर की सुविधा से वंचित अभी कुल 24 बस्तियां ऐसी है जहां मानक अनुसार 3 कि.मी. दूरी तथा 800 की जनसंख्या पर किसी भी प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा सुविधा उपलब्ध नहीं है। जिनके लिये 14 उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य में से वर्ष 2002–03 में 7 शेष 07 वर्ष 2003–04 के लिये रखा गया है। शेष 10 बस्तियों के लिये उच्च प्राथमिक स्तर की सुविधा प्रदान करने के लिये आगामी वार्षिक कार्य योजना तैयार करते समय विचार किया जायेगा।

कुल बस्ती एवं विकास खण्डवार प्रा0 वि0 एवं पूर्व मा0 वि0 से असेवित बस्ती विवरण

क्र.स.	विकास खण्ड	कुल बस्ती	प्राथमिक वि0 से असेवित बस्ती	पूर्व माध्यमिक वि0 से असेवित बस्ती
1	2	3	4	5
1.	जसपुर	108	01	02
2.	काशीपुर	112	03	03
3.	बाजपुर	135	02	06
4.	गदरपुर	208	02	02
5.	रूद्रपुर	98	04	02
6.	सितारगंज	232	20	02
7.	खटीमा	175	08	07
	योग	1068	40	24

शिशु शिक्षा केन्द्र :-

भारत सरकार ने विचारोपरान्त यह निर्णय लिया कि प्राथमिक शिक्षा की कक्षाओं के पाठ्यक्रम से पूर्व यदि तीन से छः वय वर्गो के बच्चों को खेल, खिलौने, चार्ट, माडल आदि की सहायता से शैक्षिक वातावरण उपलब्ध किया जाय तो इससे जहां एक ओर शिशु शिक्षा के प्रति रूचिकर रहेगा वहां दूसरी ओर इन शिशुओं की देखभाल करने वाले 6–14 वय वर्ग के बच्चों को जो इस कारण विद्यालय छोड़ देते हैं को नियमित विद्यालयी शिक्षा से जोड़ा जा सकता है। वर्तमान में जिला कार्यक्रम विभाग द्वारा 3 से 6 वय वर्ग के बच्चों हेतु आंगनवाड़ी केन्द्र स्थापित किये गये हैं किन्तु यह योजना जनपद उधमसिंह नगर के 4 विकास खण्डों में ही संचालित है अतः सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत सभी विकासखण्डों में आंगनवाड़ी केन्द्र खोलने का लक्ष्य प्रस्तावित किया जा रहा है।

क्र.स.	विकास खण्ड	3–6 वय वर्ग के बच्चों की सं.	जिला कार्यक्रम विभाग द्वारा संचालित केन्द्र सं.	संचालित केन्द्रो में बच्चों की सं. नर्सरी कक्षाओं में पंजीकृतस.	3–6 वय वर्ग के शेष बच्चे	सर्व शिक्षा अभियान के तहत प्रस्तावित केन्द्रो की संख्या			
						2002-2003	2003-2004	2004-2005	2005-2006
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	जसपुर	10798	–	1794	9004	–	–	–	–
2.	काशीपुर	7007	–	1169	3837	–	–	–	–
3.	बाजपुर	9240	80	2324	6916	10	10	15	10
4.	गदरपुर	7331	104	2101	5230	20	20	15	10
5.	रूद्रपुर	8610	–	1380	7230	–	–	–	–
6.	सितारगंज	10721	137	5279	5442	20	20	20	10
7.	खटीमा	11782	98	5480	6302	20	20	20	10
8.	नगरक्षेत्र	6333	–	1307	5026	–	–	–	–
	योग	71822	419	20834	5088	70	70	70	40

पूर्व माध्यमिक स्तर पर शिक्षा सुविधा :-

जनपद उधम सिंह नगर में वर्तमान सर्वेक्षण के आधार पर कुछ बस्तियां ऐसी छूट गयी हैं जिनमें मानक के आधार पर पू. मा. विद्यालय नहीं हैं। यद्यपि बसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत असेवित बस्तियों को सेवित करने का प्रयास किया गया परन्तु कुछ बस्तियों मे हुई अचानक जनसख्या वृद्धि के कारण से बस्तिया पू. मा. शिक्षा सुविधा से वंचित रह गयी हैं अत: सर्व शिक्षा अभियान के दौरान इन असेवित बस्तियों में पू. मा. वि. खोलने का लक्ष्य प्रस्तावित किया जा रहा है ।

क्र.स.	विकास खण्ड	कुल बस्तियों की संख्या	वर्तमान में पू. मा.वि. से सेवित बस्तियों की संख्या	800 की आवादी तथा निकटतम विद्यालय से 3 किमी. की दूरी वाले बस्तियों की संख्या	प्रस्तावित पूर्व मा. विद्यालय	
					2002-2003	2003-2004
1	2	3	4	5	6	7
1.	जसपुर	100	98	02	01	01
2.	काशीपुर	112	109	03	01	01
3.	बाजपुर	114	108	06	01	01
4.	गदरपुर	150	148	03	01	01
5.	रूद्रपुर	106	102	04	01	01
6.	सितारगंज	106	103	03	01	01
7.	खटीमा	120	116	04	01	01
	योग	808	784	25	17	07

2-नामांकन :-

नवीनतम सर्वेक्षण के आधार पर जनपद उधम सिंह नगर में 6-11 वय वर्ग के बालक बालिकाऐं कुल 172112 है। जिनमें से 89468 बालक 74712 बालिकायें कुल 164180 बच्चे विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में पंजीकृत हैं। शेष बालक 2051 बालिका 5881 कुल 7932 बच्चे निम्न कारणों से अध्ययन नहीं कर रहें हैं ।

गरीबी :

गरीबी के कारण जनपद उधम सिंह नगर में लगभग 4759 बच्चे विद्यालयों में पजींकृत नहीं है।

बच्चों की देखभाल :

वर्तनान सर्वेक्षण के आधार पर पाया गया है कि जनपद में छोटे बच्चों की देखभान करने के लिए बालक. 80 बालिकाऐं 713 कुल 793 विद्यालयी सुविधा होते हुए भी विद्यालयों में नामांकित नहीं हो पाये है।। जिन्हें सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नामांकित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मां–बाप का अशिक्षित होना :

मां–बाप के अशिक्षित होने के कारण भी निर्धारित आयु के बच्चे विद्यालयों में नामांकित नहीं हो पाते हैं। वर्तमान गणना के अनुसार जनपद में 192 बालक 203 बालिका अभी भी नामांकन के बिना रहे हैं।

सामाजिक कुरितियां :

जनपद उधमसिंह नगर में मुस्लिम बाहुल्य वाले क्षेत्र में स्थापित मकतब व मदरसे जो केवल धार्मिक स्तर की शिक्षा देते हैं प्रारम्भिक शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। जनपद में इस समय 25 ऐसी बस्ती/वार्ड है जिनमें लगभग 750 बच्चे प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं।

बस्ती से विद्यालय का दूर होना :

उक्त के अतिरिक्त विद्यालयों में 1245 बच्चों का नामांकित न होने का कारण यह है कि बस्ती से प्राथमिक विद्यालय की दूरी 1 किमी. से अधिक तथा पूर्व मा. वि. तीन किमी. से अधिक है। इनके लिये मानक के अनुसार विद्यालय प्रस्तावित किये जा रहे हैं।

उपरोक्त समस्याओं के निराकरण हेतु मानक अनुसार विद्यालयों की स्थापना, शिक्षा गारण्टी योजना, वैकल्पिक शिक्षा योजना, प्रत्येक विद्यालय समिति का प्रतिमाह बैठक होना, समुदाय को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना, ग्राम में स्थित युवक मंगल दल, महिला मंगल दल, अभिभावक संघ, मातृ शिक्षक संघ को जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि सभी बच्चे विद्यालयों/केन्द्रो में नामांकित हो सके ।

तालिका 6–11 वय वर्ग के बच्चों के नामांकन का लक्ष्य

जनपद	कुल 6–11 वय वर्ग के बच्चो की संख्या			जनपद मे 6–11 कुल नामांकित बच्चों की संख्या			नामांकन का लक्ष्य (सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत)		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	2001-2002	2002-2003	2003-2004
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उधमसिंह नगर	94040	83289	177329	87495	76068	163563	5000	5000	3987

11–14 वय वर्ग के बच्चों के नामांकन का लक्ष्य

जनपद	कुल 11–14 वय वर्ग के बच्चों की संख्या			जनपद मे 11–14 कुल नामांकित बच्चों की संख्या			नामांकन का लक्ष्य (सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत)		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	2001-2002	2002-2003	2003-2004
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उधम सिंह नगर	42922	38166	81088	39150	34034	73184	3000	3000	1904

पूर्व माध्यमिक स्तर पर भी 11–14 वय वर्ग के 3772 बालक तथा 4132 बालिकाएं कुल 7904 बच्चे, जो उपर्युक्त कारणों से विद्यालयों में पंजीकृत नहीं हो पा रहे हैं के लिये मानक अनुसार विद्यालय प्रस्तावित हैं।

बाल गणना (6-11 वय वर्ग) वास्तविक तथा जनसंख्या वृद्धि दर के आधार पर वास्तविक तथा प्रस्तावित बालगणना

6–11 वर्य वर्ग के बच्चों की अनुमानित बालगणना			
वर्ष	बालक	बालिका	योग
2001–2002	94040	83289	177329
2002–2003	96579	85537	182116
2003–2004	99186	87847	187033
2004–2005	101864	90218	192082
2005–2006	104614	92654	197268
2006–2007	107438	95156	202594

जनसंख्या 1991 तथा 2001 की वृद्धि दर के आधार पर बालगणना 2001–02 को आधार मानकर 2.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष वृद्धि के साथ प्रस्तावित बालगणना का आकलन किया गया है।

बाल गणना (11-14 वय वर्ग) वास्तविक तथा जनसंख्या वृद्धि दर के आधार पर वास्तविक तथा प्रस्तावित बालगणना

11–14 वय वर्ग की बालगणना			
वर्ष	बालक	बालिका	योग
2001–2002	42922	38166	81088
2002–2003	44081	39196	83277
2003–2004	45271	40254	85525
2004–2005	46493	41341	87834
2005–2006	47748	42457	90205
2006–2007	49037	43603	92640

जनसंख्या 1991 तथा 2001 की वृद्धिदर के आधार पर बालगणना 2001–02 को आधार मानकर 2.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की वृद्धि के साथ प्रस्तावित बालगणना का आंकलन किया गया है।

3. धारण -

विद्यालय के प्रति ग्राम समुदाय की सक्रिय भागीदारी का अभाव

जनपद उधम सिंह नगर में परिषदी प्राथमिक 649 तथा 180 पूर्व माध्यमिक विद्यालय संचालित हैं इसके अतिरिक्त 26 मान्यता प्राप्त उच्च प्रा0वि0 और 42 राजकीय रा0इ0का0,रा0ए0मा0वि0 एवं 48 मान्यता प्राप्त इ0का0 व हाईस्कूल संचालित हैं। पंचायत राज एक्ट के आधार पर प्रारम्भिक शिक्षा को पंचायतों के अन्तर्गत रखने के लिये ग्राम पंचायत स्तर ग्राम शिक्षा समितियों का गठन किया गया है। बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत समस्त ग्राम शिक्षा समिति (336) को अभिप्रेरित करने के लिये प्रशिक्षण भी दिया गया किन्तु वांछित सफलता नहीं मिली। ज्ञात हुआ कि एक ग्राम शिक्षा समिति के अन्तर्गत कई विद्यालय संचालित हैं जिसके कारण न तो नियमित बैठके हो पा रही हैं तथा समिति के सदस्य ऐसे भी है जिनका कोई भी बच्चा नहीं पढ़ता है जिससे उनकी अभिरूचि इस ओर सक्रिय नहीं रहती।

निराकरण :

सर्व शिक्षा अभियान में यह निर्णय लिया है कि प्रत्येक विद्यालय शिक्षा समिति का गठन हो तथा अभिभावकों की अधिकाधिक भागीदारी निर्धारित की जाय। P.T.A. तथा M.T.A. का गठन किया जायेगा तथा प्रत्येक विद्यालय में एस.एम.टी.का गठन किया जायेगा इस प्रकार न्याय पंचायत स्तर पर उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है।

तालिका

जनपद	कुल ग्राम पंचायत संख्या	कुल विद्यालय संख्या	कुल ग्राम शिक्षा समिति संख्या	प्रस्तावित वि. शिक्षा समिति P.T.A./M.T.A..S.M.C.
उधमसिंह नगर	336	945	336	945

विद्यालय का आकर्षण :

विद्यालय भवन व विद्यालय परिसर स्वच्छ सुन्दर व आकर्षक होने से बच्चों में उनके प्रति रूचि पैदा होती है। और उनका मन विद्यालय में लगा रहता है। समुदाय के लोग भी प्रशंसा करते हैं। जो छात्र भी अच्छा अनुभव करता है। इससे स्पष्ट है कि विद्यालय के सौदर्यीकरण से उसकी धारण क्षमता बढ़ती है। बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत धारण क्षमता बढ़ाने के लिये रखरखाव व सौन्दर्यीकरण के अन्तर्गत प्राथमिक स्तर पर 2000/. तथा पूर्व प्राथमिक स्तर पर 4000/. प्रति वर्ष प्रति विद्यालय व्यय किया गया ।

निराकरण :

सौन्दर्यीकरण एवं रखरखाव सतत् प्रक्रिया है जिसके कारण सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत इसे स्वीकार कर प्राथमिक स्तर रू. 2000/. तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय स्तर परभी2000/ रूपया प्रति विद्यालय विद्यालय

अनुदान के रूप में किया गया है। इस सन्दर्भ में जनपद उधमसिंह नगर समितिने यह भी निर्णय लिया है कि रखरखाव व सौन्दर्यीकरण का कार्य माह अक्टूबर में किया जाय।

जनपद का नाम	वि. अनुदान हेतु वि.शि. प. के अन्तर्गत स्वीकृत किया सं.			विद्यालय अनुदान हेतु सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रस्तावित वि. संख्या (प्राथमिक एवं पर्व माध्यमिक स्तर)						
	प्राथमिक	पू.मा.	योग	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
उधमसिंह नगर	649	296	945	871	905	938	960	965	965	

विद्यालय छात्र समितियों का गठन :-

यह अनुभव किया जा रहा है कि विद्यालय में होने वाली क्रिया कलापों में प्रत्येक बालक की सहभागिता सुनिश्चित न होने से क्रिया कलाप कुछ ही छात्रों तक सीमित रह जाते हैं जिससे विषय वस्तु अरूचिकर हो जाती है। तथा धारण प्रभावित होता है।

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत यह प्रस्तावित किया जा रहा है कि छात्रों की अनेक समितियां गठित होंगी और छात्र ही उन समितियों के प्रतिनिधि होंगे तथा कार्यो के प्रति उत्तरदायी रहेंगे, छात्रों की निम्नवत समितियां प्रस्तावित की जा रही है।

- स्वागत समिति
- स्वच्छता समिति (विद्यालय परिसर एवं व्यक्तिगत स्वच्छता)
- सांस्कृतिक क्रिया कलाप समिति
- खेलकुद समिति
- अनुशासन समिति

विद्यालय पुनः निर्माण :-

सभी के लिये शिक्षा परियोजना से पूर्व जनपद उधम सिंह नगर में 3प्रा. वि. भवन हीन थे जो वन क्षेत्र में भूमि का पंजीकरण न हो पाने के कारण नहीं बन पाये हैं। तथा 82 प्रा. वि. व 5 पू. मा. वि. जीर्णक्षीर्ण एवं ध्वस्त थे। परियोजना के दौरान प्रा. वि. तथा उ.प्रा. वि. का पुनः निर्माण किया गया परन्तु बेसिक शिक्षा परियोजना में इस कार्य हेतु वर्ष 95 के बाद कोई धनराशि उपलब्ध नहीं करायी गयी। जिससे 23 प्रा0 पि. जो जीर्णक्षीर्ण है एवं 2 उ0प्र0वि0 जीर्णशीर्ण है। उनका पुनः निर्माण नहीं हो सका है। सर्व शिक्षा अभियान के दौरान इन 23 प्रा. वि. एवं 2 उ0 प्रा0 वि0 के पुनः निर्माण का लक्ष्य प्राविधानित है । 3 प्रा. वि. जो वन क्षेत्र में होने के कारण भवनहीन हैं सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत समुदाय की भागीदारी से इनके निभार्ण का लक्ष्य रखा गया है ।

कुल प्रथमिक विद्यालय			वर्ष 2001-02 हेतु प्रस्तावित	वर्ष 2002-03 हेतु प्रस्तावित	वर्ष 2003-04 हेतु प्रस्तावित		
भवनहीन	जीर्णक्षीर्ण	योग			प्राथमिक	पूर्व मा0	
1	2	3	4	5	6	7	
3	23	26	05	11	10	2	

विद्यालय पुनर्निर्माण विवरण (विकास खण्डवार)

क्र. सं.	विकास खण्ड	कुल विद्यालय						प्रस्तावित विद्यालय					
		प्राथमिक			उ0 प्राथमिक			2001-02		2002-03		2003-04	
		भवनहीन	जीर्णक्षीर्ण	योग	भवनहीन	जीर्णक्षीर्ण	योग	P.S.	U.P.S.	P.S.	U.P.S.	P.S.	U.P.S.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	जसपुर	--	5	5	--	-	-	01	-	02	-	02	-
2.	काशीपुर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.	बाजपुर	-	3	3	-	-	-	01	-	01	-	01	-
4.	गदरपुर	01	04	05	-	-	-	01	-	02	-	02	-
5.	रूद्रपुर	-	06	06	-	-	-	-	-	03	-	03	-
6.	सितारगंज	-	04	04	-	02	02	01	-	02	-	01	02
7.	खटीमा	02	01	03	-	-	-	01	-	01	-	01	-
	योग	03	23	26	-	02	02	05	-	11	-	10	02

सभी के लिए शिक्षा परियोजना से पूर्व जनपद में 3 प्रा. वि. भवनहीन थे। जो वन क्षेत्र में भूमि का पंजीकरण न हो पाने के कारण नहीं बन पाये है। परियोजना के दौरान 42 प्रा.वि. तथा 3 उ.प्रा.वि. का पुनर्निर्माण किया गया परन्तु बेसिक शिक्षा परियोजना में इस कार्य हेतु वर्ष 1995 के बाद कोई धनराशि उपलब्ध नहीं करायी गयी जिससे 23 प्राथमिक तथा 2 उ0 प्रा0 विद्यालय जो जीर्णक्षीर्ण हैं का पुनर्निर्माण नहीं हो सका है। सर्व शिक्षा अभियान के दौरान 23 प्राथमिक एवं 2 उ0 प्रा0 विद्यालयों के पुननिर्माण का लक्ष प्रस्ताविक है। 3 प्रा. वि. जो वन क्षेत्र भूमि के कारण भवनहीन हैं सर्वशिक्षा अभियान के दौरान समुंदाय की भागीदारी से इसके निर्माण का लक्ष रखा गया है।

अतिरिक्त कक्ष विवरण (विकास खण्डवार)

छात्र संख्या वृद्धि के कारण विद्यालयों मे अतिरिक्त कक्षा कक्षों की आवश्यकता पड़ रही है। जनपद उध ामसिंह नगर में वर्तमान छात्र संख्या एवं उपलब्ध कक्षा कक्षों के आधार पर कुल अतिरिक्त कक्षा कक्ष प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, रा0इ0का0/रा0उ0मा0वि0 हेतु एस्तावित किए जा रहे हैं। जिनका विवरण निम्नवत है :-

क्र. सं.	विकास खण्ड	कुल विद्यालय				प्रस्तावित विद्यालय		
						2001-02	2002-03	2003-04
1	2	3	4	5	6	7 .	8	9
1.	जसपुर	48	02	02	52	08	14	30
2.	काशीपुर	34	08	02	44	06	08	30
3.	बाजपुर	39	–	–	39	09	10	20
4.	गदरपुर	37	01	04	42	08	14	20
5.	रूद्रपुर	26	04	10	40	10	15	15
6.	सितारगंज	24	06	06	36	08	13	15
7.	खटीमा	23	12	08	43	08	15	20
8.	नगर क्षेत्र	09	02	–	11	03	03	05
	योग	240	35	32	307	60	92	155

विद्यालय मरम्मत -

नवीनतम आकड़ो के आधार पर जनपद उधमसिंह नगर में 252 प्राथमिक तथा 64 उच्च प्राथमिक विद्यालय भवनों की स्थिति मरम्मत योग्य हो गयी है। बेसिक शिक्षा परियोजना अर्न्तगत यद्यपि मरम्मत मद में भी धनराशि स्वीकृत की गई थी किन्तु जिसे वर्ष 1994-95 तक ही सीमित किया गया था। यद्यपि जनपद में लगभग 15 वर्ष पूर्व बने भवन मरम्मत योग्य की श्रेणी में आ चुके थे, इस प्रकार निम्न तालिका अनुसार मरम्मत योग्य विद्यालयों को प्रस्तावित किया जा रहा है।

विद्यालय का नाम	मरम्मत योग्य भवनों की संख्या	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	योग
1	2	3	4	5	6	7
प्राथमिक	252	16	95	80	61	252
उच्च प्राथ.	64	08	06	30	20	64
योग	316	24	101	110	81	316

मरम्मत योग्य विद्यालय भवनों की संख्या

प्राथमिक स्तर

क्रम. सं.	विकास खण्ड का नाम	ग्रामीण क्षेत्र			नगर क्षेत्र		
		मरम्मत योग्य कुल विद्यालय	लघु मरम्मत	वृहत मरम्मत	मरम्मत योग्य कुल विद्यालय	लघु मरम्मत	वृहत मरम्मत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जसपुर	41	41	–	0	0	0
2	काशीपुर	44	13	031	12	01	11
3	बाजपुर	61	46	15	0	0	0
4	गदरपुर	28	07	21	0	0	0
5	रूद्रपुर	05	05	0	0	0	0
6	सितारगंज	11	11	0	0	0	0
7	खटीमा	50	50	0	0	0	0
	योग	240	173	67	12	1	11

जनपद में ग्रामीण क्षेत्र में कुल 627 विद्यालयों में से 240 विद्यालय मरम्मत योग्य हैं। जबकि नगर क्षेत्र में 22 में 12 मरम्मत योग्य हैं।

मरम्मत योग्य विद्यालय भवनों की संख्या

उच्च प्राथमिक स्तर

क्रम स.	विकास खण्ड का नाम	ग्रामीण क्षेत्र			नगर क्षेत्र		
		मरम्मत योग्य कुल विद्यालय	लघु मरम्मत	वृहत मरम्मत	मरम्मत योग्य कुल विद्यालय	लघु मरम्मत	वृहत मरम्मत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जसपुर	05	05	0	0	0	0
2	काशीपुर	13	–	13	07	07	–
3	बाजपुर	20	15	05	0	0	0
4	गदरपुर	09	04	05	0	0	0
5	रूद्रपुर	02	02	–	0	0	0
6	सितारगंज	2	2	–	0	0	0
7	खटीमा	6	6	–	0	0	0
	योग	57	34	23	07	07	0

जनपद के कुल 180 विद्यालयों में से 34 लघु मरम्मत तथा 23 वृहत मरम्मत योग्य हैं । नगर क्षेत्र में 7 विद्यालय लघु मरम्मत योग्य हैं।

पेयजल की उपलब्धता

प्राथमिक स्तर

क्रम सं.	विकास खण्ड का नाम	ग्रामीण क्षेत्र				नगर क्षेत्र			
		कुल विद्यालय	पेयजल			कुल विद्यालय	पेयजल		
			युक्त	विहीन	आवश्यकता		युक्त	विहीन	आवश्यकता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जसपुर	88	85	3	3	2	2	0	0
2	काशीपुर	67	66	01	01	16	15	01	01
3	बाजपुर	79	74	05	05	0	0	0	0
4	गदरपुर	97	94	03	03	0	0	0	0
5	रूद्रपुर	92	87	05	05	04	03	01	01
6	सितारगंज	102	96	06	06	0	0	0	0
7	खटीमा	102	91	11	11	0	0	0	0
	योग	627	593	34	34	22	20	02	02

जनपद में कुल 36 विद्यालयों में पेयजल की आवश्यकता है।

पेयजल की उपलब्धता

पूर्व माध्यमिक स्तर

क्र.स.	विकास खण्ड	कुल विद्यालय	पेयजल		
			युक्त	विहीन	आवश्यकता
1	2	3	4	5	6
1.	जसपुर	26	25	01	01
2.	काशीपुर	16	16	–	–
3.	बाजपुर	23	23	--	–
4.	गदरपुर	25	25	–	–
5.	रूद्रपुर	27	24	03	03
6.	सितारगंज	27	23	03	03
7.	खटीमा	28	24	04	04
8.	नगरक्षेत्र	08	08	–	–
	योग	180	168	12	12

कुल 12 पूर्वमाध्यमिक विद्यालयों में पेयजल की आवश्यकता है।

पेयजल की व्यवस्था :

जनपद उधम सिंह नगर में बेसिक शिक्षा परियोजनान्तर्गत प्रत्येक विद्यालय में हैण्डपम्प स्थातिप करने का प्राविधान किया गया था। क्योंकि विद्यालयों में पेयजल की स्थापना बच्चों के शिक्षण कार्य में सुविधाजनक स्थिति प्रदान करती है,और धारण क्षमता में वृद्धि होती है। वर्तमान में कतिपय कारणों से 34 प्राथमिक 12 पूर्व मा. विद्यालय पेयजल सुविधा से वंचित रह गये हैं जिन्हें सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रस्तावित किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत नवीन स्थापित तथा पुराने की मरम्मत किया जाना सम्मिलित है।

कुल विद्यालय संख्या (परि + राजकीय)	पेयजल उपलब्ध विद्यालयों की संख्या	आव-श्यकता	प्रस्तावित पेयजल वाले विद्यालयों की संख्या							
			2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
प्राथमिक 649	613	36	15	–	21	–	–	–	–	–
पूर्व मा.वि. 180	168	12	04	–	08	–	–	–	–	–
योग 829	783	48	19	–	29	–	–	–	–	–

2009-010
11
–
–
–

विद्यालयों में शौचालय की उपलब्धता

प्राथमिक स्तर

क्रम. सं.	विकास खण्ड का नाम	ग्रामीण क्षेत्र				नगर क्षेत्र			
		कुल विद्यालयों की संख्या	शौचालय		आवश्यक संख्या	कुल विद्यालयों की संख्या	शौचालय		आवश्यक संख्या
			युक्त	विहीन			युक्त	विहीन	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जसपुर	88	79	9	9	2	2	0	0
2	काशीपुर	67	67	–	–	16	12	04	04
3	बाजपुर	79	61	18	18	0	0	0	0
4	गदरपुर	97	66	31	31	0	0	0	0
5	रूद्रपुर	92	65	27	27	4	0	4	4
6	सितारगंज	102	68	34	34	0	0	0	0
7	खटीमा	102	39	63	63	0	0	0	0
	योग	627	445	182	182	22	14	08	08

जनपद में 190 विद्यालय में शौचालयों की उपलब्धता का प्रस्तावित की गयी है।

विवरण परिशिष्ट में है ।

शौचालय उपलब्धता

पूर्व माध्यमिक स्तर

क्र.स.	विकास खण्ड	कुल विद्यालय	शौचालय		
			युक्त	विहीन	आवश्यकता
1	2	3	4	5	6
1.	जसपुर	26	24	02	02
2.	काशीपुर	16	16	–	–
3.	बाजपुर	23	21	02	02
4.	गदरपुर	25	20	05	05
5.	रूद्रपुर	27	24	03	03
6.	सितारगज	27	22	05	05
7.	खटीमा	28	17	11	11
8.	नगरक्षेत्र	08	06	02	02
	योग	180	150	30	30

कुल 30 पूर्वमाध्यमिक विद्यालयों में शौचालय की आवश्यकता है।

शौचालय :

जनपद उधम सिंह नगर बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत 405 शौचालयों के निर्माण के फलस्वरूप वर्तमान में 190 प्राथमिक 30 पूर्व माध्यमिक विद्यालय शौचालय विहीन रह गये है। शौचालयों की नितान्त आवश्यकता होती है। यह समस्या और भी जटिल तब हो जाती है जब विद्यालयों में बालिकाओं की संख्या अधिक होती है। क्योंकि बालिकाएं खुले मैदान में शौच का प्रयोग नहीं कर सकती है।

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत अवशेष रह गये 220 शौचालयों को प्रस्तावित किया जा रहा है। जिससे शिक्षण कार्य में व्यवधान न हो तथा धारण क्षमता में वृद्धि हो पायें ।

कुल विद्यालय संख्या	उपलब्ध शौचालय संख्या	आवश्यकता	प्रस्तावित शौचालय संख्या				
			2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	योग
1	2	3	4	5	6	7	8
प्राथमिक 649	459	190	43	40	50	-	133
पूर्व मा.वि. 180	150	30	07	10	07	-	24
योग 829	609	220	50	50	57	-	157

विद्यालयों में चाहरदीवारी की स्थिति

जनपद - उधमसिंह नगर

प्राथमिक स्तर

क्रम. सं.	विकास खण्ड का नाम	ग्रामीण क्षेत्र				नगर क्षेत्र			
		कुल विद्यालयों की संख्या	चाहरदीवारी युक्त	चाहरदीवारी विहीन	आवश्यकता	कुल विद्यालयों की संख्या	चाहरदीवारी युक्त	चाहरदीवारी विहीन	आवश्यकता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जसपुर	88	34	54	54	2	2	0	0
2	काशीपुर	67	19	48	48	16	14	02	02
3	बाजपुर	79	13	66	66	0	0	0	0
4	गदरपुर	97	23	74	74	0	0	0	0
5	रूद्रपुर	92	48	44	44	4	1	3	3
6	सितारगंज	102	26	76	76	0	0	0	0
7	खटीमा	102	32	70	70	0	0	0	0
	योग	627	195	432	432	22	17	05	05

विद्यालय भवन एवं सामग्री की सुरक्षा हेतु चाहरदीवारी की आवश्यकता है। जनपद में कुल 437 विद्यालयों में चाहरदीवारी उपलब्ध नहीं है।

विद्यालयों में चाहरदीवारी की स्थिति

जनपद - उधमसिंह नगर

उच्च प्राथमिक स्तर

क्रम स.	विकास खण्ड का नाम	ग्रामीण क्षेत्र				नगर क्षेत्र			
		कुल विद्यालयों की संख्या	चाहरदीवारी युक्त	चाहरदीवारी विहीन	आवश्यकता	कुल विद्यालयों की संख्या	चाहरदीवारी युक्त	चाहरदीवारी विहीन	आवश्यकता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जसपुर	26	12	14	14	1	1	0	0
2	काशीपुर	16	3	13	13	6	05	01	01
3	बाजपुर	23	7	16	16	0	0	0	0
4	गदरपुर	25	5	20	20	0	0	0	0
5	रूद्रपुर	27	21	06	06	1	1	0	0
6	सितारगंज	27	8	19	19	0	0	0	0
7	खटीमा	28	11	17	17	0	0	0	0
	योग	172	67	105	105	8	07	01	01

ग्रामीण क्षेत्र में 106 विद्यालयों में वाहरदीवारी की आवश्यकता है। इसमें 02 रा0इ0का0/रा0उ0मा0वि0 है। इसके अतिरिक्त 10 रा0इ0का0/रा0उ0मा0वि0 में भी चाहरदीवारी की आवश्यकता है।

विद्यालयों में चाहरदीवारी :-

जनपद उधम सिंह नगर प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक में 543 तथा रा0इ0का/रा0उ0मा0वि0 में 10 ऐसे विद्यालय है जिनमें चाहरदीवारी का निर्माण नहीं हुआ है जिससे विद्यालय के पठन पाठन क्रिया कलापों पर वितरीत प्रभाव पड़ता है क्योंकि अधिकांश विद्यालय आवादी से दूरी पर होते हैं। विद्यालय में चौकीदार की व्यवस्था नहीं होती है। ऐसी स्थिति में चाहरदीवारी का होना नितान्त आवश्यक होता है ताकि विद्यालय के क्रिया कलापों व कार्यक्रम में अव्यवस्था उत्पन्न न हो और विद्यालय की धारण क्षमता में वृद्धि हो सके। विश्व बैंक परियोजना में इस मद में ध नराशि स्वीकृत करने का प्राविधान नहीं था।

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत चारहरदीवारी निर्माण की परियोजना प्राथमिकता से लिया गया है जनपद में उपलब्ध एवं प्रस्तावित चाहरदीवारी का विवरण दिया जा रहा है।

जनपद उधमसिंह नगर	प्रस्तावित चाहरदीवारी									
	विद्यालय	उपलब्ध	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
प्राथमिक	649	216	24	50	80	80	—	—	—	234
पूर्व मा.वि.	180	70	04	15	23	20	—	—		62
रा.इ.का./रा.उ.मा.वि.	42	32	—	-	6	6	—	—	—	12
योग	871	318	28	65	109	106	—	—	—	308

विकास खण्ड वार निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण हेतु बच्चों का विवरण

प्राथमिक स्तर

क्र.स.	विकास खण्ड	बच्चों का विवरण			
		अनुसूचित जाति	जनजाति	शेष बालिकाऐं	कुल योग
1	2	3	4	5	6
1.	जसपुर	4185	–	7143	11328
2.	काशीपुर	5052	80	3245	8377
3.	बाजपुर	3435	2058	4505	9998
4.	गदरपुर	7273	1772	3874	12919
5.	रूद्रपुर	9085	152	7444	16681
6.	सितारगंज	9896	4221	4655	18772
7.	खटीमा	5541	7341	5724	18606
8.	नगरक्षेत्र	654	22	3651	4327
	योग	45121	15646	40241	101008

विकास खण्ड वार निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण हेतु बच्चों का विवरण

पूर्व माध्यमिक स्तर

क्र.स.	विकास खण्ड	बच्चों का विवरण			
		अनुसूचित जाति	जनजाति	शेष बालिकाऐं	कुल योग
1	2	3	4	5	6
1.	जसपुर	1289	–	1808	3097
2.	काशीपुर	1406	16	666	2088
3.	बाजपुर	1562	425	1176	3163
4.	गदरपुर	401	402	650	1453
5.	रूद्रपुर	1445	27	2130	3602
6.	सितारगंज	1895	1574	1034	4503
7.	खटीमा	1185	3806	5716	10707
8.	नगरक्षेत्र	327	19	2047	2393
	योग	9510	6269	15227	31006

निशुल्क पाठ्य पुस्तक विवरण (प्राथमिक स्तर)

विकासखण्ड	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा सभी बालिकाओं की संख्या								
	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जसपुर	11328	11634	11948	12270	12601	12941	13290	13649	14017
काशीपुर	8322	8603	8835	9074	9319	9570	9828	10094	10366
बाजपुर	9998	10268	10545	10830	11122	11422	11730	12047	12372
गदरपुर	12919	13268	13626	13994	14372	14760	15158	15567	15988
रूद्रपुर	16681	17131	17594	18069	18557	19058	19573	20101	20644
सितारगंज	18772	19279	19799	20334	20883	21447	22026	22621	23232
खटीमा	18606	19108	19624	20154	20698	21257	21832	22426	23025
नगरक्षेत्र	4327	4444	4564	4687	4814	4944	5077	5214	5355
योग	101008	103735	106537	109412	112366	115399	118514	121713	124999

जनगणना 1991 तथा 2001 की वृद्धि दर 2.7 प्रतिशत को दर मानकर तथा वर्ष 2001-02 के बच्चों की संख्या को आधार मानकर आंकलन किया गया है।

निशुल्क पाठ्य पुस्तक विवरण (पूर्व माध्यमिक स्तर)

विकासखण्ड	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा सभी बालिकाओं की संख्या								
	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जसपुर	3097	3181	3267	3355	3446	3539	3635	3733	3834
काशीपुर	2088	2144	2202	2261	2322	2385	2449	2515	2583
बाजपुर	3163	3248	3336	3426	3519	3614	3712	3812	3915
गदरपुर	1453	1492	1532	1573	1616	1660	1705	1751	1798
रूद्रपुर	3602	3699	3799	3901	4006	4114	4225	4339	4456
सितारगंज	4503	4625	4750	4878	5010	5145	5284	5427	5574
खटीमा	10707	10996	11293	11598	11911	12233	12563	12902	13250
नगरक्षेत्र	2392	2458	2524	2593	2662	2734	2808	2884	2961
योग	31006	31843	32703	33585	34492	35424	36381	37363	38371

जनगणना 1991 तथा 2001 की वृद्धि दर 2.7 प्रतिशत को दर मानकर तथा 2001-02 के बच्चों की संख्या को आधार मानकर आंकलन किया गया है।

जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान/बी.आर.सी./एन.पी.आर.सी. के कार्य व दायित्व :-

बेसिक परियोजना के अन्तर्गत यह अनुभव किया गया कि शिक्षक की उपलब्धता के बाद उसे शिक्षक की नवीन विद्याओं तथा नवीन पाठों की जानकारी दिया जाना आवश्यक है। जिसके लिए जिले में जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान एवं ब्लाक में ब्लाक संसाधन केन्द्र तथा न्याय पंचायत में न्याय संसाधन केन्द्र संचालित है। किन्तु बेसिक शिक्षा परियोजना के निर्देशानुसार बी.आर.सी. तथा एन.पी.आर.सी. के पद समाप्त हो चुके हैं। बी.आर.सी. में एक समन्वयक एक सह समन्वयक एवं एक परिचारिक का पद होता हैं। जबकि NPRC में एक समन्वयक का पद होता है। इन पदों के कार्यरत न होने पर शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्य प्रभावित होते हैं :

प्रशिक्षण कार्य :-

- पाठ्यक्रम की जानकारी।
- नवीन विद्याओं की जानकारी।
- सहायक सामग्री निर्माण कार्यशाला।
- शिक्षण में सहायक सामग्री का प्रयोग कराना।
- पाठ्य पुस्तक में आये नवीन पाठों की जानकारी ।
- शिक्षण में आयी समस्या का समाधान ।

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत उपरोक्त प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रो के महत्व को देखते हुए ब्लाक संसाधन केन्द्रो एवं न्याय पंचायत केन्द्रो के दो पदो की स्वीकृति प्रस्तावित की जाती है।

उधम सिंह नगर	डायट		बी.आर.सी.		एन.पी.आर.सी.	
	उपलब्ध	प्रस्तावित	उपलब्ध	प्रस्तावित	उपलब्ध	प्रस्तावित
1	2	3	4	5	6	7
संस्थान	–	01	07	–	27	–
समन्वयक	–	राज्य के विचाराधीन	–	07	–	27
सहायक समन्यवक	–	–		07	–	–
परिचारक	–	–	–	07	–	–

उधम सिह नगर	डायट		बी.आर.सी.		एन.पी.आर.सी.	
	उपलब्ध	प्रस्तावित	उपलब्ध	प्रस्तावित	उपलब्ध	प्रस्तावित
1	2	3	4	5	6	7
उपकरण						
कम्प्यूटर	–	01	–	–	–	–
फोटोस्टेट	–	01	–	07	–	–
जनरेटर	–	01	–	–	–	–
पुस्तकालय	–	01	–	07	–	27
भवन मरम्मत	–	–	–	07	–	27
टेलीफोन	–	01	–	07	–	–
रख–रखाव	–	–	–	07	–	27
आकस्मिक व्यय	–	–	–	07	–	27
कार्यशाला का आयोजन		20		20		120
कोर कमेटी बैठक		120		120		120

अध्यापको को प्रोहत्साहन :-

यह भी अनुभव किया जा रहा है कि मूल्यांकन का निश्चित मानक न होने पर अच्छे अध्यापकों का चयन करना कठिन होता है। यदि शिक्षण गुणवत्ता का निश्चित मानक बना दिया जाय जो अच्छे अध्यापकों को लाभ मिलेगा अच्छे अध्यापकों चयन करने के की निम्न प्रतियोगिता कराई जाये प्रतियोगिता में सभी विद्यालय तथा सभी छात्र सम्मिलित किये जाये।

प्रतियोगिता के बिन्दू निम्नवत है :–

- विद्यालयों के संसाधनों (शिक्षण सामग्री, भवन, परिसर, शौचालय, पेयजल)के रखरखाव एवं उपयोग।
- सुलेख प्रतियोगिता।
- शिक्षण स्तर प्रतियोगिता

विद्यालय संसाधन रख रखाव एवं उपयोग प्रतियोगिता :–

परीक्षाफल विद्यालय कानाम	भवन, परिसर, शौचालय, पेयजल सहायक सामग्री		
	60% से अधिक	60%–50%	50% से कम

सुलेख प्रतियोगिता :

परीक्षाफल	कक्षा 5	कक्षा 4	कक्षा 3
60% से अधिक अंक प्राप्त करने के बाद			
60% से कम 50% से अधिक अंक प्राप्त			
50% से कम अंक प्राप्त			

शिक्षण स्तर प्रतियोगिता :

परीक्षाफल	कक्षा 1	कक्षा2	कक्षा3	कक्षा 4	कक्षा 5
60% से अधिक अंक प्राप्त करने के बाद					
60% से कम 50% से अधिक अंक प्राप्त					
50% से कम अंक प्राप्त					

उपरोक्त तीनो प्रतियोगिता में सभी विद्यालय के सभी छात्र सम्मिलित होंगे। तथा जो विद्यालय 80 प्रतिशत छात्र, 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करेंगे। उन्हे जिला स्तर पर पुरस्कृत किया जायेगा। 60 प्रतिशत छात्र 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त विद्यालयों के ब्लाक स्तर पर पुरस्कृत तथा 50 प्रतिशत छात्र वाले को सुझाव देना एंव दुवारा प्रतियोगिता करना।

शिक्षण के अतिरिक्त अध्यापक के लिए अतिरिक्त कार्य :-

विद्यालयों के व निरीक्षणों के दौरान यह बात उभर कर आती है कि अध्यापक शिक्षण के अतिरिक्त अन्य कार्यो भी शासन के निर्देशानुसार सम्बंध किया जाता है। जिससे जहां एक और शिक्षण प्रभावित होता है वहीं दूसरी ओर शिक्षक को अन्यत्र जाने का बहाना मिल जाता है। कि शिक्षक को अन्य कार्य में न लगाया जाये। फिर भी अपेक्षित लाभ नहीं पहुंचा। अतिरिक्त कार्य मुख्य रूप में निम्नवत है ।

- पशु गणना
- जनगणना
- निर्वाचन
- पल्य पोलियो अभियान
- आर्थिक गणना
- कुष्ठ रोग गणना
- भवन निर्माण
- पोष्टाहार वितरण

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत उपरोक्त अतिरिक्त कार्य ने कराया जाय तो गुणवत्ता मे सुधार होगा।

जनपद में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का पूर्ण विवरण व प्रस्ताव

प्रशिक्षण :

यह देखा गया है कि विभिन्न प्रशिक्षण देने के बावजूद शिक्षक अभी शिक्षण में परम्परागत विधि का प्रयोग करते हैं। जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है जिसके निम्नवत् प्रशिक्षण प्रस्तावित है ।

क्र.स.	श्रेणी सस्था	प्रतिभागी	संख्या	प्रशिक्षण		शैक्षिक आवश्यकताओं के सबंध में उनकी फीड बैक
				प्रशिक्षण का नाम	दिवस	
1	2	3	4	5	6	7
1	विकासखण्ड संसाधन केन्द्र	समन्वयक सह समन्वय	07 07	विजनिंग सेवारत प्रशिक्षण	4 6	
2.	न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र	समन्वयक	27	विजनिंग सेवारत	4 6	
3.	प्राथमिक विद्यालय	प्रधानाध्यापक स. अध्यापक शिक्षा मित्र	649 1178 131	सेवारत सेवारत सेवारत	6 6 6	
4.	उच्च प्राथमिक परिषदी/राजकीय	प्र.अ. स.अ.	180 650	सेवारत सेवारत	6 6	
5.	आंगनवाड़ी	कार्यकत्री सहायिका	419 419	– –	– –	
6.	शिक्षा गारण्टी केन्द्र	आचार्यजी	15	सेवारत	6	
7.	ग्राम शिक्षा समितियां	ग्राम प्रधान प्रधानअध्यापक अन्य सभी सदस्य	336 336 3024	ग्राम शिक्षा समिति प्रशिक्षिण	3	
8.	विकास खण्ड सन्दर्भ समूह	बी.आर.सी. के सभी सदस्य	49	वीक्षण प्रशिक्षण	2 "	

सेवारत प्रशिक्षण –गणित, हिन्दी, विज्ञान, पर्यावरण, अंग्रेजी,संस्कृत

6 दिवसीय प्रशिक्षण प्रत्येक विषय का

विकलांग बच्चों हेतु सुविधा :-

जनपद उधम सिंह नगर में विकास खण्ड स्तरीय शिक्षा अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराई सूचना अनुसार जनपद उ0 सि0 नगर के वर्तमान में 1225 बालक तथा 1100 बालिकाऐं कुल 2325 बच्चें विकलांग है। जिनमें से 728 बालक व 381 बालिकाऐं कुल 1109 बच्चे विभिन्न विद्यालयों में अध्यापन कर रहे हैं। सर्व शिक्षा अभियान में ऐसे बच्चों जो सुनना, देखना, शारीरिक व मानसिक रूप से विकलांगता से ग्रसित हैं के लिये अनेकप्रकार से सुविधा प्रदान किये जाने का प्राविधान किया गया हैं। बच्चों का वि0 खण्ड वार विवरण संलग्न तालिका में अंकित है। जनपद उधमसिंह नगर में इन बच्चों के लिये 1200/-- प्रति बच्चे की दर से कुल रू. 1330.80 हजार की योजना प्रस्तावित की जा रही है। जिसके अन्तर्गत बच्चों को उपकरण प्रदान कराना प्रचार प्रसार कार्यक्रम आयोजन कर सम्मिलित है।

विकलांग बच्चो का विवरण

क्र सं	विकास खण्ड	06 से 18 वर्ष के विद्यालय जाने वाले विकलांग बच्चे			06 से 18 वर्ष के विद्यालय न जाने वाले विकलांग बच्चे			सम्पूर्ण योग (कुल विकलांग बच्चे)		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	जसपुर	161	41	202	110	63	173	271	104	375
2.	काशीपुर	110	27	137	135	85	220	245	112	357
3.	बाजपुर	76	49	125	27	42	69	103	91	194
4.	गदरपुर	75	61	136	37	21	58	112	82	194
5.	रूद्रपुर	110	70	180	105	57	162	215	127	342
6.	सितारगंज	70	45	115	41	33	74	111	78	189
7.	खटीमा	126	88	214	42	29	71	168	117	285
	योग	728	381	1109	497	330	827	1225	1100	1936

नोट :– उक्त सूचना में नगर क्षेत्र भी सम्मिलित है।

नवाचार शिक्षा के अन्तर्गत कम्प्यूटर शिक्षा कार्यक्रम :-

प्रायः यह देखने में आ रहा है कि बालिकाएं कक्षा 5 उत्तीर्ण करने के पश्चात विभिन्न कारणों से आगे की शिक्षा नहीं ले पा रही हैं जिसके कारण बालिकाओं का लगभग 10 प्रतिशत भाग प्रारम्भिक शिक्षा से वंचित हो रहा है. ऐसी स्थिति के निराकरण के लिये जनपद उधम सिंह नगर में उच्च प्राथमिक स्तर पर कम्प्यूटर शिक्षा के पाठ्यक्रम को संचालित करने का प्राविधान किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत वर्ष 2002–03 में जनपद के ही 8 कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 4 कम्प्यूटर सैट उपलब्ध करा कर उपलब्ध शिक्षिकाओं में से किसी एक शिक्षिका को एक माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण करवा कर कार्यक्रम को लागू करना प्रस्तावित किया गया है। इन विद्यालयों का चयन प्रत्येक विकास खण्ड से एक–एक तथा मुख्यालय के विकास खण्ड से 2 विद्यालय के रूप में किया गया है। इसी प्रकार आगे के वर्षो के अन्य विद्यालयों में कम्प्यूटर स्थापित कर कम्प्यूटर शिक्षा दिये जाने का प्रावाधान है। जिससे छात्राऐं एक नया व आकर्षक विषय के प्रति अपनी रूचि दिखा सकें। इस कार्यक्रम से अवश्य ही एक नयापन विद्यार्थियों में अनुभव होने लगेगा और सर्व शिक्षा अभियान का लक्ष्य पूरा होगा।

निर्माण कार्य

(1) नये प्राथमिक विद्यालय :–

जनपद में 106 बस्तियां प्राथमिक शिक्षा से असेवित है, जिनमें से 40 बस्तियां प्राथमिक विद्यालय के मानक को पूर्ण करती है। इन बस्तियों को प्राथमिक शिक्षा से सेवित करने हेतु सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत 30 नये प्रा0 वि0 खोलने का लक्ष प्रस्तावित किया गया है।

(2) नये पूर्व माध्यमिक विद्यालय :–

जनपद में 24 बस्तियां ऐसी है जो उ0 प्रा0 शिक्षा से सेवित नहीं है। इन बस्तियों को उ0 प्रा0 शिक्षा से सेवित करने हेतु 14 नये उ0 प्रा0 विद्यालय खोलने का प्रस्ताव सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत रखा गया है।

(3) विद्यालय पुनर्निर्माण :–

जनपद में 3 प्रा0 वि0 भवनहीन है जो वन भूमि में होने के कारण भवन नहीं बन सका, अब समुदाय वाले भवन बनने को तैयार है। 30 ऐसे प्रा0 वि0 व 2 उ0 प्रा0 वि0 है जिनके भवन जीर्णक्षीर्ण/ध्वस्त हो चुके है। अतः सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 33 प्रा0 वि0 तथा 2 उ0 प्रा0 वि0 के पुनर्निर्माण का लक्ष प्रस्तावित किया गया है।

(4) अतिरिक्त कक्ष :–

अत्यधिक छात्र संख्या के कारण विद्यालयों में प्रत्येक कक्षा के बच्चों के बैठने हेतु स्थान उपलब्ध नहीं है अतः सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत अतिरिक्त कक्ष खोलने का लक्ष प्रस्तावित किया गया है, इसके अतिरिक्त प्रत्येक ब्लाक संसाधन केन्द्र में वे अतिरिक्त कक्षा का कक्ष प्रस्तावित है।

(5) शौचालय :–

जनपद में अभी विद्यालय ऐसे हैं जहां शौचालय उपलब्ध नहीं है। बच्चों की सुविधा के ध्यान में रखते हुए सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत शौचालय बनाने का लक्ष रखा गया है।

(6) चाहरदीवारी :–

जनपद की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति को देखते हुए विद्यालय की देखभाल हेतु चाहरदीवारी का होना अति आवश्यक है। अतः सर्व शिक्षा अभियान के दौरान 553 विद्यालयों में चाहरदीवारी बनाने का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है।

(7) सी0 आर0 सी :–

जनपद में कुछ विकास खण्डों में ऐसे न्याय पंचायत है जहां एक न्याय पंचायत के अन्तर्गत 60 से अधिक विद्यालय है। अतः सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत ऐसे न्याय पंचायत एवं नगर क्षेत्र में 6 सी0 आर0 सी0 खोलने का लक्ष प्रस्तावित है।

(8) पेयजल :–

इस मद में 19 विद्यालयों में 20 हजार प्रति की दर से वर्ष 2001–02 के लिये हैंड पम्प की स्थापना की जानी है जबकि वर्ष 2003–04 में पेयजल के अन्तर्गत 29 विद्यालयों को इसी दर से प्रस्तावित किया गया है।

अध्याय- 6

क्रियान्वयन हेतु परियोजना प्रबन्धन

सभी के लिए शिक्ष परियोजना के दौरान ग्राम शिक्षा समिति समुदाय बी.आर.सी./एन.पी.आर.सी. निरीक्षक वर्ग डायट द्वारा बेसिक शिक्षा परियोजना के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अनुश्रवण कार्य किया गया। सर्व शिक्षा अभियान की समस्त प्रक्रियाओं में सामुदायिक सहभागिता के द्वारा शिक्षा के सार्वजनीकरण के लक्ष्य को प्राप्त किया जाना है। इस समस्त कार्य के लिये प्रशासनिक कार्यो के निष्पादन में उच्च कोटि का लचीलापन लाने हेतु एक प्रबन्धन तन्त्र तैयार किया गया है।

निर्णायक समिति	प्रबन्धन समिति	सहायक एकेडेमिक संस्थायें
	राज्य परियोजना कार्यालय	
जिला शिक्षा परियोजना समिति	जिला परियोजना कार्यालय	डायट एवं एन.जी.ओ.
क्षेत्र विकास समिति	खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय	बी.आर.सी.
ग्राम शिक्षा समिति/एम.टी.ए.	विद्यालय के प्रधानाध्यापक कार्यालय	एन.पी.आर.सी.

जिला शिक्षा परियोजना समिति के सदस्य निम्नानुसार है :-

◘ जिला अधिकारी	अध्यक्ष
◘ मुख्य विकास अधिकारी	उपाध्यक्ष
◘ विशेषज्ञ बेसिक शिक्षा अधिकारी/	
◘ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	सदस्य/सचिव
◘ प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान	सदस्य
◘ जिला कार्यक्रम अधिकारी	सदस्य
◘ जिला विद्यालय निरीक्षक	सदस्य
◘ मुख्य चिकित्साधिकारी	सदस्य
◘ अधिशासी अभियंता जल निगम	सदस्य
◘ जिला समाज कल्याण अधिकारी	सदस्य
◘ स्नातक/स्नातकोत्तर विद्यालय से समाज शास्त्र/ शिक्षा शास्त्र के प्राध्यापक	सदस्य
◘ नगर प्रमुख	सदस्य
◘ अध्यक्ष समस्त क्षेत्र पंचायत	सदस्य

- अध्यक्ष जिला पंचायत द्वारा नामित व्यक्ति — सदस्य
- ज्येष्ठ प्रमुख (महिला–अनुसूचित जाति/ जनजाति) — सदस्य
- राष्ट्रीय /राज्य पुरस्कार प्राप्त अध्यापक — सदस्य

प्रत्येक स्तर पर बनायी गयी समितियों को सर्वशिक्षा अभियान के लक्ष्य की पूर्ति हेतु जिम्मेदार बनाया गया है। और प्रत्येक समिति के प्रबंधन/अनुश्रवण के क्षेत्र में अपने अधिकार एवं कर्तव्य निर्धारित किये गये हैं।

क्षमता सम्बर्द्धन :-

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत इसके उद्देश्य की प्राप्ति हेतु पूर्व से स्थापित व्यवस्था को पोषित करने एवं उसकी क्षमता संवर्द्धन हेतु निम्न संसाधनों की मांग की जा रही है।

जिला स्तर हेतु संसाधनों की मांग :-

जिला परियोजना कार्यालय अधिकार/कर्मचारी	संख्या	वेतनक्रम
जिला परियोजना अधिकारी,पदेन	1	–
जिला उप परियोजना अधिकारी,पदेन	1	–
जिला समन्वयक	4	रू. 6500–10500/–
लेखाकार	1	रू. –
कम्प्यूटर आपरेटर	1	रू. –
लिपिक/लाइब्रैरियन	2	रू. –
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2	रू. 4500/–
–		

ग्राम/नगर शिक्षा समिति :-

दायित्व :

- विद्यालय के समस्त कार्यो पर प्रभावी कार्यवाही करना।
- नियमित रूप से बैठकें आयोजित करना।
- लगातार तीन बैठकों में उपस्थित न होने वाले सदस्यो के स्थान पर सक्रिय सदस्यों को निर्वाचित/ मनोनीत करना।
- विद्यालय की समस्याओं का समाधान ग्राम सभा/ वार्ड स्तर पर करना एवं इस स्तर पर हल न होने वाली समस्या समाधान हेतु जिला समिति को प्रस्तावित करना।
- विद्यालय के रख रखाव, सुरक्षा की पूर्ण जिम्मेदारी इस समिति की ही होगी।

इस सम्बन्ध में कोई शिकायत जिला स्तर पर न भेजी जाय।

- अध्यापकों के साथ सहयोग पूर्व व्यवहार करना।
- अध्यापकों की समस्याओं के समाधान जैसे आवास आदि में सहयोग देना।
- एकल अध्यापकीय विद्यालयों में अपरिहार्य परिस्थितियों में विद्यालय बन्द होने की दशा में ग्राम वार्ड के किसी शिक्षित बेरोजगार व्यक्ति से शिक्षा व्यवस्था करवाना ताकि विद्यालय बन्द न रहे। यदि उन्हें किसी प्रकार मानदेय देना हो तो उसकी अपने संसाधनों से व्यवस्था करना।
- ग्राम/वार्ड के जन समुदाय/ विभागो से सम्पर्क विद्यालय को अधिकतम लाभ पहुंचाना जैसे स्वास्थ्य परीक्षण टीके लगवाना, छात्रवृत्ति/मिड डे मील वितरण शिक्षा/ पेय जल व्यवस्था आदि।
- ग्राम /वार्ड के अनुजाति/ पिछड़ी जाति कंजर/ कबाड़ी/ मजदूर वर्ग के बच्चों के साथ भेदभाव पूर्व व्यवहार न हो। इसकी व्यवस्था करना तथा उन्हें विद्यालय सुविधा उपलब्ध कराना।
- गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले बच्चों, जो निर्धनता के कारण विद्यालय नहीं आ पाते हैं उनको समिति के माध्यम से आवश्यक सुविधा उपलब्ध करना जैसे पोशाक, भोजन आदि।
- बालिका शिक्षा हेतु– समुदाय विशेष/ अभिभावकों से सम्पर्क करना उनकी समस्या का समाधान करना तथा बालिकाओं को स्कूल भेजने हेतु प्रोत्साहित करना– जैसे घर में बच्चों की देख रेख कर रही बालिका प्रवेश हेतु बच्चों को E.C.C.E. केन्द्र में भेजकर बालिका को स्कूल में प्रवेश दिलाना उनके लिए ब्रिज कोर्स/ स्कूल कैम्पस की व्यवस्था करवाना।

अधिकार :-

- लागू योजना की प्रगति समीक्षा करना व उसकी आख्या जनपदीय समिति को भेजना।
- ग्राम/वार्ड स्तर पर आर्थिक अधिकार भी इसी समिति को दिये जाय। जैसे सिविल कार्य/ छात्रवृत्ति विवरण/ विद्यालय अनुदान का उपयोग।
- शिकायती प्रकरणों पर जांचकर समाधान करने का अधिकार दिया जाय जिसके लिए समिति को ही अंतिम निर्णय का अधिकार हो।
- अच्छे कार्य करने वाले अध्यापक को पुरस्कृत करना व कमी पाये जाने पर अध्यापक की कमियों को अवगत करना उसका समाधान करना तथा आवश्यक हो तो उसके विरूद्ध अनुशासन कार्यवाही हेतु जिला समिति को दण्ड प्रस्तावित करना।
- विद्यालय निरीक्षण व पर्यवेक्षण का अधिकार हो

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थाने :-

दायित्व –प्रशिक्षण

- अध्यापकों के लिये सेवा पूर्व प्रशिक्षण कराना सेवा एवं विभिन्न विषयों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- बी.टी.सी./विशिष्ट बी.टी.सी. के प्रशिक्षण की व्यवस्था ।
- निरीक्षण वर्ग/ बी.आर.सी./यू.आर.सी./एन.पी.आर.सी. समन्वयकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था।
- समय समय पर विभाग द्वारा प्रदत्त योजनाओं के प्रशिक्षा की व्यवस्था।
- संदर्भ व्यक्तियों का प्रशिक्षण करवाना।

संसाधन सहयोग :-

- विद्यालयों हेतु T.L.M. की जानकारी देना।
- नयी शिक्षण विधियों हेतु आदर्श पाठ तैयार करवाना।
- कठिन अभ्यासों में मदद करना।
- शैक्षिक विवरणों एवं कार्यक्रमों के प्रयोग की जानकारी देना।

क्रियात्मक शोध :-

- विद्यालय सम्बन्धी चयनित समस्याओं के निराकरण के प्रयास कर उनका सुधार करना।

अधिकार :-

- प्रशिक्षण हेतु अध्यापकों के चयन का अधिकार
- योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु उसकी समीक्षा व मूल्यांकन का अधिकार।

विशेषज्ञ बेसिक शिक्षा अधिकारी :-

दायित्व :

- जिला शिक्षा समिति के सदस्य सचिव के रूप में दायित्व का निर्वाहन करना।
- समस्त विभागों से समन्वय स्थापित करना।
- नियमित बैठके आयोजित करवाना उनमें पारित प्रस्तावों का क्रियान्वयन करवाना।
- निरीक्षक वर्ग के निरीक्षणों के बिन्दुओं की गहन समीक्षा करना व समस्याओं पर प्रभावी कार्रवाही करना।
- अधीनस्थ कार्यालयों पर प्रभावी नियंत्रण करना।
- समन्यवक/बी.टी.सी./यू.जी.सी./एन.आर.सी. का निर्धारित समय पर निरीक्षण एवं उनकी कमियों को दूर करना।

- मानक के अनुरूप अध्यापकों की नियुक्ति करना।
- समस्त निर्माता कार्य की समीक्षा।
- समस्त विवादों की समीक्षा व समाधान करना।

  शैक्षिक –निरीक्षण, नियुक्ति/ प्रोन्नति सम्बन्धी।

  वित्तीय – वित्त सम्बन्धी ।

  प्रबन्धकीय– अध्यापिका स्थानान्तरण/ विद्यालय खोलना/विद्यालय भवनों का पुनः निर्माण करना।
- शिक्षा समिति की बैठकों में भाग लेना।
- विभिन्न योजना जैसे मिड डे मील, छात्रवृत्ति निशुल्क पाठ्य पुस्तको का वितरण एवं अनुश्रवण करना।
- जिला योजना के समस्त बिन्दुओं की समीक्षा व उनका प्रभावी क्रियान्वयन ।
- विभाग द्वारा पूर्व से प्रदत्त सभी कार्यो का निर्वहन करना।

बी.आर.सी./यू.आर.सी. :-

दायित्व :

- विद्यालयों का वीक्षण/ पर्यवेक्षक व उसकी आख्या नियमित रूप से डायट को भेजना, डायट के विचार विमर्श कर सुधार करवाना।
- विद्यालयों की ए.,बी.,सी.,डी. में ग्रेडिंग करना।
- अध्यापक/ वी.ई.सी./ यू. ई. सी. का प्रशिक्षण कराना।
- NPRCC/BRCC/URCC की मासिक बैठक करवाना।
- विकासखण्ड /नगर क्षेत्र के विद्यालयों के सम्बन्धी सभी प्रकार आंकडे रखना जैसे शैक्षिक/ आर्थिक/ प्रबन्धकीय कार्य।
- विद्यालयों को दिये जाने वाले विभिन्न अनुदानों जैसे :–

  अध्यापक अनुदान/ विद्यालय अनुदानों का समुचित उपभोग सुनिश्चित करना।
- समस्त प्रकार के पुस्तक मेले जैसे– टी.एल.एम., पुस्तक मेला, बाल मेला आदि का आयोजन करना।

एन.पी.आर.सी :-

दायित्व :

- न्याय पंचायत क्षेत्र के विद्यालयों का वीक्षण करना।
- विद्यालय में कमियां पाये जाने पर उनमें सुधार लाना।
- शिक्षण अधिगम सामग्री/ पुस्तक मेला का आयोजन करना।
- विद्यालयों से सभी प्रकार की सूचनाओं का संकलन करना।

नगर शिक्षा अधिकारी/सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी/प्र.उ.वि.नि./सहायक नगर शिक्षा अधिकारी :-

दायित्व :

- अपने –अपने क्षेत्र में योजना का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।
- विद्यालयों का गहन निरीक्षण कर कमियां सुधार इंगित कर सुधार हेतु सुझाव देना।
- अच्छा कार्य करने वाले अध्यापक को पुरस्कृत करने हेतु प्रस्तावित करना।
- अच्छा कार्य करने वाली ग्राम/नगर शिक्षा समिति का मूल्यांकन कर उसे पुरस्कृत करने हेतु प्रस्तावित करना।
- विद्यालय/शिक्षक एवं समुदाय के बीच मध्यस्थता कर समन्वय स्थापित करना।
- विकासखण्ड/नगर क्षेत्र स्तर पर पाठ्य सहगामी क्रिया कलापों का आयोजन करना।

अधिकार :

- अच्छा कार्य करने वाले अध्यापक/ग्राम/ नगर शिक्षा समिति को पुरस्कृत करने हेतु संस्तुत करना।
- कार्य के प्रति लापहवाह पाये जाने पर अध्यापक को दंडित करने हेतु सिफारिश करना
- अध्यापकों की सेवा पंजिका में प्रविष्ट का अधिकार।
- अध्यापकों के अवकाश स्वीकृत करने का अधिकार।
- अनुपस्थित पाये जाने पर अध्यापक के विरूद्ध कार्यवाही करना।
- नगर शिक्षा अधिकारी को अपने कार्यालय लिपिक/ चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों को अवकाश स्वीकृत करना/ सेवा पंत्रिका मे प्रविष्ठ करना आदि।

अध्याय -7

विशेष समूह का आच्छादन

बालिका शिक्षा :-

नवीनतम सर्वेक्षण के आधार पर जनपद उधम सिंह नगर में 6-14 वय वर्ग की 11433 बालिकाऐं शिक्षा ग्रहण नही कर रही है। इनमें अधिकांश ऐसी है जिन्होंने विद्यालय में प्रवेश नही लिया तथा कुछ ऐसी है जिन्होने विद्यालय छोड़ दिया ।

तालिका 7.1

क्र.स.	जनपद का नाम	6-14 वय वर्ग के कुल बच्चे	6-14 वय वर्ग के कुल स्कूल न जाने वाले बच्चे	कुल विद्यालय न जाने वाले बच्चों में बालिकाओं की संख्या
1	2	3	4	5
1.	उधमसिंह नगर	258417	21891	11433

प्रस्तावित योजना :-

बालिका शिक्षा हेतु रणनीति

(1) ग्राम स्तर पर मातृ शिक्षक समिति/ग्राम शिक्षा समिति को प्रेरित कर बालिकाओं को विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किया जायेगा तथा शिक्षा के महत्व के बारे में बताया जायेगा, साथ ही यह भी बताया जायेगा कि बालक के साथ-साथ बालिकाओं को भी शिक्षा प्राप्त करने का संवैधानिक अधिकार है ।

(2) ग्राम सभा स्तर पर बैठकें आयोजित की जायेगी जिनमें घरेलू काम तथा मजदूरी करने वाली बालिकाओं को चिन्हित कर उन्हें शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित किया जायेगा।

(3) छात्राओं की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जायेगा जिससे उनकी नियमित उपस्थिति हो सके।

(4) विद्यालय परिसर को शौचालय, पेयजल आदि सुविधाओं से युक्त बनाया जायेगा जाकि बालिकाऐं विद्यालय में आने में कठिनाई महसूस न करें।

(5) महिला शिक्षिकाओं का एक समूह बनाकर उन्हें ऐसे स्थानों पर भेजा जायेगा जहां महिलाओं की साक्षरता का दर न्यून है ताकि महिलाओं की शिक्षा सम्बन्धी अज्ञानता को दूर किया जा सके।

शिशु शिक्षा केन्द्र :-

प्रारम्भिक स्तर के सार्वभौमिकरण हेतु शिशु शिक्षा केन्द्रो का महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि इन केन्द्रो के द्वारा 3--6 वय वर्ग के शिशुओं खेल के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु पूर्व तैयारी की जाती है। इसके माध्यम से जहां एक ओर लिंग भेद की भावना दूर होती है वहीं दूसरी ओर समाज के कमजोर वर्गों के बच्चो को सहायता मिलती है।

तालिका 7.2

क.स	जनपद	3-6 वय वर्ग के बच्चो की संख्या	संचालित आगनबाड़ी केन्द्र	संचालित केन्द्र तथा नर्सरी आदि पढ़ने वाले बच्चों की संख्या	अवशेष बच्चे [illegible]
1	उधम सिंह नगर	71822	419	20834	50[illegible]8

अवशेष बच्चों हेतु प्रस्तावित केन्द्र					
2002-2003	2003-2004	2004-2005	2005-2006	2006-2007	2007-2008
70 केन्द्र गोद लिये	70 केन्द्र गोद लिये	40 केन्द्र गोद लिये	40 केन्द्र गोद लिये	—	—

शिशु शिक्षा केन्द्रो की विषय वस्तु :-

(1) जिन बस्तियों में शिशु शिक्षा केन्द स्थापित नहीं है वहां शिशु शिक्षा केन्द्र स्थापित करना।

(2) शिशु शिक्षा केन्द्रो के संचालन हेतु कार्यकत्री/सेविका की व्यवस्था करना।

(3) पूर्व स संचालित शिशु केन्द्रो का सुदृढ़ीकरण।

(4) शिशु शिक्षा केन्द्रो का प्रा. वि. मे ही संचालन तथा प्रधानध्यापक द्वारा देखरेख।

छात्रवृत्ति योजना :–

इस योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी जाति के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान किये जाने का प्राविधान है। इस योजना के संचालन हेतु जनपद स्तर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय की स्थापना की गई है। और जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड स्तर पर सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी, के माध्यम से विद्यालय से उच्च श्रेणी के बच्चों की सूची, मंगाई जाती है। तथा शासन द्वारा उपलब्ध धनराशि, प्रत्येक विद्यालय को वितरण हेतु प्रस्तुत कर दी जाती है। उक्त योजना के सफल संचालन हेतु प्रति माह जिला समाज कल्याण अधिकारी व जिला बेसिक शिक्षा द्वारा अनुश्रवण किया जाता है।

स्वास्थ्य परीक्षण :–

इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यालय के प्रत्येक छात्र/छात्रा का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। स्वास्थ्य परीक्षण के लिये प्रत्येक विकास खण्ड में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द के अधीक्षक द्वारा चिकित्सकों की टीम बना कर विद्यालयों का आवंटन किया जाता है। जिससे योजना का लाभ प्रत्येक बच्चे तक पहुंच सके। इस कार्य के लिये गांवो में कार्यरत दायियों की भी सहायता ली जाती है। साधारण स्वास्थ्य परीक्षण के अन्तर्गत प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में लम्बाई नापने का पैमाना बताया गया है। तथा प्रत्येक उ0 प्रा0 विद्यालय में वजन तौलने की मशीन की व्यवस्था विद्यालय स्तर से की गई है।

अध्याय - 8

कन्वर्जेन्स एवं सहयोग

जनपद ऊधम सिंह नगर में चल रही योजनायें :-

- आई.सी.डी. एस. द्वारा 0 –6 वय वर्ग के बच्चों को पूर्व प्राथमिक शिक्षा के अतर्गत चार विकासखंडो (खटीमा, सितारगंज, गदरपुर, बाजपुर) में आंगन वाड़ी केन्द्र संचालित है।
- जनपद के सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में मिड डे मील की व्यवस्था चल रही है।
- सी.डी.एस. के द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु ग्राम सभा स्तर पर स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा रहा है।
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परिक्षण, जान लेवा बीमारियों जैसे एड्स, हिपेटाइटिस, पोलियो, का प्रचार--प्रसार करना।
- राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा चल रहा उत्तर साक्षरता कार्यक्रम।
- प्रधानमंत्री रोजगार गारण्टी कार्यक्रम तथा प्रधानमत्री ग्रामीण आवास योजना।
- सामाजिक वानिकी, जलागम प्रबन्ध परियोजना द्वारा संचालित।
- स्वजल परियोजना ।

प्राथमिक शिक्षा में संचालित योजनाओं का महत्व

आई.सी.डी. एस. द्वारा संचालित आंगनवाडी केन्द्र :-

जनपद ऊधम सिंह नगर में बाल विकास विभाग द्वारा सचालित आंगनवाड़ी केन्द्र केवल विकासखण्ड खटीमा, सितारगंज, गदरपुर तथा बाजपुर में चल रहे हैं। ये केन्द्र सामान्यतया कार्यकार्तियों के घरों पर चलते हैं इन्हें विकास खण्ड स्तर पर मुख्य बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा गांवो को ऐसे स्थानों में खोलना सुनिश्चित होगा जिससे कि गांव के सभी छोटे बच्चों को और उनके अभिभावकों को सुविधा हो। उक्त चल रहे केन्द्रो में बच्चों को खेलने के लिये सामग्री काफी कम है तथा बच्चों के बैठने हेतु चटाई, श्यामपट्ट आदि शिक्षण सामग्री की काफी कमी है। सर्व शिक्षा अभियान में प्राथमिक विद्यालयों के साथ ही आंगनवाड़ी केन्द चले तो बच्चों को प्राथमिक विद्यालय की सुविधाओं का लाभ भी मिल जायेगा तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्तियों को प्राथमिक अध्यापकों से शिक्षण में सहयोग भी प्राप्त होगा। कार्यकर्तियों को प्राथमिक अध्यापकों की तरह कुछ धनराशि शिक्षण सहायक सामग्री के निर्माण हेतु दी जाये तो कार्यकर्तियों का मनोबल बढ़ेगा।

सी.डी. एस. :-

इस कार्यक्रम के तहत ग्राम स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु उनकी सहभागिता बढ़ाई जा रही है तथा महिलाओं को उनकी जिम्मेदारी से भी अवगत कराया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा संचालित है। सर्व शिक्षा अभियान में सी.डी.एस. में कार्यरत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बच्चों के लिये प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण में एम.टी.ए. के रूप में मदद ली जाये तथा इससे बच्चों का नामांकन, धारण भी विद्यालयों में बढ़ेगा। छात्र–छात्राओं और अभिभावकों के बीच एम.टी.ए. द्वारा दूरी भी तय होगी।

मिड डे मील (दोहपर का भोजन) :-

भारत सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों द्वारा दोपहर का भोजन विद्यालयों में नामांकन धारण व बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य को प्रभावित करने के उद्देश्य से शुरू की थी, जो काफी प्रभावी रही है। इसी योजना में बच्चों का अल्पाहार विद्यालय मे तैयार कर बच्चों को दिया जाये तो विद्यालय बच्चों के लिये ज्यादा आकर्षण का केन्द्र बन जायेंगे। अतः माह के अन्त में केवल राशन बांटना ही न हो।

बच्चों के रोगों से सम्बन्धित योजनायें :-

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य परिक्षण की व्यवस्था विद्यालयों में ही की गयी है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से एड्स, हिपेटाइटिस तथा पोलियों जैसी घातक बीमारियों पर नियंत्रण हेतु भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे है। प्राथमिक शिक्षा द्वारा गांवो में इन कार्यक्रमों की जानकारी छात्र–छात्राओं के माध्यम से अभिभावकों तक पहुंचाकर उनमें जागरूकता पैदा की जाती है। स्वास्थ्य विभाग की मदद मौसमी बिमारियों से बचने हेतु प्राथमिक विद्यालय स्तर पर ली जाती है। इससे विद्यार्थियों के मध्य शिक्षण को प्रभावी बनाया जायेगा।

उत्तर साक्षरता कार्यक्रम :-

उत्तर साक्षरता कार्यक्रमों में स्वयंसेवी शिक्षक (वी.टी.) द्वारा कार्य किया जा रहा है जो ग्रामीणों के सम्मुख उत्तर साक्षरों को आदर्श रूप में प्रस्तुत कर शिक्षा के प्रति समाज में जन जागरण अभिप्रेरण का कार्य करते हैं। महिला साक्षरों की सहायता से बालिका शिक्षा को बल दिया जाता है।

प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी कार्यक्रम :-

अधिकांश प्राथमिक विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं और गांवो में अत्याधिक निर्धनता होने के कारण निर्धन वर्ग अपने बच्चों को विद्यालय न भेजकर रोजगार की तरफ प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी कार्यक्रम में

केवल उन्हीं ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने में प्राथमिकता दी जाये जिनके सभी बच्चे विद्यालय में पंजीकृत/निरन्तर उपस्थित रहते है ।

सामाजिक वानिकी व जलागम परियोजना :-

गांवो में ग्रामीणों को पर्यावरण की जानकारी व उसके संरक्षण के लाभों को प्राथमिक विद्यालयों द्वारा छात्र-छात्राओं के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाया जाता है। तथा बच्चों में पर्यावरण सुरक्षा व पेड़-पौधो की महत्ता की जानकारी बढ़ती है।

स्वजल परियोजना :-

जनपद उधम सिंह नगर में स्वजल परियोजना द्वारा गांवो में पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। पेयजल के सदुपयोग एवं संरक्षण के विषय में स्वजल परियोजना द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के माध्यम से समाज में जागृति पैदा की जा सकती है और विद्यालय में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होने पर छात्रों के समय की बचत हो सकती है जिससे वे अपनी पढ़ाई में और अधिक समय दे सकेंगे।

ई.जी.एस. केन्द्र :-

जनपद उधम सिंह नगर में अधिकांश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की ऐसी बस्तियां जहां 20 से कम स्कूल जाने वाले बच्चे हैं। जिनके लिये विद्यालय 1.5 किमी. से अधिक दूर है। अतः ऐसे बच्चों के लिये शिक्षा गारंटी योजनान्तर्गत शिक्षा केन्द्रो की स्थापना की जायेगी

इनोवेटिव वैकल्पिक विद्यालय :-

इस जनपद में अनेको मिल स्थापित है जो मौसम के अनुसार संचालित होती है। उनमें कार्य करने वाले श्रमिक वर्ष में समय-समय पर अपना निवास बदलते रहते हैं। जिससे इनके बच्चें या तो विद्यालयों में प्रवेश लेते ही नहीं है या फिर विद्यालय छोड़कर परिवार के साथ चले जाते हैं। ऐसे बच्चों की शिक्षा हेतु इनोवेटिव अल्टरनेटिव स्कूल की व्यवस्था की जायेगी। उसी बस्ती से अध्यापक नियुक्त किया जायेगा।

आवसीय विद्यालय :-

जनपद उधम सिंह नगर में अनेको बस्तियां ऐसी है जो मुख्य बस्तियों से काफी दूर अथवा नदी-नाले के पार बसी हैं। ऐसी बस्तियों के बच्चों और जनपद के विकलांग बच्चों की शिक्षा हेतु ब्लाक स्तर पर आवासीय विद्यालय स्थापित करने की योजना बनायी गयी है।

अध्याय - 9

अनुश्रवण एवं मूल्यांकन

शोध :- 9.1-

शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत भविष्य में होने वाले समस्त प्रकार के क्रियाकलापों का अध्ययन कर उन्हें क्रियान्वयन के लिए रूपरेखा तैयार की जायेगी ताकि शिक्षा के सार्वभौमिकरण के उद्देश्य की प्राप्ति हो सके, योजना के क्रियान्वयन में मुख्य रूप से निम्न कार्यक्रम अपनायें जायेंगे :-

- छूटे हुये बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ना।
- छात्रों की गणित, विज्ञान एवं भाषा विषय की गुणवत्ता में वृद्धि करना।
- कक्षा कक्षों का निर्माण करना।
- शिक्षको में प्रशिक्षण के माध्यम से ज्ञान व कौशल का विकास करना।
- विशेष समूहों जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, बालिकाओं विकलांग बच्चो, तथा अल्प संख्यको को शिक्षित करना।

उक्त के सन्दर्भ में शिक्षको को शिक्षा के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए अभिप्रेरित किया जायेगा जिससे दिन प्रतिदिन की समस्यायें हल हो सके।

मूल्यांकन :- 9.2-

योजना की प्रगति के आंकलन के लिए कुछ मानक बनाये जायेंगे जिससे यह पता चल सके कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत योजना के क्रियान्वयन के फलस्वरूप उपलब्धि हो रही है मूल्यांकन हेतु निम्न बिन्दुओं पर ध्यान दिया जायेगा।

- कार्यकारी क्रियायें।
- सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्यों की उपलब्धि की प्रगति समुदाय की सहभागिता के माध्यम से मूल्यांकन।
- मूल्यांकन क्रियाओं के संचालन हेतु जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षत संस्थान जिला कोर समूह, ब्लाक कोर समूह, न्याय पंचायत कोर समूह तथा ग्राम स्तरीय कोर समूह के सदस्यों की धारण सम्वर्धन करना।

वीक्षण एवं अनुश्रवण :- 9.3-

इस कार्य हेतु जिला कोर कमेटी, ब्लाक कोर कमेटी, ग्राम शिक्षा समिति, माल शिक्षक एसोसियेशन को सुदृढ़ करने का प्रस्ताव रखा गया है। जिससे विद्यालयों को प्रभावी सहयोग मिल सके।

योजना में वीक्षण एवं मूल्यांकन का वास्तविक बिन्दु बच्चा है। जिसके लिए बच्चे की योग्यता, धारण क्षमता की

पूर्ण जानकारी होनी आवश्यक है। जो वीक्षण व मूल्यांकन के लिए प्रारम्भिक बिन्दु माना जायेगा। जिसके विकास के लिए शिक्षक की उपलब्धता व दक्षता मापन करना आवश्यक होगा। वह बच्चों के स्कूल एवं स्कूल के बाहर के क्रियाकलापों के लिए उत्तरदायी होगा। जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान विद्यालयों को अकादमिक सहायता देगा तथा प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की विभिन्न सेवारत प्रशिक्षणों की व्यवस्था करेगा।

जिला स्तरीय कोर समूह /ब्लाक स्तरीय कोर समूह विद्यालयों का भ्रमण करेगा और विद्यालयों की प्रगति के आधार पर विद्यालयों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित करेगा ये श्रेणियां अ,ब,स तथा द होगी।

सामुदायिक स्तर पर जैसे ग्राम पंचायत, ग्राम शिक्षा समिति, मातृ शिक्षक एसोसिएशन के सशक्त सम्बन्धों के लिए विशेष प्रयास किये जायेंगे। जिससे कि ये समितियां प्रभावी अनुश्रवण कर सके। और विद्यालयों का वातावरण आदर्श स्वरूप ले सके।

सूचना प्रबन्धन (एम.आई.एस.) :- 9.4-

- सर्व शिक्षा अभियान के नियोजन एवं क्रियान्वयन के लिए सूचना प्रबन्धन एक महत्वपूर्ण कार्य है। जिसके लिए जिला स्तर पर निम्न कार्यक्रम प्रस्तावित किये जा रहे है ।
- प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर भवन, साज, सज्जा, शिक्षण सामग्री, उपकरण आदि की आधारभूत सूचना।
- 6–14 वय वर्ग के बच्चों की संख्या
- 6–14 वय वर्ग के विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या
- शिक्षण सम्बन्धी समस्त सूचना
- प्राथमिक तथा पू. मा.स्तर पर विषयवार छात्रों की संख्या
- छात्र नामांकन ठहराव तथा स्तर पूर्ण करने का दर
- कक्षा कक्ष छात्र अनुपात, अध्यापक छात्र अनुपात विवरण।
- क्रियाकलापों की प्रगति आख्या।
- सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्यों की प्रगति संख्यात्मक आंकड़े व विश्लेषण।

सूचना प्रबन्धन के उद्देश्य :- 9.5-

- जिला स्तर पर प्राथमिक शिक्षा के आंकड़ो के आधार पर स्टेटस रिपोर्ट तैयार करना तथा प्रति वर्ष उसका रिव्यू करना।
- छात्र नामांकन व ठहराव का अनुश्रवण करना।
- बालिकाओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, विकलांग बच्चों की प्रगति का अनुश्रवण करना।
- सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत योजनाओं एवं कार्यक्रमों का अनुश्रवण

सर्वशिक्षा अभियान की विषय वस्तु :- 9.6-

- कम्प्यूटर
- कम्प्यूटर आपरेटर
- सूचना प्रबन्धन कर्मियों का प्रशिक्षण
- वार्ट आंकड़ो का संग्रह व प्रकाशन की व्यवस्था
- इन्टरनेट सुविधा ।

Distt. Udham Singh Nagar

Consolielatrd Budget for the year 2001-2006-7

Under S.S.A.

Code	Subject	Rs. Total (in Thousands)
A	Access	" 119632.59
R	Retintion	" 97742.76
Q	Quality improvement	" 98028.87
C	Cappicity Building	" 51029.68
	TOTAL	" 366433.90

Total Prposed Budget	Rs. 366433.90
Civil work	" 62090.00
Mangement	" 10636.38
Other Expenditure	" 293707.52

Proposed Budget for One year under S.S.A. (Rupees in Thousands)

S.No.	Activities particulars main / sub Heads	2001-02			2002-03			2003-04			2004-05			2005-06			2006-07			Total	
		Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22
	ACCESS (A)																				
A1	Additional room for																				
	P.S.	70.00	45	3150.00	70.00	70	4900.00	70.00	100	7000.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	215	15050.00
	U.P.S.	70.00	15	1050.00	70.00	14	980.00	70.00	10	700.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	39	2730.00
	H.S.	70.00	.	.	70.00	01	70.00	70.00	35	2450.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	36	25200.00
	Inter	70.00	.	.	70.00	07	490.00	70.00	10	700.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	17	1150.00
	Reconstruction of P.S.	275.00	5	1375.00	275.00	11	3025.00	275.00	10	2750.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	26	7150.00
	Reconstruction of U.P.S.	.	.	.	.	.	.	400.00	02	800.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	2	800.00
	Toilet for P.S./U.P.S./H.S./Inter	15.00	50	750.00	15.00	50	750.00	15.00	57	855.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	137	2355.00
	TOTAL			6325.00			10215.00			15255.00											31795.00
A2	Boundary walls for																				
	P.S.	40.00	28	1120.00	40.00	50	2000.00	40.00	80	3200.00	40.00	80	3200.00	.	.	.	.	.	.	238	9520.00
	U.P.S.	50.00	.	.	50.00	15	750.00	50.00	23	1150.00	50.00	20	1000.00	.	.	.	.	.	.	58	2900.00
	H.S./Inter	50.00	.	.	50.00	.	.	50.00	6	300.00	50.00	6	300.00	.	.	.	.	.	.	12	600.00
	Repair of P.S.	5.00	16	80.00	5.00	95	475.00	5.00	80	400.00	5.00	61	305.00	.	.	.	.	.	.	252	1260.00
	Repair of U.P.S.	5.00	8	40.00	5.00	06	30.00	5.00	30	150.00	5.00	[illegible]0	100.00	.	.	.	.	.	.	64	320.00
	Drinking Water for P.S./U.P.S.	20.00	19	380.00	20.00	.	.	20.00	29	580.00	20.00	.	.	.	.	.	.	.	.	48	960.00
	Total			1520.00			3255.00			5780.00			4905.00								15560.00

Proposed Budget for Six year under S.S.A. (Rupees in Thousands)

S.No.	Activities perticulars main / sub Heads	2001-02			2002-03			2003-04			2004-05			2005-06			2006-07			Total	
		Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22
A3	New Primary School																				
	Construction of New P.S.	275.00	-	-	275.00	10	2750.00	275.00	15	4125.00	275.00	5	1375.00		-	-		-		30	8250.00
	Salary of Astt Teachers	8.5	-	-	8.5	10 8month	680.00	9.45	25	2835.00	9.92	30	3571.10	10.42	30	3751.20	10.94	30	3938.40	30	14775.70
	Salary of Para teacher	2.75		-	2.75	10 8month	220.00	2.75	25	825.00	2.75	30	990.00	2.75	30	990.00	2.75	30	990.00	30	4015.00
	Furniture/ Equipments .	10.00	-	-	-	-	-	10.00	25	250.00	5	5	50.00	-	-	-	-	-	-	30	300.00
	New U.P.S.																				
	Construction of U.P.S.	-	-	-	400.00	7	2800.00	400.00	7	2800.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	14	5600.00
	Salary of Astt. teachers	-	-	-	10.00 8month	21	1680.00	10.5	42	5292.00	11.03	42	5559.12	11.58	42	5836.32	12.16	42	6128.64	14	24496.08
	Furniture/Equipments	-	-	-	-	-	-	50.00	14	700.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	14	700.00
	TOTAL						8130.00			16827.00			11545.22			10577.52			11057.04		58136.78
A4	E.G.S.																				
	Honororiums of Annudeshak Rs. 1000.00/	1.00	66	264.00	1.00	41	328.00	1.00	76	912.00	1.00	71	852.00	1.00	71	852.00	1.00	71	852.00	70	4000.00
	Annuaushak.				8month 4month	25	100.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	100.00
	Induction trg for Annucushak 30 days 1500.00/ Annuckshak	1.5	66	99.00	1.5	41	61.50	-	10	15.00	-		-	-	-	-	-	-	-	-	175.500
	Teaching learning meterial 100.00 / Child	0.10	2645	264.50	10	2020	202.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	466.500

Proposed Budget for the year under S.S.A. (Rupees in Thousands)

S.No.	Activities particulars main / sub Heads	2001-02			2002-03			2003-04			2004-05			2005-06			2006-07			Total		
		Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	
R2	Enovative Programmer																					
(1)	Adoption of E.C.C. E Centres	.	.	1500.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	1500.00	
	Honorarium of Workers	.	.	.	0.25	70 8month	140.00	.25	140	420.00	.25	210	630.00	.25	250	750.00	.250	250	750.00	250	2690.00	
	Honorarium of Helpers	.	.	.	0.125	70 8month	70.00	.125	140	210.00	.125	210	315.00	.125	250	375.00	125	250.00	375.00	250	1345.00	
	T.L.M. For Centre	.	.	.	5.00	70	350.00	5.00	70	350.00	5.00	70	350.00	5.00	40	200.00	.	.	.	250	1250.00	
	Training for E.C.C.E. workers (7 days)	.	.	.	1.20	140	569.72	1.20	70	84.00	1.2	70	84.00	1.2	40	48.00	.	.	.	250	785.72	
	Helpers (7 days)	.	.	.	.	.	.	1.00	70	70.00	1.0	70	70.00	1.0	40	40.00	.	.	.	250	180.00	
	Community motifisation																					
	M.T.A./PTA/ SMC/ WMG self help programme.	0.03	.	.	0.03	6969	209.00	.03	5272	158.16	.	.	.	.	.	.	.	.	.	5272	367.16	
	Training for VEC members	0.03	.	418.00	0.03	2688	161.28	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	2688	579.28	
	Kala Jatths at NPRC	2.5	29	72.50	.	.	.	2.5	31	77.50	.	.	.	2.5	33	82.50	.	.	.	33	232.50	
	Mabeti Mela at NPRC	1.0	29	29.00	.	.	.	1.0	31	31.00	1.0	33	33.00	.	.	.	.	.	.	33	93.00	
	TOTAL			2019.50			1500.00			1400.66			1482.00			1495.50			1125.00		9022.66	
(2)	Computer programme for U.P.S. Teachers																					
	Computer for U.P.S.	.	.	.	.	.	.	100.00	8	800.00	100.00	8	800.00	100.00	8	800.00	100.00	8	800.00	32	3200.00	
	Computer training for U.P.S. teacher (30days)	.	.	.	.	.	.	.07	16	33.60	.07	16	33.60	.07	16	33.60	.07	16	33.60	64	134.40	
	TOTAL									833.60			833.60			833.60			833.60		3334.40	

Proposed Budget for Sixe year under S.S.A. (Rupees in Thousands)

S.No.	Activities perticuiars main / sub Heads	2001-02			2002-03			2003-04			2004-05			2005-06			2006-07			Total		
		Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	
R3	26 U.P.S. where post heve been not Sanctioned																					
	Salary of Astt teachers	-	-	-	10.00	78	6240.00	12.60	78	11793.60	13.23	78	12383.28	13.89	78	13001.04	14.58	78	13646.88	78	57064.80	
	TOTAL						6240.00			11793.60			12383.28			13001.04			13646.88		57064.80	
R4-	Research Evalution and Monitaring																					
1-	Microplaning/EMIS/ Printing	250.00	-	108.00	250.00	-	250.00	250.00	1	250.00	250.00	1	250.00	25.00	1	250.00	250.00	1	250.00	1	1358.00	
2-	Computer training for Diet and other (30 days)	0.10	-	-	0.10	40	120.00	0.10	40	120.00	0.01	40	120.00	0.10	40	120.00	0.10	40	120.00	40	600.00	
3-	Work experience trg for U.P.S. teacher (5 days)	-	-	-	0.07	40	14.00	0.07	40	14.00	0.07	40	14.00	0.07	40	14.00	0.07	40	14.00	40	70.00	
4-	Training for JE/AE/ (5 days)	-	-	-	0.10	14	7.00	0.10	14	7.00	0.10	14	7.00	-	-		-	-	-	14	21.00	
5-	General training for DIET staff 5 days	-	-	-	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	20	50.00	
6-	Training for ABSA/SDI/Distt Coordinator (5 days)	0.10	16	5.60	0.10	0.20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	20	55.60	
7-	Trg for BRC/ NPRC coordinator (10 days)	0.07	50	35.00	0.07	50	35.00	0.07	52	36.40	0.07	54	37.80	0.07	56	39.20	0.07	56	39.20	56	222.60	
8-	Trg for DRG members (5 days)	-	-	-	0.07	70	24.50	-	-	-	0.07	70	24.50	-	-		0.07	70	24.50	70	73.50	
9-	Honorarium for resource person	-	-	-	0.10	21	14.70	.10	21	25.20	.10	21	25.20	.10	21	25.20	.10	21	25.20	21	115.50	
						8month																
10-	EMIS at State/ Distt/ Block level	-	-	450.00	-	-	837.00	-	-	837.80	-	-	837.80	-	-	837.80	-	-	837.80	-	4638.20	
	TOTAL			598.60			1322.20			1310.40			1336.30			1306.20			1330.70		7204.40	
	R1+R2+R3+R4			5703.10			12324.70			18964.76			19722.68			20363.84			20663.68		97742.76	

Proposed Budget for the year under S.S.A. (Rupees in Thousands)

S.No.	Activities perticulars main / sub Heads	2001-02			2002-03			2003-04			2004-05			2005-06			2006-07			Total		
		Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	
R2	Enovative Programmer																					
(1)	Adoption of E.C.C. E Centres	.	.	1500.00	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	1500.00	
	Honorarium of Workers	.	.	.	0.25	70 8month	140.00	.25	140	420.00	.25	210	630.00	.25	250	750.00	.250	250	750.00	250	2690.00	
	Honorarium of Helpers	.	.	.	0.125	70 8month	70.00	.125	140	210.00	.125	210	315.00	.125	250	375.00	.125	250.00	375.00	250	1345.00	
	T.L.M. For Centre	.	.	.	5.00	70	350.00	5.00	70	350.00	5.00	70	350.00	5.00	40	200.00	.	.	.	250	1250.00	
	Training for E.C.C.E. workers (7 days)	.	.	.	1.20	140	569.72	1.20	70	84.00	1.2	70	84.00	1.2	40	48.00	.	.	.	250	785.72	
	Helpers (7 days)	.	.	.	.	.	.	1.00	70	70.00	1.0	70	70.00	1.0	40	40.00	.	.	.	250	180.00	
	Community motifisation																					
	M.T.A./PTA/ SMC/ WMG self help programme.	0.03	.	.	0.03	6969	209.00	.03	5272	158.16	.	.	.	.	.	.	.	.	.	5272	367.16	
	Training for VEC members	0.03	.	418.00	0.03	2588	161.28	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	2688	579.28	
	Kala Jatths at NPRC	2.5	29	72.50	.	.	.	2.5	31	77.50	.	.	.	2.5	33	82.50	.	.	.	33	232.50	
	Mabeti Mela at NPRC	1.0	29	29.00	.	.	.	1.0	31	31.00	1.0	33	33.00	.	.	.	.	.	.	33	93.00	
	TOTAL			2019.50			1500.00			1400.66			1482.00			1495.50			1125.00		9022.66	
(2)	Computer programme for U.P.S. Teachers																					
	Computer for U.P.S.	.	.	.	.	.	.	100.00	8	800.00	100.00	8	800.00	100.00	8	800.00	100.00	8	800.00	32	3200.00	
	Computer training for U.P.S. teacher (30days)	.	.	.	.	.	.	.07	16	33.60	.07	16	33.60	.07	16	33.60	.07	16	33.60	64	134.40	
	TOTAL									833.60			833.60			833.60			833.60		3334.40	

Proposed Budget for Sixe year under S.S.A. (Rupees in Thousands)

S.No.	Activities perticuiars main / sub Heads	2001-02			2002-03			2003-04			2004-05			2005-06			2006-07			Total		
		Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	
R3	26 U.P.S. where post heve been not Sanctioned																					
	Salary of Astt teachers	-	-	-	10.00	78	6240.00	12.60	78	11793.60	13.23	78	12383.28	13.89	78	13001.04	14.58	78	13646.88	78	57064.80	
	TOTAL						6240.00			11793.60			12383.28			13001.04			13646.88		57064.80	
R4-	Research Evalution and Monitaring																					
1-	Microplaning/EMIS/ Printing	250.00	-	108.00	250.00	-	250.00	250.00	1	250.00	250.00	1	250.00	25.00	1	250.00	250.00	1	250.00	1	1358.00	
2-	Computer training for Diet and other (30 days)	0.10	-	-	0.10	40	120.00	0.10	40	120.00	0.01	40	120.00	0.10	40	120.00	0.10	40	120.00	40	600.00	
3-	Work experience trg for U.P.S. teacher (5 days)	-	-	-	0.07	40	14.00	0.07	40	14.00	0.07	40	14.00	0.07	40	14.00	0.07	40	14.00	40	70.00	
4-	Training for JE/AE/ (5 days)	-	-	-	0.10	14	7.00	0.10	14	7.00	0.10	14	7.00	-	-	-	-	-	-	14	21.00	
5-	General training for DIET staff 5 days	-	-	-	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	20	50.00	
6-	Training for ABSA/SDI/Distt Coordinator (5 days)	0.10	16	5.60	0.10	0.20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	0.10	20	10.00	20	55.60	
7-	Trg for BRC/ NPRC coordinator (10 days)	0.07	50	35.00	0.07	50	35.00	0.07	52	36.40	0.07	54	37.80	0.07	56	39.20	0.07	56	39.20	56	222.60	
8-	Trg for DRG members (5 days)	-	-	-	0.07	70	24.50	-	-	-	0.07	70	24.50	-	-		0.07	70	24.50	70	73.50	
9-	Honorarium for resource person	-	-	-	0.10	21 8month	14.70	.10	21	25.20	.10	21	25.20	.10	21	25.20	.10	21	25.20	21	115.50	
10-	EMIS at State/ Distt/ Block level	-	-	450.00	-	-	837.80	-	-	837.80	-	-	837.80	-	-	837.80	-	-	837.80	-	4638.20	
	TOTAL			598.60			1322.20			1310.40			1336.30			1306.20			1330.70		7204.40	
	R1+R2+R3+R4			5703.10			12324.70			18964.76			19722.68			20363.84			20663.68		97742.76	

S.No.	Activities perticulars main / sub Heads	2001-02			2002-03			2003-04			2004-05			2005-06			2006-07			Total		
		Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	
	Monthly meeting TA/DA	.20	-	-	.20	31	6.20	2.4	31	74.40	2.4	33	79.20	2.40	33	79.20	2.40	33	79.20	6	318.20	
	New CRC unserved construction	200.00	2	400.00	-	-	-	200.00	2	400.00	200.00	2	400.00	-	-	-	-	-	-	-	1200.00	
	Furniture/ Equipments	10.00	29	310.00	-	-	-	10.00	2	20.00	10.00	2	20.00	-	-	-	-	-	-	-	350.00	
	TOTAL			813.00			1717.70			5290.10			5853.78			5662.14			5935.38		25272.10	
C3	D.P.O.																					
	Strang thing of DPO	-	-	100.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	100.00	
	Book Bank liberary for DPO	-	-	50.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	50.00	
	Distt coordinator	10.00	4	120.00	12.00	4 (8month)	384.00	14.70	4	705.60	15.44	4	741.12	16.2	4	777.60	17.01	4	816.48	4	3544.80	
	Astt Account officer	-	-	-	12.00	1 (8month)	96.00	14.70	1	176.40	15.44	1	185.28	16.2	1	194.40	17.01	1	204.12	1	856.20	
	Accountant	7.5	1	22.50	8.5	1 (8month)	68.00	10.50	1	126.00	11.03	1	132.36	11.58	1	138.96	12.16	1	145.92	1	633.74	
	Computer Operator	6.5	1	21.00	8.5	1 (8month)	68.00	8.0	1	96.00	8.0	1	96.00	8.0	1	96.00	8.0	1	96.00	1	473.00	
	Clerk/ typist	7.0	2 (3month)	42.00	7.0	1 (8month)	56.00	6.3	1	75.60	6.62	1	79.44	6.95	1	83.40	7.3	1	87.60	1	424.04	
	Peon	4.60	2	27.00	6.6 (8month)	2	72.00	4.73	2	113.52	4.97	2	119.28	5.22	2	125.28	5.48	2	131.52	2	588.60	

Proposed Budget for Six year under S.S.A. (Rupees in Thousands)

S.No.	Activities perticuiars main / sub Heads	2001-02			2002-03			2003-04			2004-05			2005-06			2006-07			Total		
		Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Unit Cost	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	
	Sweepor/ Chokidar	3.00	1 (3month)	9.00																	9.00	
	Vehicle (Hirring)	18.00	1 (4month)	72.00	18.00	1 (8month)	144.00	18.00	1	216.00	18.0	1	216.00	18.00	1	216.00	18.00	1	216.00	1	1080.00	
	P. Oil	10.00	1 (4month)	40.00	10.00	1 (8month)	80.00	10.00	1	120.00	10.00	1	120.00	10.00	1	120.00	10.00	1	120.00	1	600.00	
	Contingency	50.00	-	30.00	5.00	-	50.00	50.00	-	50.00	50.00	-	50.00	50.00	-	50.00	50.00	-	50.00	-	280.00	
	Electricity Bill	5.00	4month	20.00	5.00	8month	40.00	5.00	1year	60.00	5.00	1year	60.00	5.00	1year	60.00	5.00	1year	60.00	6year	300.00	
	Telephone Bill/Connection	3.00	-	25.00	3.00	8month	24.00	3.00	1year	36.00	3.00	1year	36.00	3.00	1 year	36.00	3.00	1year	36.00	6year	193.00	
	TA/DA	20.00	2month	40.00	20.00	8month	160.00	20.00	1year	240.00	20.00	1year	240.00	20.00	1year	240.00	20.00	1year	240.00	6year	1160.00	
	Honorarium AR/JE/ Consultent	-	-	-	3.00	21	63.00	3.00	21	63.00	3.00	21	63.00	-	-			-	-	21	189.00	
	AWPB for Next year	15.00	-	15.00	20.00	-	20.00	30.00	-	30.00	30.00	-	30.00	30.00	-	30.00	30.00	-	30.00	-	155.00	
	TOTAL			633.50			1325.00			2108.12			2168.48			2167.64			2233.64		10636.38	
	C1+C2+C3			2962.00			4481.20			10236.72			10993.06			10935.53			11421.17		51029.68	
	GRAND TOTAL			33141.982			54741.317			85453.350			88011.120			81716.540			83369.590		366433.899	

Proposed Budget for Six year under S.S.A. (Rupees in Thousands)

Civil Work

S.No.	Activities perticulars main / sub Heads	Unit Cost	2001-02		2002-03		2003-04		2004-05		2005-06		2006-07		Total		
			Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	Phy.	Fan.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	
1-	Additional rooms for PS/UPS/GHS/Inter/BRC	70.00	45	3150.00	70	4900.00	100	7000.00	-	-	-	-	-	-	215	15050.00	
			15	1050.00	14	980.00	10	700.00	-	-	-	-		-	39	2730.00	
			7	490.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	7	490.00	
2-	Reconstruction of PS	275.00	5	-	08	560	45	3150.00	-	-	-	-	-	-	53	3710.00	
	UPS	400.00	-	1375.00	11	3025.00	10	2750.00	-	-	-	-	-	-	36	7150.00	
		-	-	-	-	-	2	800.00	-	-	-	-	-	-	2	800.00	
3-	New Primary school	275.00	-	-	10	2750.00	15	4125.00	05	1375.00	-	-	-	-	30	8250.00	
4-	New Upper Primary school	400.00	-	-	07	2900.00	07	2800.00	-	-	-	-	-	-	14	5600.00	
5-	Toilets for PS/UPS	15.00	50	750.00	50	750.00	57	855.00	-	-	-	-	-	-	157	2355.00	
6-	Boundary walls for PS	40.00	28	1120.00	50	2000.00	80	3200.00	80	3200.00	-	-		-	238	9520.00	
	for UPS	50.00	-	-	15	750.00	23	1150.00	20	1000.00		-	-	-	58	2900.00	
	for HS/Inter	50.00	-	-	-	-	06										
7-	New CRC Building	200.00	2	400.00	-	-	02	400.00	02	400.00	-	-	-	-	06	1200.00	
8-	Drinking water for PS/UPS	20.00	19	380.00	-	-29	560.00	-	-	-	-	-	-	-	48	960.00	
9-	PS Building (upgradation of EGS)	275.00	-	-	-	-	-	-	05	1375.00					5	1375.00	
	TOTAL			8715.00		18515.00		27510.00		7350.00						62090.00	

बजट विवरण 2001-2007

अतिरिक्त कक्ष :–

जनपद के विद्यालयों में बढ़ती छात्र संख्या के अनुसार बैठने की व्यवस्था न होने के कारण सर्व शिक्षा अभियान के दौरान वर्ष 2001–02 में 60, 2002–2003 में 92, 2003–04 में 155 कुल 307 अतिरिक्त कक्ष प्राथमिक विद्यालयों, पूर्व माध्यमिक विद्यालयों तथा हाईस्कूल एवं इण्टर हेतु प्रस्तावित किए गए है। जिनमें वर्षवार व्यय धनराशि 70 हजार प्रति कक्ष की दर से इस प्रकार है वर्ष 2001–02 में 4200 हजार, 2002–03 में 6440 हजार, वर्ष 2003–04 में 10850 हजार, कुल 21490 हजार रूपये की धनराशि प्रस्तावित है।

पुनर्निर्माण :–

जीर्णक्षीर्ण/ध्वस्त एवं भवनहीन विद्यालयों में भवन निर्माण हेतु जनपद उधमसिंह नगर में कुल प्राथमिक में 26, पूर्व माध्यमिक में 02 पुनर्निर्माण का लक्ष रखा गया है जिसमें प्राथमिक में 3 भवनहीन 23 ध्वस्त है तथा पूर्व माध्यमिक में 2 ध्वस्त एवं जीर्णक्षीर्ण है। वर्ष 2001–02 में 5 प्राथमिक विद्यालयों के पुनर्निमार्ण में 275 हजार प्रति विद्यालय की दर से 1375 हजार, वर्ष 2002–03 में 11 प्राथमिक विद्यालयों में पुनर्निर्माण में 3025 हजार वर्ष 2003–04 में 10 प्राथमिक में 2750 हजार, 2 पूर्व माध्यमिक में 400 हजार प्रति विद्यालय की दर से 800 हजार का व्यय होगा इस प्रकार कुल 23 प्राथमिक विद्यालयों के पुनर्निर्माण में कुल 7950 हजार तथा 2 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के पुनर्निर्माण में 800 हजार की धनराशि का प्रस्ताव रखा गया है।

शौचालय :–

विद्यालयों में बच्चों के ठहराव हेतु शौचालय की आवश्यकता अति आवश्यक है विशेषकर बालिकाओं हेतु सर्व शिक्षा अभियान के दौरान जनपद में कुल 157 शौचालयों का लक्ष रखा गया है। जिसमें कुल 2355 हजार रूपया प्रस्तावित है। वर्ष 2001–02 में 50 शौचालयों हेतु 750 हजार, 2002–03 में 50 शौचालयों हेतु 750 हजार, 2003–04 में 57 शौचालयों हेतु 855 हजार रूपया प्रस्तावित है।

शिक्षा गारण्टी केन्द्रों का उच्चीकरण :–

जनपद में सर्वशिक्षा अभियान के दौरान प्राथमिक शिक्षा से प्रत्येक बस्ती को सेवित करने हेतु प्रस्तावित 76 शिक्षा गारण्टी केन्द्रो में से 05 केन्द्रो को वर्ष 2004–05 में उच्चीकृत किया जा रहा है। इसमें मानक के अनुसार शिक्षण सामग्री पर 50 हजार भवन निर्माण हेतु 1375 हजार तथा पांच अध्यापकों के वेतन हेतु 1876 हजार व 5 शिक्षामित्रों के वेतन में 495 हजार रूपया, कुल 3796.80 हजार धनराशि प्रस्तावित की गई है।

विघालय अनुदान :–

जनपद में प्राथमिक विद्यालय पूर्व मा. वि. एवं हाईस्कूल इण्टर कालेजों को रख रखाव हेतु 2 हजार रूपया प्रतिवर्ष की दर से विद्यालय अनुदान देने का प्रस्ताव रखा गया है। इस हेतु 2001–02 में कुल 871 विद्यालयों को 1742 हजार 2–3 में 9005 विद्यालयों को 1810 हजार वर्ष 3–4 में 938 विद्यालयों को 1876 हजार, वर्ष 4–5 में 960 विद्यालयों 1920 हजार तथा 5–6 एवं 6–7 में 965 विद्यालयों को 1930 हजार, कुल 11208 हजार रूपये की धनराशि का प्रस्ताव रखा गया है।

अध्यापक अनुदान :–

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु प्रत्येक अध्यापक को सहायक शिक्षण सामग्री के निर्माण हेतु 500 रूपया प्रति अध्यापक देने का प्रस्ताव रखा गया है। इस हेतु वर्ष 2001–02 में 2686 अध्यापकों को 1343 हजार वर्ष 2–3 में 2905 अध्यापकों को 1452.50 हजार, वर्ष 3–4 में 3501 अध्यापकों हेतु 1750.5 हजार वर्ष 4–5 में 3535 अध्यापकों हेतु 1767.5 हजार वर्ष 5–6 एवं 6–7 में 3595 अध्यापकों हेतु 1797.5 हजार, कुल 9908.5 हजार की धनराशि प्रस्तावित है।

वेतन :–

वेतन हेतु प्रत्येक वर्ष मानक पर 5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह प्रक्रिया वर्ष 3–4 से लागू की गई है। 12000 रूपया वेतन पर 5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3–4 में 12.6 मानक माना गया है।

अध्यापक :–

जनपद में बेसिक परियोजना के दौरान खोले गए 26 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में अध्याकपों के पद सजृति नहीं है। सर्व शिक्षा अभियान के दौरान इन विद्यालयों में 78 सहायक अध्यापकों के पदों की मांग का प्रस्ताव रखा गया है। इन अध्यापकों के वेतन हेतु वर्ष 2–3 में 6240 हजार, वर्ष 3–4 में 11793.60 हजार वर्ष 4–5 में 12383.28 हजार, वर्ष 5–6 में 13001.04 हजार, तथा 6–7 में 13646.88 हजार, कुल 57064.80 हजार की धनराशि प्रस्तावित है।

शोध मूल्यांकन एवं अनुश्रवण :–

शोध मूल्यांकन के अन्तर्गत माइक्रोप्लांनिंग हेतु वर्ष 1–2 में 108 हजार, तथा 2–3 में 6–7 तक 250 हजार, कुल 1358 हजार प्रस्तावित है। विभिन्न प्रशिक्षणों में कुल व्यय मानक के अनुसार 1093.2 हजार प्रस्तावित है। मानदेय हेतु 115.5 हजार, तथा ई.एम.एस हेतु वर्ष 1–2 में 450 हजार वर्ष 2–3 में 837.00 हजार तथा वर्ष 3–4 में 837.8 हजार प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में कुल प्रस्तावित धनराशि 7204.40 हजार है।

नवाचार शिक्षा :–

नवाचार शिक्षा के अन्तर्गत प्रथम कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक शिक्षा हेतु 250 आंगनवाड़ी केन्द्रो को गोद लेने का प्रस्ताव है। वर्ष 1–2 में इस हेतु 1500 हजार वर्ष 2–3 में इस हेतु कार्यकर्ती एवं सहायिका के मानदेय पर 4035 हजार, शैक्षणिक सामग्री पर 1250 हजार, प्रशिक्षण पर 965.72 हजार, सामुदायिक सहभागिता हेतु 367.16 हजार, वी.ई.सी. प्रशिक्षण हेतु 579.28 हजार, कला जत्था हेतु 232.50 हजार तथा मा बेटी मेला हेतु 93 हजार रूपया कुल 9022.66 हजार रूपया प्रस्तावित किया गया है।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण :–

द्वितीय कार्यक्रम के अन्तर्गत बालिका शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु 8 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में प्रतिवर्ष कम्प्यूटर शिक्षा लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है। इस हेतु प्रत्येक विद्यालय में कम्प्यूटर देने हेतु 800 हजार प्रति विद्यालय तथा प्रत्येक विद्यालय से दो अध्यापिकाओं को प्रशिक्षण हेतु मानक के अनुसार कुल 33.60 हजार प्रति विद्यालय का प्रस्ताव रखा गया है। कुल 32 विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा हेतु 3200 हजार तथा 64 अध्यापिकाओं के प्रशिक्षण हेतु 134.40 हजार कुल 3334.40 हजार की धनराशि का प्रस्ताव रखा गया है।

गुणवत्ता :–

अध्यापक प्रशिक्षण :–

शिक्षण प्रक्रिया में सुधार हेतु अध्यापकों को प्रशिक्षण देना आवश्यक है। इस हेतु प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय के समस्त अध्यापकों को प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव रखा गया है। मानक के अनुसार इस प्रशिक्षण में कुल व्यय 9958.2 हजार प्रस्तावित है।

निशुल्क पाठय पुस्तक वितरण :–

अनुसूचित जाति के बालक, जनजाति के बालक तथा सभी बालिकाओं को निशुल्क पाठय पुस्तक वितरित करने हेतु वर्ष 2001–02 के बच्चों की संख्या को आधार मानकर वर्ष 2006–7 तक प्रोजेक्शन किया गया है। तथा .09 हजार प्रति बच्चे कीदर से कुल प्रस्तावित धनराशि 81899.07 हजार है। इसमें वर्ष 2001–02 में 15288.45 हजार 2–3 में 14418 हजार, 3–4 में 12531.60 हजार, 4–5 में 12869.73 हजार वर्ष 5–6 में 13217.22 हजार तथा वर्ष 6–7 में 13574.07 हजार है।

विकलांग बच्चो हेतु सुविधा :–

विकलांग बच्चो को उपकरण आदि की सुविधा देकर औपचारिक शिक्षा से जोड़ने हेतु वर्ष 2001–02 में 707 बच्चो हेतु 848.4 हजार वर्ष 3–4 में विद्यालय जाने वाले 1109 बच्चों हेतु 1.2 हजार प्रति बच्चे की दर से प्रतिवर्ष 1330.80 हजार की धनराशि कुल 6171.60 हजार का लक्ष रखा गया है।

बी0 आर0 सी :–

बी0 आर. सी. को सुदृढ़ करने हेतु आकस्मिक व्यय, यात्रा भत्ता, समन्वयकों का वेतन तथा उपकरण साज सज्जा, एक अतिरिक्त कक्ष, फोटो कोपियर, आदि का प्रस्ताव रखा गया है। जनपद की 7 वी बार.सी हेतु कुल प्रस्तावित धनराशि 15121.20 हजार है।

एन.पी.आर.सी :–

एन.पी.आर.सी हेतु आकस्मिक व्यय यात्रा भत्ता, समन्वयक का वेतन, आदि हेतु मानक के अनुसार ध नराशि प्रस्तावित की गई है। जनपद के कुछ विकास खण्डों में न्याय पंचायतों के अंदर 60 से अधिक विद्यालय होने के कारण 6 नये सी0.आर0 सी0 खोलने का प्रस्ताव भी रखा गया है। जिसमें 2 लाख प्रति की दर से 120 0 हजार की धनराशि प्रस्तावित है। एन.पी.आर.सी. हेतु कुल प्रस्तावित धनराशि 25272.10 हजार है।

परियोजना कार्यालय :–

वर्ष 2001–02 में परियोजना कार्यालय की व्यवस्था हेतु 100 हजार की धनराशि, बुक बैंक लाइब्रेरी हेतु 50 हजार की धनराशि प्रस्तावित है। 4 जिला समन्वयक, एक सहायक लेखा अधिकारी, एक एकाउन्टेन्ट, एक कम्प्यूटर आपरेटर, 2 लिपिक, 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदो के सजृन तथा इनके वेतन हेतु धनराशि मानक के अनुसार प्रस्तावित की गई है। वर्ष 2001–02 में 3 हजार प्रतिमाह की दर से 3 माक का वेतन स्वीपर/चौकीदार के लिए मांगा गया है, वाहन के किराये तथा पैट्रोल, बिजली, टेलीफोन, यात्रा भत्ता, आकस्मिक व्यय जे.ई./ए.ई के मानदेय तथा अगले वर्ष की कार्ययोजना हेतु धनराशि का प्रस्ताव रखा गया है। जिला परियोजना कार्यालय हेतु कुल व्यय 10636.38 हजार है।

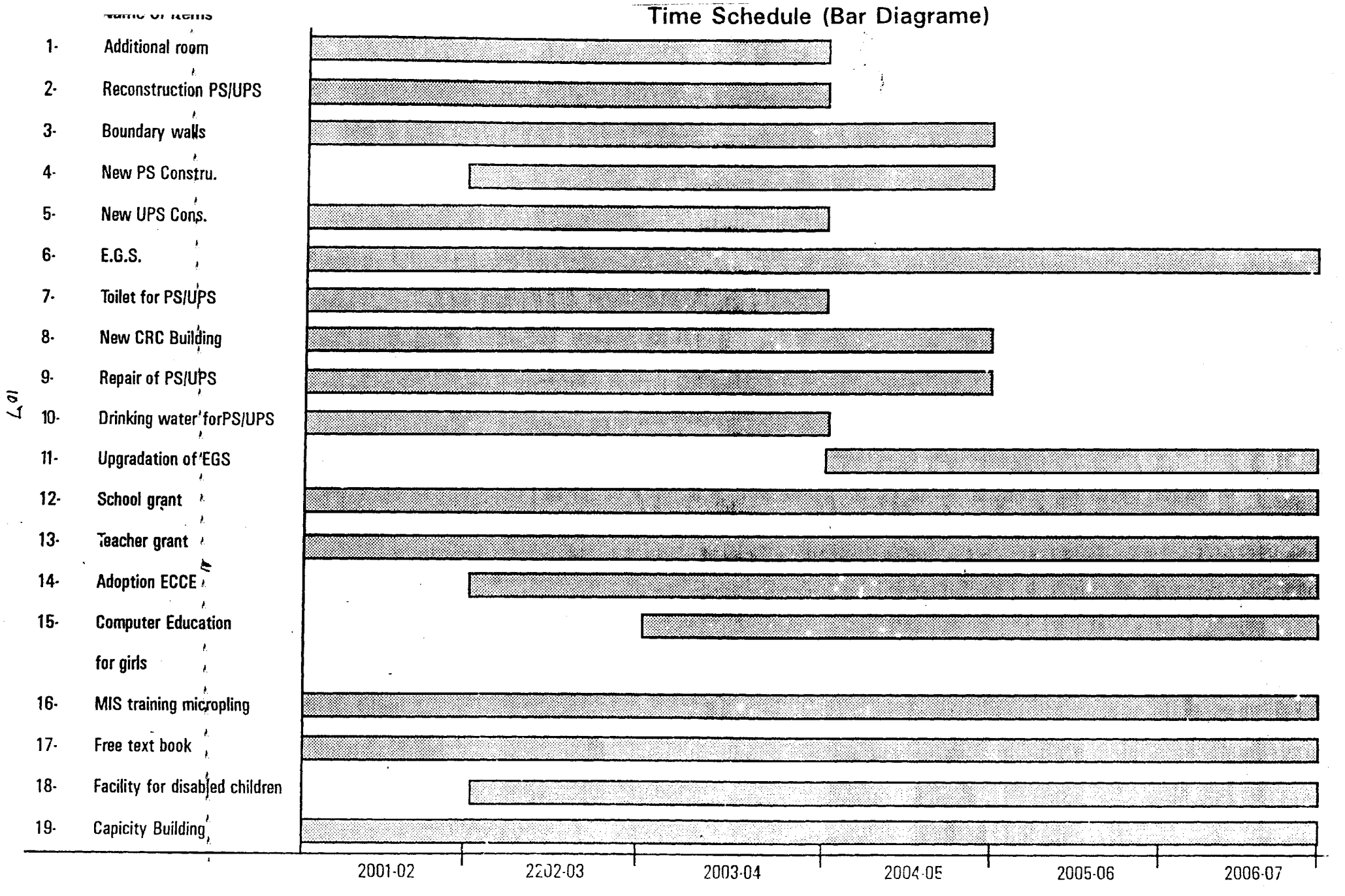

Time Schedule (Bar Diagrame)

प्रस्तावित नवीन प्राथमिक विद्यालयों की सूची

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	असेवित बस्ती का नाम	ग्राम सभा	जनसंख्या	विद्यालय से दूरी	छात्र संख्या (अनुमानित)
1.	जसपुर	(1) आमका	आमका	800	2किमी.	67
2.	काशीपुर	(2) गिनती खेड़ा	बांसखेड़ा	625	1.5किमी	61
		(3) दोहरी वकील	रामनगर	629	1.5किमी	52
		(4) ढकिया नं.3	ढकिया कला	694	2 किमी	55
3.	बाजपुर	(5) टांडा आजम	सरकड़ी	410	2किमी	40
		(6) गुलाब का झझरा	सरकड़ी	350	2 किमी.	40
4.	गदरपुर	(7) डलपुरा	रोशनपुर	400	1.5किमी	50
		(8) नारायणपुर	नारायणपुर	685	1.2किमी	55
5.	रूद्रपुर	(9) गौरीकला	तुर्कीगौरी	413	3किमी	40
		(10) कठरी	गऊघाट	2424	4किमी	80
		(11) सिसई	बण्डिया	1220	1.5किमी	70
		(12) J&K Blockहल्दी	विश्व वि.क्षेत्र	525	4किमी	53
6.	सितारगंज	(13) हल्दुआ	हल्दुआ	389	2.5किमी	80
		(14) टुण्डलिया	गोविन्दपुर	1286	2किमी	110
		(15) खुनसरा	गोविन्दपुर	338	2किमी	70
		(16) देवधार	गोविन्दपुर	389	2किमी	80
		(17) मलपुरी	मलपुरा	379	3किमी.	75
		(18) सुभाषनगर	पढ़ावगांव	302	1.2किमी	70
		(19)विष्णुनगर	देवनगर	460	2किमी.	95
		(20) रणजीत पुर	जेलकैम्प	579	2किमी	104
		(21) जगतारपुर	बरागर	300	2.5किमी	60
		(22) पीपलिया	पीपलिया	645	2किमी	120
		(23)रतनफार्म नं.7	बरूआ बागझाड़ी	302	2किमी	70

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	असेवित बस्ती का नाम	ग्राम सभा	जनसंख्या	विद्यालय से दूरी	छात्र संख्या (अनुमानित)
		(24) लौका	नकुलिया	767	2किमी	50
		(25) विचई	विचवा	319	2.5किमी	50
		(26)पथरी फार्म	ऐजनिया	459	2किमी	50
		(27)रन्नाली	पहसैनी	429	3किमी	90
		(28) मगरसड़ा	विरिया	694	2किमी	70
		(29) गिधौर	गिधौर	819	2किमी	100
		(30) देवीपुरा	गिधौर	941	2किमी	120
		(31) बंगाली कालौनी	नानकमत्ता	1162	2किमी	300
		(32) सलमता	विचपुरी	652	2किमी	90
7.	खटीमा	(33) छिनकी	कुटरा	1267	2किमी	50
		(34) जोगीढेर नगला	मुहगदपुरपुड़िया	689	2किमी	80
		(35) चंडेली थारूपही	चन्देली	547	2किमी	45
		(36) हल्दी	भैंसा मिलैया	425	2किमी	40
		(37) जस्सारी	फुलैया	1013	2किमी	80
		(38) पटिया (नौसर)	नौसर	527	3किमी	50
		(39) कुटरा (नौसर)	नौसर	438	1.5किमी	40
		(40) अवडिया	सरपुड़ा	325	2किमी	40

प्रस्तावित नवीन उच्च प्राथमिक विद्यालयों की सूची

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	असेवित बस्ती का नाम	ग्राम सभा	जनसंख्या	विद्यालय से दूरी	छात्र संख्या (अनुमानित)
1.	जसपुर	(1) तीरथ	बनग्रामू	800	8किमी	250
		(2) मेघावाला	मेघावाला	1752	4किमी	122
2.	काशीपुर	(3) नूरपुर	मुकन्दपुर	802	3किमी	43
		(4) खड़कपुर देवीपुरा	खड़कपुर	3447	3किमी	100
		(5) गोपीपुरा	हेमपुर दया	1200	3किमी	25
3.	बाजपुर	(6) गुमसानी	गुमसानी	900	4किमी	71
		(7) खम्बारी	खम्बारी	1200	3किमी	85
		(8) थापकनगला	विजयरम्पुरा	1320	3किमी	60
		(9)बरवाला	बरवाला	860	4किमी	60
		(10)रम्पुराकाजी	रम्पुराकाजी	1025	3किमी	70
		(11) सरकड़ी	सरकड़ी	1045	3किमी	60
4.	गदरपुर	(12) कुलवंतनगर	बरीराई	4488	6किमी	45
		(13) आर्यनगर	गुमचइया	1375	6किमी	150
5.	रूद्रपुर	(14)गऊघाट	गऊघाट	2424	3.5किमी	50
		(15) ढौराडाम	बखपुर	800	4किमी	50
6.	सितारगंज	(16)तिलियापुर	तिलियापुर	1020	3किमी	100
		(17) रतनफार्म नं.3	बरूआबागझाड़ी	2505	3किमी	150
7.	खटीमा	(18) उलझन विसौल	उलझन	7723	5किमी	80
		(19) सिरसैया	खालीमहुवंट	1571	5किमी	100
		(20)मुड़ाई	मुड़ाई	1741	5किमी	80
		(21) सरपुड़ा	सरपुड़ा	1593	8किमी	70
		(22) फुलैया	फुलैया	1325	4किमी	60
		(23) गौहरपरिया	विगरवाग	1284	4किमी	70
		(24) भगचुरी	बण्डिया	1420	3किमी	80

विद्यालय पुनर्निर्माण विवरण प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर
(भवनहीन एवं जीर्णशीर्ण)

क्र.	विकासखण्ड	प्रा.वि.सं.	नाम प्राथमिक विद्यालय	पूर्व मा. वि.सं.	नाम पूर्व माध्यमिक विद्यालय
1.	जसपुर	06	1.प्रा.वि. खालीघाट	–	–
			2.प्रा.वि. नादेही		
			3. प्रा.वि. टांडा प्रभापुर		
			4. प्रा.वि. गंगापुर चैत		
			5. प्रा.वि. सूरजपुर		
			6. प्रा.वि. टीला		
2.	काशीपुर	–	–	–	–
3.	बाजपुर	05	1.प्रा.वि. झारखण्डी	–	–
			2. प्रा.वि. हरिपुरा 2		
			3. प्रा.वि. बरहनी		
			4. प्रा.वि. कनौरा		
			5. प्रा.वि. सुल्तानपुर		
4.	गदरपुर	08	1.प्रा.वि. पंचाननपुर		
			2. प्रा.वि. कोपा		
			3. प्रा.वि.रोशनपुर तोतेवाला		
			4.प्रा.वि. तिलपुरी पं.1		
			5. प्रा.वि. कालीनगर		
			6. प्रा.वि. रजपुरा नं.2		
			7. प्रा.वि. चन्दन नगर		
			8. प्रा.वि. जमनपुरी (भवनहीन)		
5.	रूद्रपुर	13	1. प्रा.वि. वीरूनगला		
			2. प्रा.वि. पक्की खमरिया		
			3. प्रा.वि. दरऊ 1		

विद्यालय पुनर्निर्माण विवरण प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर
(भवनहीन एवं जीर्णशीर्ण)

क्र.	विकासखण्ड	प्रा.वि.सं.	नाम प्राथमिक विद्यालय	पूर्व मा. वि.सं.	नाम पूर्व माध्यमिक विद्यालय
			4. प्रा.वि. विगबाड़ा		
			5. प्रा.वि. मलसा गिरधरपुर		
			6. प्रा.वि. सतुइया		
			7. प्रा.वि. शांतिपुरी नं.2		
			8. प्रा.वि. रामनगर		
			9. प्रा.वि. नगला		
			10. प्रा.वि. आनन्दपुर		
			11. प्रा.वि. पटेरी		
			12. प्रा.वि. सिरौली कला		
			13. प्रा.वि. बरी		
6.	सितारगंज	06	1 प्रा.वि. सरकड़ा	02	1. उ.प्रा.वि. विचवा
			2 प्रा.वि. विजटी		2. उ.प्रा.वि. बलखेड़ा
			3. प्रा.वि. कुंवरपुर सिसैया		
			4. प्रा.वि. खमरिया		
			5. प्रा.वि. शक्तिफार्म नं.2		
			6. प्रा.वि. घुसरी		
7.	खटीमा	05	1. प्रा.वि. मेलाघाट(भवनहीन)		
			2. प्रा.वि. बाधा (भवन हीन)		
			3. प्रा.वि. खटीमा 2		
			4. प्रा.वि. सड़ासड़िया-नवीन		
			5. प्रा.वि. छोटी बंगुलिया		
	योग	43		02	

प्रस्तावित शिक्षा गारण्टीकेन्द्र (ई.जी.एस.)की सूची

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	असेवित बस्ती का नाम	जनसंख्या	विद्यालय से दूरी	छात्र संख्या (अनुमानित)
		(7) मरियमपुर	413	2किमी	15
		(8) टांडा आजम	350	2किमी	40
		(9) महेशपुरा	270	2किमी	25
4.	गदरपुर	(1)रामजीवनपुर	350	2किमी	46
		(2) बलखेड़ा	203	2किमी	30
		(3) कलकत्ता	351	1.5किमी	30
		(4) गिरधरनगर	560	1.5किमी	35
		(5) कुंवरपुर	234	2किमी	34
		(6) मजरागुमानी	205	2किमी	25
		(7) पत्थर कुई	305	1.7किमी	51
		(8) लखनऊ कालौनी	502	1.5किमी	53
		(9) सैदली गंडा	132	2किमी	12
5.	रूद्रपुर	(1) सौनेरा	150	2किमी	20
		(2) पीपलिया	150	1.5किमी	20
		(3) बण्डिया वार्ड 6	828	1.5किमी	18
		(4) वार्ड 18	1704	2किमी	25
		(5) वार्ड 8	2148	2किमी	20
		(6) छतरपुरकालौनी	459	2किमी	20
		(7) मस्जिद कालौनी	556	1.5किमी	20
		(8) रहपुरा	211	1.5किमी	20
		(9) गडरियावाग	105	1.2किमी	10
6.	सितारगंज	(1)वनकुंआ गोवा	266	2किमी	25
		(2) जौरासाला	423	3किमी	20
		(3) हंसपुर	225	5किमी	25

प्रस्तावित शिक्षा गारण्टीकेन्द्र (ई.जी.एस.)की सूची

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	असेवित बस्ती का नाम	जनसंख्या	विद्यालय से दूरी	छात्र संख्या (अनुमानित)
		(4) गंगापुर	218	4किमी	20
		(5)उकरौली वन	295	2किमी	20
		(6) लक्ष्मीनगर	198	1.5किमी	25
7.	खटीमा	(1) बन्दा	1328	1.5किमी	30
		(2) बलुवाखैराना	441	1.5किमी	15
		(3) गलाबाग	249	4किमी	10
		(4) नईबस्ती	273	1.5किमी	15
		(5) गुजरबस्ती	183	2किमी	12
		(6) भीमकालौनी	151	1किमी	10
		(7) दाहढाकी	504	2किमी	20
		(8) इस्लामनगर	1400	1किमी	20
		(9) विसौदा	393	2.1किमी	15
		(10)पन्तागोठ (वनक्षेत्र)	200	5किमी	20
		(11) दुगाड़ीगांठ (वन क्षेत्र)	250	5किमी	20
		(12) वेरीघाट	225	1.1किमी	15
		(13) मोहनपुर	1250	3किमी	10
		(14)भगचुरीफार्म	172	1.5किमी	10
		(15) बानुसी द्वितीय	250	2किमी	10

शिक्षा गारण्टी केन्द्र उच्चीकरण विवरण (प्राथमिक विद्यालय)

क्र. सं.	विकासखण्ड	केन्द्रो की सं.	प्रस्तावित उच्चीकरण केन्द्र		
			वर्ष 2005–06	2006–07	2007–08
1.	जसपुर	5	1.रायपुर मुढैया	अमृतपुर	अहमदनगर
			2.डाम की गुजर	नया टांडा प्रभापुर	
2.	काशीपुर	9	1.खड़कपुरदेवीपुरा	गुलड़िया	नेझड़ा
			2.बांस खेड़ा	जैतपुर धोशी	सांडखेड़ा
			3.स्कार्टफार्म	धमौरी	
				धमौरा मुस्तकम	
3.	बाजपुर	8	मझरा वाली बस्ती	टांडा आजम	मदैया बक्सी
			मरियम पुर	महोली वन	बांजपुर गांव
			मुडिया कला	महेशपुर	
4.	गदरपुर	8	गिरधर नगर	रामजीवन पुर	बलखेड़ा
			लखनऊ कालौनी	पत्थर कुई	कुंवरपुर
			कलकत्ता	मझरा गुमानी	
5.	रूद्रपुर	6	वार्ड नं.8	मस्जिद कालौनी	रहपुरा
			वार्ड नं.18	छतरपुर कालौनी	
			वार्ड नं. 6		
6.	सितारगंज	5	जौरासाल	वनकुआंगोव	गंगापुर
			उकरौलीवन	हंसपुर	
7.	खटीमा	8	बन्दा	नईबस्ती	बलुवाखैराची
			गुलाबबाग	विसौटा	पन्तनगर
			मोहनपुर	वाकुसी 2	